



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 25, 1990 (भाद्रपद 3, 1912)  
 No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1990 (BHADRA 3, 1912)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

केन्द्रीय बृहण प्रभाग

अम्बर्हाइ, दिनांक 31 जुलाई 1990

सं. सी औ. डी टी. ए सी एस. 5/369/90-91—31 मार्च 1990 को भारत भरभार रूपया शृण कार्यालय, भारतीय बैंक, लंदन की बहियों में बकाया और भारत में पुनः अंतरित राशि की कटौती के अंतर्गत लंदन में ब्याज की अदायगी के लिए मूल्यांकित सरकारी बचन पत्रों का विवरण :—

विवरण	3 प्रतिशत परिवर्तन शृण 1946	3 प्रतिशत शृण 1896-97	जोड़
30 फिसल्डर 1989 का शेष	₹ 14,200	₹ 2,300	₹ 16,500

जोड़िए

31 मार्च 1990 को समाप्त हुई छमाही के दोरान लंदन में  
 मूल्यांकित की गई राशि

घटावद	₹ 3,100	—	₹ 3,100
लंकन के इंजिस्टरों में बट्टे खाते डाली गई राशि	₹ 11,100	₹ 2,300	₹ 13,400
31 मार्च 1990 का शेष			एस. एस. रु 16,500

मुख्य सचिवालय  
 एस. एस. रु 16,500

दी इन्स्टीच्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

कलकत्ता, दिनांक 23 मई 1990

ग्री. डब्ल्यू. आर (1)/90.—कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1959 जिनका प्रयोग कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, 1959 (1959 की धारा मंख्या 23) की धारा 39 की उपधारा (1) और (3) में दिए जाने वाले मंशाधनों के कल्प प्रस्ताव का निम्न मसौदा इसमें प्रमाणित होने वाले व्यक्तियों की जानकारी होते प्रकाशित किया जा रहा है और एतद्वारा यह सुचित किया जाता है कि उक्त मसौदे को मात्र सितम्बर, 1990 को या उसके बाद उस पर विचार करने होते इहण किया जाएगा। उपरोक्त मसौदे में भव्यनिधि कोई आपत्ति या प्रस्ताव विनियोगित तिथि में पर्याप्त विस्तृत में प्राप्त होता है तो उस पर इन्स्टीच्यूट कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स द्वारा विचार किया जाएगा।

1. धर्मानुष विनियम 20 की निम्नलिखित नए नियम के माथ प्रतिस्थापित किया जाएगा।

20. पंजीयन की धारों :—

प्रत्येक व्यक्ति जो “पंजीकृत छात्र” बनने के लिए आवेदन करना चाहता है उसे फार्म-1 पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा तथा काउन्सिल के समझ, उसे संतुष्ट करने के लिए यह प्रमाण करना होगा कि उसने विनियम में निर्धारित आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। यदि उसने निम्नलिखित परीक्षाओं में भे कोई भी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो उसे पंजीकृत छात्र के रूप में प्रवेश पाने होते “आधारभूत परीक्षा” उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं है :—

(क) किसी भी विश्व विद्यालय की उपाधि (डिग्री) परीक्षा।

(ख) इन्स्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया, या इंग्लैण्ड और वेस या स्काटलैण्ड की आधारभूत की अंतिम परीक्षा या चार्टर्ड इन्स्टीच्यूट आफ मैनेजमेंट आफ कम्पनी सेक्टरी की अंतिम परीक्षा।

(ग) इस दिशा की ओर केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई भी परीक्षा।

20 (क) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश होने :—

प्रत्येक व्यक्ति जो आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता है, वह इस आशय होते काउन्सिल द्वारा निर्धारित फार्म पर आवेदन करेगा और काउन्सिल की मंत्रीष्ठ होने प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि :—

(क) आवेदन पत्र भरने की तिथि के बिन उसने सोलह वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है और

(ख) उसने (10 × 2) योजना के अन्तर्गत उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उमके समकक्ष कोई परीक्षा या आल इण्डिया काउन्सिल आफ टेक्निकल एज्केशन द्वारा ती गई नेशनल डिप्लोमा छन कामर्स या अन्य किसी अधिक भारतीय काउन्सिल प्राधिकरण के अधीन स्टेट बोर्ड आफ टेक्निकल (एजेकेशन की कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो) या नेशनल

काउन्सिल आफ स्लर हायर इक्यूणिटेशन द्वारा मंचित ‘ग्रामीण सेवा’ में डिप्लोमा।

या इन्स्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया या इंग्लैण्ड और वेस या स्काटलैण्ड या आधारभूत की माध्यमिक परीक्षा, या इन्स्टीच्यूट आफ कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउन्टेन्ट्स लन्दन, या इन्स्टीच्यूट आफ कम्पनी सेक्टरी आफ इण्डिया की माध्यमिक परीक्षा या आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश होते कोई अन्य परीक्षा जिसे इस आशय होते केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।

वर्तमान विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित नया नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा —

20(ख) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा होते शब्द प्रश्न-पत्र, तथा पाठ्यक्रम : प्रत्येक अभ्यार्थी को आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा होते रु. ४०/- जल्क देय होगी तथा निम्नलिखित विषयों में परीक्षा ली जाएगी :—

#### आधारभूत पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : 1 व्यापार से आधारभूत संस्कृत एवं अर्थ सीरीज़ :

वर्णण : 1 व्यापार के आधारभूत तत्त्व

उद्देश्य : व्यापार जगत से परिचय कराना तथा अर्थशास्त्र के आधारभूत नियमों अभ्यास से परिचित कराना :

ज्ञान का स्तर आधारभूत जानकारी

- व्यापारिक इकाइयों के प्रकार :—सोल ट्रेडर्स, आर्टिफिल्स आफ एसोसिएशन प्रोस्क्रिप्ट्स, एगर्स, परिवार ज्वाइन्ट स्टाक कम्पनी पॉल्यू, यूटिलिटीज, तथा स्टेट इन्टरप्राइज़।
- कम्पनी संगठन और व्यवस्थापना, कम्पनीयों के प्रकार, उनका गठन, नियमीकरण तथा व्यापार आरम्भ करना मेमोरण्डम आफ एसोसिएशन, तथा आर्टिफिल्स आफ प्रोसोसिएशन प्रोस्क्रिप्ट्स, ज्योर्म डिवेलर्स नियंत्रक मण्डल स्टेटर्स तथा साधारण सभाएँ।
- व्यापार के उद्देश्य : सामाजिक जिम्मेदारी का तर्क और धारणा व्यापार तथा इसका परिवारिक वैधानिक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृति पक्ष में प्रवेश।
- व्यापारिक वित्त पोषण : निर्गमित का श्रोत शेयर, लाभांश अन्डराइटिंग, कृषा योजना का महत्व, प्रमुख वित्तीय संस्थान जैसे : आई. एफ. सी. बाई., आई. डी. बी. आई., ए. टो. आई., आई. सी. आई. भी. आई., एन. आई. डी. सी. एस. आई. सी. आई. जी. आई. सी. एस. आयात नियांति बैंक, एम. एफ. सी., तथा अन्त रस्त्रीय वित्त संस्था यथा आई. एम. एफ., आई. एफ. सी., आई. वी. आर. डी. (विश्व बैंक) एसियन डिवल्प बैंक—गठन और कार्यप्रणाली।

5. आयात-निर्यात : आयात-निर्यात प्रक्रिया के आवश्यक अंश तथा सम्बन्धित औपचारिकताएँ मुक्त व्यापार : अनुषंसी, भाल उतारते समय सुरक्षा, टैरिक्स, सी. सी. एस., ड्यूकेंक व्यापार करानामे का अधिकारी सिर्पिंग बिल लदान बिल प्रवृद्धि बिल, बिल एकसाईक, चुंगी औपचारिकता तथा मेट की रसीद स्टीफिकेट आफ अंरिजिन खुला सामान्य लाइसेन्स, व्यक्तिगत लाइसेन्स, चुंगी बैयर हाउस तथा बाउडेड बैयर हाउस, शाखपत्र ।

6. स्टाक एक्सचेंज की कार्यकारी पद्धति :

छिलर तथा दलाल, सौदा, महत्व, स्टाक एक्सचेंज की सबस्यता की शर्त, समांधन गृह ।

7. सिक्योरिटी एक्सचेंज कन्ट्रैट व्यूरो :

गठन और कार्य संचालन ।

8. व्यापार संप्रेषण तथा प्रतिवेदन लेखन :

तार संवाद लेखन, जनसूचनाएँ, तथा नियंत्रण परिपत्र, विज्ञापन का भसीदा लेखन, शिकायतों की फाइल, पत्र लेखन ।

### भाग—2(1)

(1) अर्धशास्त्र की व्याख्या :

कार्यक्षेत्र तथा विषय वस्तु—कुछ आधारभूत धारणाएँ यथा उपादेशता सम्पत्ति, उत्पादन के तत्व, मांग और आपूर्ति, इक्युर्बेरियम आदि भूमि तथा ला आफ रिटर्न ।

(2) अभिक तथा जनसंस्था सिव्यांत :

पूँजी, व्याख्या, पूँजी विकास, पूँजी गठन में स्तर ।

(3) मार्केट फार्मसू :

परिपूर्ण प्रतियोगिता के अन्वर मूल्य, अपरिपूर्ण प्रतियोगिता के अन्वर मूल्य ।

(4) राष्ट्रीय आय :

—शक्ल राष्ट्रीय उत्पाद, निवल राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय का मापवण्ड, राष्ट्रीय आय की विकास, और महत्व विश्लेषण आर्थिक विकास एवं उत्पाद वैतन, व्याज और लाभ ।

वितरण :—आय निर्धारण, किराया संबंधी संतुलन, वेतन, व्याज और लाभ ।

(5) धन :—धन की व्याख्या और धन के कार्य, धन की मात्रा के सिद्धान्त, तेजी मंदी, उत्पादन पर तेजी मंदी के प्रभाव, और सम्पत्ति विवरण, तेजी मंदी पर नियंत्रण, मनी आपूर्ति, सम्पत्ति की आपूर्ति, लिकिवटी प्रिफरेन्स तथा स्पीमान दक्षता, व्याज का दर और निवेश ।

बैंकिंग-व्याख्या, बैंकिंग के कार्य और उपादेशता, व्यापारिक बैंकिंग के सिद्धान्त, बहुमुखी ऋण नियंत्रण, ऋण बैंकिंग पद्धति की आवश्यकता ।

सेन्ट्रल बैंक : कार्य नियंत्रण के साधन तथा मनी मार्केट ।

(6) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

व्यापार का अधिकारी तथा भुगतान का अधिकारी, अद्वैत, तुलनात्मक लागत के नियम, व्यापार सुरक्षा ।

(7) नियोजन के सिद्धान्त :

बैंकारी के प्रकार, पूर्ण नियोजन की अवधारणा और जुड़िशियल फिसीकल की सहायता से इसकी उपलब्धि ।

(8) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान :

जैसे आई. एफ. सी. आई., आई. एस. सी. आई. आई., आई. बी. बी. आई. एस. एफ. सी. आदि। इन्टर नेशनल फॅण्ड, इन्टरनेशनल बैंक फार रिक्स्ट्रेक्शन एण्ड डिवलपमेंट (विश्व बैंक) ।

(9) लोक वित्त : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, कर नियंत्रण अधिकारी उत्पादन और विद्युत एवं कराधान के प्रभाव, कर योग्य क्षमता, डिफिक्ट फान्नो-सिंग, अर्थनीति पद्धति तथा राज्य की भूमिका अर्थनीतिक योजना व्याख्या प्रकार और उद्देश्य ।

### प्रश्नपत्र : 2

प्रबंधन और संगठन :

उद्देश्य : अभ्यार्थी की क्षमता की परंपरा के लिए

1. प्रबंधन के कार्य एवं भूमिका की जानकारी ।

2. इसके अनुप्रयोग की विभिन्न किस्म के संगठनों में विभिन्न स्वर पर होने वाले कार्य की व्याख्या करें और प्रबन्ध के कार्य ।

ज्ञान का स्रोत : आधारभूत ज्ञान :

### भाग—2 प्रबन्धन :

1. प्रबंधन की व्याख्या : प्रबंधन को विभिन्न शैलियां, प्रबंधन के कार्य और प्रणाली, प्रबंधन के सिद्धान्तों की सावधानीमिकता, प्रबंधन चिन्माधारा का मूल्यांकन, पेशेवर वैदिकि के रूप में प्रबंधन वर्तमान प्रवृत्ति ।

योजना : लक्ष्य, उद्देश्य, मानक, लक्ष्यांक, काश, सीमारेखा, स्थायी योजना नीति, प्रक्रिया, प्रणाली, परियोजना विशेष कार्यक्रम तथा अनुसूचीकरण, योजना की परंपरा—सामूहिक या लिंगित, विभागीय या मंडलीय कार्यकारी और कम्पनीय योजना, योजना प्रक्रिया: समस्या विवरण निर्धारण, लक्ष्य संरेखण, विश्लेषण, कार्यवाही एवं नियन्त्रण और निष्पादन ।

संगठन : एक व्यापारिक प्रतिष्ठान में आन्तरिक संगठन/ औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन की प्रकृति संगठन की गतिविधियों के समूहीकरण के सिद्धान्त,

(क) उप उत्पाद संवाद, स्थान नियंत्रण, ग्राहक, प्रक्रिया, कार्य तथा समय के वर्गीकरण का विशेष प्रतिमान ।

(ख) सामूहिक गतिविधियों, वैशिष्टिकरण, नियंत्रण, सम्बन्ध, सावधानी अर्थनीति, आदि, गतिविधियों के समूहीकरण का मानक ।

(ग) प्राधिकार संबन्धों को विस्तार हन्त्र का नियन्त्रण, प्रतिनिधान, प्राधिकार तथा उत्तरदायित्व की समावृत्ति विकेन्द्रीकरण, नियन्त्रण विस्तार ।

2. प्राधिकार का स्तर-कर्मचारी, कर्मचारियों के दर्द, कर्मचारियों के कार्य की प्रकृति, परामर्श संवाद तथा नियन्त्रण, पद्धति एवं कर्मचारी-संबंध ।

3. आन्तरिक संबंध-समितियों, तथा उनकी भूमिका : कर्मचारी वर्ग, कर्मचारीवां के कार्य, नियाचन, श्रमशक्ति की आवश्यकता, श्रमशक्ति की स्थिति, प्रशिक्षण, भू योग्यता, विक्रेता, श्रमशक्ति विकास, मानव संसाधन मूल्यांकन ।

निर्देशन : निर्देशन की प्रकृति, प्रोसाहन, भय, मुद्रा, संतोष, आचरण का महत्व, व्यक्तिगत आवश्यकताएं, संगठन की आवश्यकताएं, निष्पादन के प्रभावी घटक, कार्य के वातावरण, संप्रेषण सामूहिक-गतिशीलता-ओपचारिक अनीपचारिक,

संप्रेषण : प्रकृति, भाष्यम और मार्ग पद्धति, सीमा रेखा, सहायक-निर्मित अनिर्मित ।

प्रेषण : मास्लो हायर आर्की की आवश्यकता, मेक सिलान्ड का कार्य स्थल पर सफल कार्य निष्पादन हर्ज की कार्य-सूची तथा रचना, नेतृत्वः प्रकृति, शैली, अभिवृत्ति नेता-व्यवहार-प्रभावीपन, परिस्थितिक नेतृत्व के नमूने ।

नियन्त्रण : प्रबंधकीय नियन्त्रण की अवधारणा, कर्मचारी नियन्त्रण बनाम कार्य निष्पादन, कार्यनिष्पादन नियन्त्रण के क्षेत्र, उत्पाद विनापोषण, आदर्श, नियन्त्रण प्रक्रिया, मानक, मूल्यांकन तथा संशोधनामक ।

(क) किसी भी विश्व विद्यालय को उपाधि (डिग्री) प्रदीप्ति ।

(ख) इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इण्डिया या हंगलैंड और बेल्स या स्काटलैण्ड या आयरलैण्ड की अंतिम प्रदीप्ति चार्टर्ड इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एकाउन्टेंट संचयन की अंतिम प्रदीप्ति या इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी संक्रिती की अंतिम प्रदीप्ति ।

(ग) इस दिशा की ओर केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोइर्द भी प्रदीप्ति ।

20. (क) आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रबंध हेतु :— प्रत्येक अधिकारी जो आधारभूत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहता है, वह इस आवश्य हेतु काउन्सिल द्वारा (बंधी) फार्म पर आवेदन करेगा और काउन्सिल की संटूष्टि हेतु प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि :

(क) आवेदन पत्र भरने की हितिक के दिन उसने सोलह वर्ष की आयु पूर्ण कराती है; और

(ख) उसने (10+) दोज्ञाके अंतर्गत उच्च भाष्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उसके समकक्ष कोइर्द परीक्षा या आल इण्डिया काउन्सिल आफ टेक्निकल एजेन्सेन द्वारा ली गई नेशनल डिप्लोमा इन कार्मस या अन्य किसी एक अखिल भारतीय काउन्सिल प्राधिकरण के अधीन स्टेट बोर्ड आफ टेक्निकल (एजेन्सेन की कोइर्द परीक्षा उत्तीर्ण की है) या नेशनल काउन्सिल आफ उच्चम हायर इकायमिनेशन द्वारा संचालित “ग्रामीण

सेवा में डिप्लोमा, या इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इण्डिया या हंगलैंड और बेल्स या स्काटलैण्ड या आयरलैण्ड की माध्यमिक परीक्षा या इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी संक्रिती आफ इण्डिया की माध्यमिक परीक्षा या आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रवेश हेतु कोइर्द उच्च परीक्षा जिसे इस आवश्य हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है ।

गतिशील नियन्त्रण सहायक, उत्तम प्रतिष्ठान संरचना उच्चवेश्य और नीतिक पवित्रता पद्धति, प्रक्रिया, इंजट आदि सार्वजनिक क्षेत्र क्षेत्र अवधारणा : सार्वजनिक क्षेत्र की धारणा, सामाजिक उच्चवेश्य वर्गीकरण तथा भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का विकास अन्य देशों के सार्वजनिक उद्यमों के संगठन और प्रबंधन के प्रतिमान ।

3. प्रबंधन के प्रतिमान : मंडल गठन का प्रतिमान, क्षमता का प्रस्थापित राज्य द्वारा नियन्त्रण, सार्वजनिक उद्यम में मंडल की भूमिका, सार्वजनिक उद्यमों की समस्याएं, सार्वजनिक-उत्तरदायित्व और नियन्त्रण स्वायत्ता ।

भाग : 2

#### 1. अवधारणा एवं धारूति :

संगठन शैली के सिद्धान्त : प्रतिष्ठित आचरण एवं पद्धति, वर्तमान प्रवृत्ति एवं लेपणहेतु प्रतिष्ठान में आचरण, प्रकृति, धारूति, संस्कृति का प्रभाव मूल्य, प्रणाली और संगठन में उत्तरदायित्व की आवश्यकता । संगठनात्मक परिवर्तन ।

2. संगठन को संरचना एवं संस्कृति :

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के संगठनों द्वे प्रकार/संगठन की संरचना एवं निष्पादन में संबंध संस्कृति का प्रभाव मूल्य, प्रणाली और संगठन में उत्तरदायित्व की आवश्यकता । संगठनात्मक परिवर्तन ।

3. व्यक्तिगत धारित्र एवं मनोविज्ञान : किसी व्यक्तिके लिए कार्य का महत्व कार्य, कार्य संतुष्टि अवधारणा, प्रेरणा के मान दण्ड, कार्य एवं स्व परिचय, छाइर्द का प्रभाव, कम कर्मन का प्रभाव और परिवर्तन ।

4. सामाजिक समूह : उनके कार्य एवं संगठन, व्यापार की प्रकृति एवं आवश्य, सामूहिक विकास, सामूहिक गतिशीलता, प्रभावी कार्य समूह का गठन ।

5. संगठन एवं बातावरण : पर्यावरण प्रभाव का पथ व्यापारिक राजकोषीय, वैभानिक राज्य द्वारा संगठित क्षेत्रावधीय तकनीकी बातावरण सामाजिक नीतिक बातावरणों गठन के प्रबंधकों के सामाजिकता पर वायित्व ।

6. व्यापारिक संबंध : औद्योगिक अशान्ति, औद्योगिक विवाद, सामूहिक मोलभाव, मध्यस्थ निर्णय, रिकन्साइलेशन, व्यापार यूनियनवाद, प्रबंधन में कर्मचारी का योगदान, संयुक्त काउन्सिल ।

## प्रश्नपत्र : 3

## बूल अंकगणित एवं सांख्यिकी :

ओसत, मिश्रित, व्याज का संगणनीकरण, बिलों की अवायगी, प्रतिशत अनुपात, वित्तानुपात ।

## वीक्षणीयत :

(क) (क) पद्धति—वास्तविक, काल्पनिक, परिमेय अपरिमेय ।

(ख) सेट का प्रारम्भिक ज्ञान और उसकी संचालन विधि, वेन् डापग्राम व्यूथ टेबूल का सरल अनुप्रयोग और उसका समाधान अक्षोक्त तथा करणी ।

(ग) सेट का प्रारम्भिक ज्ञान, और उस पर कार्य करने की जानकारी वेन् डापग्राम ट्यूथ टेबूल के व्यवहार द्वारा सरल अनुप्रयोग और समाधान और इसका विवरण पर प्रयोग ।

(घ) अक्षोक्त तथा करणी, विचारण, न्यू गणकीय, क्रमचय तथा एक साथ अक्षवृद्धि व्याज ।

(इ) लार्डीनियर साईमल्टनियस समीकरण पद्धति का समाधान (3 वैरियेबल) क्यार्डिक इक्वेशन, लाइनिया इक्वलिटज का शोल्क्यूशन/ग्राफिक पद्धति डाटा ।

**अंक नीति :** अंक तथा श्रिकोण का पंरामीटर, वृत्त, परालोग्राम, नियमित पालिगान, क्यूव का बोल्यूम और सहाह, प्रिज्म, सिलिन्डर, पिरामिडकोन, लस्ट्रमस तथा स्पीथर (जोन और सोर्गर्मेन्ट लेकर) सरल समन्वयकारी ज्यामिति : (क्वेल लंब निक्षेपक समन्वय) सेग्मेन्ट रेलो की लंदाई, लंड अनुपात रेलो की प्रवणता स्तरण रेलो का समीकरण, वृत्त, परवलायिक, दीर्घयूत अतिपरवलायिक (क्वेल मानक फार्मस) ।

**प्रारंभिक सांख्यिकी :** सांख्यिकी तथ्यों को ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण केन्द्रीय पद्धति के बारम्बार वित्तरण के उपाय (मीन, मीड-यान-मोड) डिसपर्सन के (मानदण्ड) रैंक का अर्थात् विचलन, मानक विचलन, प्रसरण स्क्यूनेस तथा उटोंससि के मानदण्ड ।

प्रश्नपत्र : 4 व्यापारिक एवं औद्योगिक विधि अंक : 100

1. भारतीय अनुबंध अधिनियम-1872

अनुबंध की प्रकृति, अनुबंधकों द्वारा भंग होने विकारकरण तथा अनुबंध के तत्व

2. भारतीय साम्राज्यीय अधिनियम, 1932

3. माल विक्रय अधिनियम, 1930

4. नियोगियेबल इन्स्ट्रुमेन्ट एक्ट, 1888  
(परकार्य सिलेट अधिनियम, 1881)

5. प्रबंधन के वैधानिक पक्ष :

फैक्टरी अधिनियम, 1984

शाप्स तथा इस्टर्विलशमेन्ट अधिनियम

अप्रेन्टिस अधिनियम

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम,

दूष यूनियनस अधिनियम, 1926

कर्मचारी अतिपूर्ति अधिनियम

बोनस भुगतान अधिनियम, 1965

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948

जल निधारण एवं वाष्ठ प्रदूषण अधिनियम

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम तथा उसके अंतर्गत नियम

कर्मचारी भविष्य निधि तथा विविध अधिनियम, 1952

4. वर्तमान विनियम 20सी के निम्नलिखित नए नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

20सी. आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा के गोरणमें :

(क) सामान्यतया आधारभूत पाठ्यक्रम परीक्षा में उस विद्यार्थी को धोरित किया जाएगा। यानि एक ही बैठक में कुल अंकों के 40% अंक प्राप्त कर लिए हैं और सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंकों में 50% इस परीक्षा में प्राप्त कराया है। फिर भी किसी या सभी परीक्षाओं के निम्नतम् उत्तीर्णिका में अंतर करने के लिए निर्णय लेने का अधिकार काउन्सिल को है।

(ख) किसी परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी को सूची काउन्सिल के निदेशनसार जानकारी में प्रकार्तीशन होगी। प्रत्येक अभ्यार्थी को इसकी सूचना व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी। जिन प्रश्न पत्र (वो) में अभ्यार्थी ने परीक्षा दी है उसका परिणाम और उसके द्वारा प्राप्त अंकों की सूचना उसे व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी। आधारभूत पाठ्यक्रम को परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाएगा।

(ग) पूर्ववर्ती विनियम में दिए रखे विनिधारितों के अंतिरिक्त परीक्षा संचालन संबंधी 36 से 43 ए के उपबंध आधारभूत परीक्षा पर लागू होंगे। वर्तमान विनियम 25 ए के स्थान पर निम्नलिखित नया नियम लागू होंगे।

25ए—नए सिरे से पंजीकरण :

यदि किसी व्यक्ति का पंजीकरण विनियम 25 के अंतर्गत निरस्त हो गया हो तो ऐसी स्थिति में उसे कार्म-। पर नए सिरे से छात्र होने के लिए आवंदन करना होगा और उसका आवेदन पत्र स्वीकृत होने पर उसे सभी आशयों के लिए एक पंजीकृत छात्र माना जाएगा जैसी भी स्थिति हो, उसने जो पात्रता उसने प्राप्त की है, उसके आवेदन करने पर उस किसी विषय या स्तर में माध्यमिक या अंतिम परीक्षा में छूट मिलने की पात्रता प्राप्त होगी।

2. 28ए—वर्तमान विनियम 28ए के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होंगा यथा :

28ए : अनुशिक्षण (कोर्चिंग प्रश्नासन सभा प्रश्नाक्षण) :

1. यह काउन्सिल अपने पंजीकृत छात्रों के अनुरक्षन (कोर्चिंग) की व्यवस्था करेगी तथा इस कार्य के लिए इह एक 'अनुशिक्षण प्रश्नासन' का गठन करेगी और उग्रके संचालन की व्यवस्था करेगा। तस्वीरें नियमों का निर्माण तथा विनिधारित शूलक की अवायगी भी यह काउन्सिल करेगी।

2. यह अनुशिष्टण प्रशासन अपना कार्य संचालन प्रशिक्षण तथा शिक्षा संकाय समिति के नियंत्रण, अधीक्षण तथा निवेशन में करेगी ।

3. सभी पंजीकृत छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे अध्याय 5 में संदर्भित किसी भी परीक्षा में प्रवेश पाने के पूर्व विनियोगित प्रशिक्षण अवश्य ले ।

7. वर्तमान विनियम 30 के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा : यथा-

#### माध्यमिक परीक्षा

30. माध्यमिक परीक्षा में प्रवेश और शुल्क :

1. माध्यमिक परीक्षा में, जब तक वह एक इन्स्टिट्यूट का पंजीकृत छात्र नहा बन जाता तब तक, तथा परीक्षा आरम्भ होने के पूर्व कम स कम 40 दिन से पूर्व अपनी बकाया राशि को अदायगी नहा कर दता तब तक किसी भी अभ्यार्थी को माध्यमिक परीक्षा के किसी भी स्तर पर उसे प्रवेश नहीं मिल सकता । और जब तक वह डाक्टरेंटर आफ स्टडेज या अनुशिष्टण प्रशासन प्रमुख या किसी भी अन्य प्रांतीष्टान द्वारा जिसे वे काउन्सिल द्वारा आन्यता प्राप्त है, उस संस्थान के प्रमुख द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र तथा डाक्टरेंटर आफ स्टडेज या उक्त अनुशिष्टण प्रशासन के प्रमुख द्वारा प्रांतीष्टानिक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर वे उसने उस स्तर के या माध्यमिक स्तर के परीक्षा के डाक पाठ्यक्रम अथवा मौखिक दृश्यशन में सत्रावधर रूप से अपना प्रांतीष्टण पूरा कर लिया है इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तक उस किसी भी स्तर या माध्यमिक परीक्षा में बैठने का अनुमति नहीं मिलती । यदि परीक्षा सीमति किसी अभ्यार्थी के विरुद्ध काई सूचना प्राप्त करतो हैं तो उसे वह किसी भी परीक्षा में बैठने से रोक भी सकती है लेकिन इस निर्णय को लेने के पूर्व अभ्यार्थी के विरुद्ध लेगाए गए आरोप को सफाई देने का अवसर देने के उपरान्त ही यह निर्णय लिया जाएगा ।

यदि आवश्यक समझा गया तो यह जांच की जाएगी और इसके बाव ही यह निर्णय लिया जाएगा ।

2. कोई भी अभ्यार्थी चरण 2 में प्रवेश नहीं ले सकता जब तक कि वह चरण 1 की माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता ।

3. प्रत्येक अभ्यार्थी को माध्यमिक परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु एक चरण के लिए रु. 80/- तथा दोनों चरणों के लिए रु. 160/- की दर से शुल्क अदा करनी होगी ।

8. वर्तमान विनियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित नया विनियम लागू होगा यथा :

31. चरण, प्रश्न-पत्र तथा पाठ्यक्रम—माध्यमिक एवं अंतिम परीक्षा के संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार :

1. इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम माध्यमिक परीक्षा दिसम्बर, 1991 में होगी । जो विद्यार्थी 1 जुलाई 1991 के पूर्व, पंजीकृत होगे और जो इस परीक्षा में बैठना चाहेंगे उनकी परीक्षा इस विनियम के अंतर्गत ली जाएगी और उन्हें सभी छात्र जिनका पंजीकरण 1991 के पूर्व हुआ है और जो विद्यार्थी दिसम्बर, 1993 में होने वाली माध्यमिक परीक्षा वाले हैं उनकी परीक्षा इस विनियम के अंतर्गत होगी । प्राचीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत होने वाली अंतिम प्राथमिक परीक्षा जुलाई, 1993 में होगी ।

2. इस विनियम के अंतर्गत माध्यमिक परीक्षा का चरण, प्रश्न-पत्र तथा पाठ्यक्रम निम्न प्रकार होंगे :—

#### माध्यमिक परीक्षा चरण 1 व 2

चरण-1 प्रश्न पत्र : वित्तीय लेखाचार्यीधि

उद्वेश्य : अभ्यर्थी की विभिन्न परिस्थितियों में लेखाचार्यीधि के सिद्धांतों के प्रयोग की असता की परीक्षा लेना—

1. बही खाता लेखन एवं लेखाचार्यीधि की आधारभूत धारणा : लेखा विधि तथा तथा इसकी उपादेयता की व्याख्या, बही-खाता लेखन एवं लेखा विधि—इसके सिद्धान्त एवं अभ्यास, लेखा नर्गीकरण ।

2(ए) बही खाता लेखन पद्धति—दोहरी प्रविष्टि पद्धति, मूल प्रविष्टि बही, अनुषंगिक बही खात, रोकड़ तथा दैंक लेनदेन अभिलेख, लेजर बनाना, तलपट बनाना, व्याख्या तथा उपवेशन ।

2(बी) बैंक समाधान विवरण : समाधान की आवश्यकताएं, रोकड़, बही तथा बैंक पास बूक के समाधान की प्रक्रिया और समस्याएं बैंक समाधान विवरण बनाने से संबंधित ।

3. विनियम का बिल (बिल आफ एक्सचेंज) ध्यास्या, प्रोनोट तथा बिल आफ एक्सचेंज, (विनियम बिल) प्राप्त बिल, दैये बिल, आहरण, नवीकरण स्वीकारना तथा बिलों का शोधन निभाव बिल ।

4. मूलधन, राजस्व, स्थगित राजस्व व्यय, प्रारम्भिक प्रविष्टि, समायोजन प्रविष्टि, व्यापारिक, दिनिमाण सभा हानि लाभ लेखा और तुलन पत्र तथा अशोध्य तथा अशेष्य व्यष्टि हत्तेतु, प्रारक्षित निधि—इसका लेखाचार्यीधि उपचार, हास—इसका महत्व और लेखा विधि उपचार की धारणा ।

5. इकहरी प्रविष्टि प्रणाली व आमने सामने दोहरी प्रविष्टि प्रणाली लेखाचार्यीधि उनके आन्तरिक संबंध तथा इकहरी प्रविष्टि प्रणाली को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में अंतरित करना, प्राप्ति एवं भूगतान लेखा बनाना, तथा आय व्यय लेखा बनाना, आरक्षण एवं प्रावधान बनाना, लाभ हानि लेखा तथा तुलन पत्र बनाना इसकी धारणा ।

6. संयुक्त उच्चम तथा परेषण लेखा, सामंदारी लेखा, प्रवेश, सेवा-निवृत्ति सामंदारी की मृत्यु सामंदारी का चिल्यन्, आस्तियों का समान वितरण ।

7. सीमित कम्पनी लेखा : निर्गम, शेयरों तथा लाभांशों का शोधन, समपद्धरण तथा मोक्षन, निगमी करण पूर्व लाभ, कम्पनी का लाभ हानि लेखा तथा तुलन पत्र—कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार ।

चरण 1 प्रश्न पत्र-2 लागत के विभिन्न घटकों तथा उसके लेखाचार्यीधि का गहरा ज्ञान देना :

ज्ञान का स्तर : पूर्ण ज्ञानकारी :

1. परिषय : लागत एवं प्रबंधन लेखाचार्यीधि का मूल्यांकन, लागत को धारणा एवं उद्देश्य, लागत अंगीकरण, लागत संगठन तथा अन्य विभागों के साथ इनके संबंध ।

2. लागत के तत्व एवं लागत निधरिण

1. उपादान लेखाचार्यीधि एवं नियंत्रण क्षय प्रक्रिया, भंडार उक्ति एवं भंडार नियंत्रण मूल्य, उपादान का निर्गम तथा उसकी

लेखाविधि, मंव स्थिर तथा द्रूत गतिक मदों की पहचान, ए बी सी विश्लेषण, अतिरिक्त पुँजी के बीमा संबंधी नीति तालिका एवं उपयोगी सांत्रात्मक क्रम का स्तर, विश्लेषण, भंडारण विभागिति के उपचार हेतु जांच एवं संशोधात्मक उपाय अन्य माध्यमों से नियंत्रण ।

## 2. श्रम लेखा विधि एवं नियंत्रण :

पारिश्रमिक प्रणाली, सौदिक तथा गैरसौदिक ग्रात्साहन, योजना, वेतन तालिका प्रक्रिया, श्रम विश्लेषण तथा निपिक्कयकाल, श्रम दक्षता का भाष्टदण्ड तथा उत्पादकता, गैर उत्पादन काल का विश्लेषण तथा उसकी लागत, श्रम आवृत्त तथा उपचारात्मक उपाय निपिक्कय एवं समयोपरि काल उपचार ।

3. प्रत्यक्ष, संग्रहण तथा प्रत्यक्ष व्ययों का धर्मांकरण एवं उसका उपचार ।

## 4. उपरिव्यय : प्रकृति, वर्गीकरण एवं संग्रहण ।

अ. उत्पाद उपरिव्यय : वितरण, नियुक्ति, उत्पाद द्वारा अवशोषण, पूर्व निर्धारित वसाही दर का उपयोग, अपर्याप्त तथा अतीत अवशोषण, उपरिव्यय लागत नियंत्रण हेतु प्रतिवेदन ।

ब. प्रशासन, विकास तथा वितरण उपरिव्यय : विश्लेषणात्मक लेखाविधि, तथा नियंत्रण, लागत लेखाविधि में विभिन्न मदों का उपचार ।

3. लागत लेखाविधि अभिलेख : लागत लेजर, लागत एवं विनीय लेखा समाधान, एकीकृत लेखा, लेखों का कम्प्यूटरीकरण (केवल परिव्यय) ।

## 4. लागत विधि प्रणाली :

विशिष्ट लेखाविधि क्रम : ज्ञाव, खेप तथा ठेका, कार्य के अनुसार लागत निर्धारण, कार्य काल में जो कार्य इगति में है उसका भूल्यांयन, लेखाविधि, ठेका लागत की विशेषताएं, संपन्न कार्य का प्रमाणीकरण अपूर्ण ठेके पर लाभ धन ठेका ।

## (2) परिचालन लागत : प्रक्रिया तथा सेवाएं—प्रक्रिया लागत :

सामान्य तथा असामान्य हानि लाभ उपचार एफ आई एफ आ. के व्यवहार से डब्ल्यू, आई. सी. का मूल्यांकन तथा निर्धारण संयुक्त उत्पाद, उप-उत्पाद, धीजन, स्क्रीन, टास तथा घोष युक्त ।

## 5. सेवा या परिचालन लागत विधि :

इकाईया या बहु गुणक लागत विधि, अनुप्रयोग्य इकाईया लागत निर्धारण, तथा लागत विनिर्धारण, एवं नियंत्रण ।

## 6. लागत विधि तकनीक :

### (क) सीमांत लागत विधि :

मूल धारणा, सीमांत लागत विधि एवं अवशोषण : सी-वी. पी. विश्लेषण, लाभ अलाभ विश्लेषण, बी. है. विश्लेषण की सीमाएं विभिन्न लागत, विश्लेषण तथा संवर्द्ध लागत विश्लेषण, प्रबंधन निर्णय में उनका अनुप्रयोग, (सल प्रकोर) ।

### (ख) बजटीय नियंत्रण :

मूल धारणा, कार्यकारी बजट, क्रयन (मास्टर) बजट, तथा निम्न बजट ।

### (ग) मानक लागत विधि :

धारणा और मानक लागत विधि निर्धारण, उपादान संबंधी सामान्य असंगतियों का अभिकलन, श्रम तथा उपरिव्यय, मानक लागत विधि एवं बजटीय नियंत्रण में संबंध ।

खण्ड-1 प्रश्नपत्र-3 कंपनी विधि तथा सचिवीय अभ्यास 50 अंक

उद्देश्य : मूल धारणा की जानकारी तथा व्यापार संचालन के वैधानिक सिद्धांत

लागत का स्तर : पृष्ठ जानकारी

## खण्ड-1 कंपनी विधि :

व्यालागा : आधारभूत विषय वस्तु तथा प्रत्येकों का सामान्य संचालन तथा कार्यवाही, कंपनी परिचालन का प्रबंधन, दृष्टव्यबंधन, तथा व्यवस्था, सम्बन्ध की धारणा, शेयरों तथा नामांकों का वर्गीकरण, कंपनी के छूटन, लेखा और कंपनी की लेखा परीक्षा, वर्गीकरण और लेखा परीक्षक की नियक्ति, कोन्फ्रीय सरकार के अधिकार, प्रत्यक्ष विरोध, लेखा परीक्षा, लागत लेखा विधि अभिलेख तथा लागत लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन और व्याप्ता, सरकारी कंपनियों का लेखा बनाना और प्रस्तुत करना तथा सांविधिक नियम, एम आर टी पी एच२. 1979 एम आर, टी, पी आयोग, अर्थ नीतिक क्षमता का केन्द्रीकरण, अविश्वमनीय तथा अवरोधात्मक व्यापार अभ्यास, तथा एकाधिक पत्त्य, व्यापार अभ्यास, औद्योगिक (विकास एवं विनियम) अधिनियम. 1951, विकास परिषद, नये औद्योगिक अधिकारों हेतु लाहौर में स विधि केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रबंधन या नियंत्रण का अधिग्रहण आवश्यक पण्ड अधिनियम : 1955 केन्द्रीय सरकार की क्षमता नियंत्रण माल पक्षमें व जमा करने का प्रभाव आदि. विद्वेश विनियम अधिनियम, 1973, नियन्त्रण के प्रान्तान्में का अनुपालन करना. सरकारी प्रण्ड नियंत्रण तथा टॉर्चेस संरक्षण : औषधियां, भेणडा, रीमों तथा वनस्पति, जर्बनक सभा व्यापार आदि नियंत्रित है। भी आई भी पी (इस अधिनियम के अन्तर्गत प्रक्रिया का अनुपालन करना) राज्य अकाइयां / विद्वेश व्यापार अधिनियम. 1985 तथा ही आई. पाफ. आर के प्रावधानों को मिलाकर ।

## खण्ड-2 सचिवीय अभ्यास :

सचिव की व्याख्या, मंगठन में उसकी स्थिति और मञ्च निदेशक : उनकी योग्यताएं और अयोग्यताएं, कर्तव्य और उत्तराधिकारी विधि के प्रकार : शोध धारकों की सांविधिक सभा तथा वार्षिक सभा मांग, तथा अन्य साधारण सभाएं;

सचिवनाम वनाना, पाजेन्डा कोरम, प्रोक्षी मतदान प्रस्ताव करना संशोधन, प्रस्ताव पास करना, स्थगन और व्याप्तात्मक विवरण तथा कार्य वृत्त, सामान्य

प्रस्तावों की विषयवस्तु, विशेष प्रस्ताव, विशेष सूचना रजिस्टरों और शोतों को रखना और उनका रख रखने कंपनी के रजिस्टर को सभी सूचनाएं देने हेतु कियरणियां प्रस्तुत करना तथा जाभ और लाभांशों के विभाग हेतु नियंत्रण क्रियाविधि तथा इसकी शोधना अधिकारियोंको तथा भैर आवासियों सहित विभिन्न प्रत्यक्षों द्वारा शारकों को भुगतान प्रणाली की घोषणा करना।

#### प्रश्नपत्र 4 प्रत्यक्ष धर

उद्देश्य : कर विभिन्न संबंधी सहन जानकारी और प्रबंधन नियंत्रण पर इसका प्रभाव विशेषतः प्रबंधन नेत्रा विभिन्न तकनीक में कर घटकों के व्यवहार की भूमिका पर बल देते हुए।

#### शास का स्तर—वक्तव्य

1. प्रत्यक्षकर विधि : आयकर अधिनियम, उपहार तथा संपत्ति अधिनियम, मूलधन गंदंगी विभिन्न के मामले और दायक अप, शोती गर्भ आय, आवासिक धारणा कर नियंत्रिती की धारणा को कोन्फ्रेंट कर विशेष ममस्याएं पंजीकरण फर्म हिन्द मंडपत परिवार, व्यक्तियों द्वारा गठित संघ और न्याय—अल्प व्यक्ति गर आवासिक तथा धोरण करातान आय वीर्य आवरणित समस्याएं—बेनन अतिरिक्त आय, उपहार, सेवा निवृत्ति लाभ, मकान या संपत्ति से किराया मूलधन से लाभ—अन्य शोतों से आय, ध्यापार तथा पेशे में।

आय : आय विविध हथा उसे हानि में अग्रिष्ठ करते से होने वाली समस्या।

2. कर लेखा परीक्षण :

3. कर प्राप्तान : अपौल. पूनरीक्षण, समीक्षा, भी. बी. टी. टी. को मंजोधन एवं अनुप्रयोग।

4. अधिग्रहण प्रक्रिया : मस्तिष्क के मिट्टीत चल तथा अचन संपत्ति।

5. प्रत्यक्षकर योजना : कर निहितार्थ व्यापारिक इकाईयों, योजना काल में वैधानिक स्थित, फर्म, प्राइवेट लिमिटेड कं., तथा पब्लिक लि. कं. कर निहितार्थ : (1) विदेश को भड़योग प्रदान करना, अन्यथाको के तकनीक की विक्री, समान रूप से महाभारी आदि। (2) विलयन और समाप्तालन के कर पक्ष नव उद्योग व्यापना और कर योजना।

विशेष प्रबंधन नियंत्रण संबंधित उत्पन्न होने वाले कर संबंधी प्रतिष्ठान

वथा :

- (1) निर्माण या खरीद
- (2) खरीदी या लीज पर लो
- (3) रसो या दद्दो
- (4) सरमत करो, ग्रद कर दो, या रखो
- (5) निर्यात बनाय स्थानीय छिकी
- (6) बन्द करो या चाल रखो
- (7) विस्तार करो या ठोके पर दो

(8) नया मूलधन निवेश : कर विविक्षा में पंजीकरण विकास संरचना :

- (ए) अल्पकालिक अट्टण
- (बी) जन साधारण से जमासंग्रहण
- (छी) बोनस निर्गम तथा
- (डी) बोनस निर्वाप तथा
- (ई) लाभांश नीति

उन कंपनियों का कराधात जिनमें लोक रुचि प्रर्याप्त नहीं है।

वरण-2 प्रश्न पत्र 5 : लागत तथा लेखा विधि प्रबंधन अंक 100

उद्देश्य : नियंत्रण हेतु और नियंत्रण हेतु लागत विधि तथा प्रबंधन लेखाविधि बोध :

शास का स्तर : पूर्ण बोध :

1. प्रवेश : प्रबंधन प्रक्रिया और लेखा विधि, प्रबंधन की आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु लागत लेखा विधि का विस्तार प्रबंधन लेखा विधि के रूप में। प्रबंधकीय योजना एवं नियंत्रण : प्रबंधकीय लेखा विधि कार्यक्षेत्र तथा उसकी भूमिका—प्रतिष्ठा और लागत परिवालन।
2. वित्तीय विशेषण और नियंत्रण : वित्तीय परिणामों के विवेषण हेतु अनुपात का उपयोग, भारत के लोक उद्यमों में परिवालन परिणामों के विशेषण हेतु परंपरागत लेखा—विवरणों की सीधाएं, मूल्य की उपादेयता : योजित विवरण तथा अंशदान उपगम—निधि प्रवाह, रोकड़ प्रवाह विशेषण।
3. मूलधन संरचना : आंतरिक शोतों सहित मूलधन के प्रकार और उनकी किसी—मूलधन की लागत—विभिन्न घटकों का इच्छित सम्मिश्रण निर्वाचन—लेवीकरण या गियर विनायास प्रयोजन।
4. तरलीयता प्रबंधन और कार्यकारी पूँजी : तरलीयता एवं लाभप्रदता संबंध—कार्यकारी पूँजी की संकल्पना—कार्यकारी पूँजी प्रबंधन की आवश्यकता—कार्यकारी पूँजी संबंधी भविष्यवाणी, संकल्पना और परिवालन घटक का उपयोग—सूची प्रबंधन, देनदार रोकड़ तथा लेनदार।
5. मूलधन बजटीकरण नियंत्रण : उद्देश्य तथा समस्याएं—पूर्णस्थापित नियंत्रण नव निवेश, व्यवहृत मानदण्ड, सूद्धा वापसी इणाली, डी. भी. एफ. प्रैकिया—कराधान के प्रभाव—मूलधन लागत की भूमिका—मूलधन का नियंत्रित वितरण, संकटपूर्ण तथा अनिश्चितता के मध्य लिए गए नियंत्रण।
6. नियंत्रण हेतु लागत विशेषण : लागत गौत्रिकीय नियंत्रण—वक्र सिद्धान्त सीखना—नियंत्रण हेतु संबंध लागत—मूल्यायन पर अमंत्रुद्ध विगत नियंत्रण इन्स्ट्रुमेंट मिश्रित उत्पाद—निर्माण या छोटा, पट्टा या क्रू, बन्दी आदि, निर्माण आदर्शों का परिवर्त और अनिश्चितता।
7. प्रबंधन नियंत्रण उपकरण : बजटीकरण तथा मानक लागतीकरण, अग्रिम लागत एवं दिक्कट परिवर्तन—लाभ परिवर्तन-विशेषण, अनुसंधान एवं निपटान

परिवर्तन अपवादात्मक ग्रन्थन—लेखाविधि का द्वायित्व, निष्पादन बजटीकरण तथा शून्य आधार बजटीकरण, बजटीकरण में आवरण एक तथा मानक लागतीकरण।

8. समान लागतीकरण : अन्तः फर्म तूलना ।
9. लागत घटाना—संकल्पना तथा मूल्य विश्लेषण सहित तकनीक ।
10. लोक उद्यमों के निष्पादन का मूल्यांकन ।
11. औद्योगिक रूपणना का विश्लेषण : रूपणतावेध भारतीय रिजर्व बैंक की मार्गदर्शी रेखाओं सहित कारण और प्रभाव । लेखानिधि अन्याय का उपयोग तथा उस आशय हेतु सांख्यिकी तकनीक तथा उनकी सीमाएँ—पुनरर्जिज्वन हेतु उपाय—भारतीय रिजर्व बैंक को भूमिका, बी. आई. एफ. आर. की भूमिका—रूपण इकाई की कम्पनियां (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1985.

## चरण 2 प्रश्न पत्र 6 लेखा परीक्षण : अंक 100

**उद्देश्य :** आन्तरिक लेखा परीक्षण पर अधिक बल देते हुए लेखा परीक्षण की योजना और तकनीक पर तथा प्रक्रिया पर गहन अध्ययन ।

शानस्तर : विशेषज्ञ ।

## अनुभाग 1 लेखा परीक्षण के सिद्धांत 50 अंक

1. लेखा परीक्षण मूल्यांकन : लेखा परीक्षण पर प्रमुख प्रभाव लेखा परीक्षण की प्रकृति और उसका कार्य क्षेत्र—लेखा परीक्षण का अधारभूत बोध, लेखा परीक्षण में प्रभाणों की भूमिका ।
2. लेखा परीक्षण तकनीक एवं अभ्यास : सामान्यतया भानक लेखा परीक्षण स्वीकार्य—लेखा परीक्षा में वस्तुपरकता बोध ।
3. अस्तियों तथा दायिताओं का सत्यापन : अचल आस्ति, निवेश, भूचियां, देनदार आण और अग्रिम, नकद तथा वैक्षणेय लाभांश लेनदार, कराधात हेतु प्रावधान प्रस्तावित नाभांश तथा ग्रेड्याइंटी—तुलन पत्र में अन्य भद्र भाग हाँनि लेखा मदों का सत्यापन— आकस्मिक दायिताएँ लेली करण नीति अभ्यास प्रकटीकरण, निर्माणकान की अवधि में व्यय, विगत वर्ष का समायोजन, लेखा विषयक कम्पनी के प्रावधान अधिनियम ।
4. आन्तरिक नियन्त्रण को प्रकृति—मूल्यांकन और आन्तरिक लेखा परीक्षण नियन्त्रण—आन्तरिक नियन्त्रण प्रश्नावली—प्रवाह आर्ट, प्रणाली लेखा परीक्षण, आन्तरिक नियन्त्रण ।
5. गहन लेखा परीक्षण—लेखा परीक्षण में सांख्यिकीय नमूने ।
6. प्रवृत्तियों की तुलना और विश्लेषण के लिए अनुपात और प्रतिशत का व्यवहार—अन्तर फर्म तथा अन्तर फर्म ।
7. सांख्यिकी लेखा परीक्षक की नियंत्रिता—परिश्रमिक, निष्कासन सांख्यिकी लेखा परीक्षकों के अधिकार,

लेखा परीक्षकगण, संयुक्त लेखा परीक्षकगण, यात्रा  
लेखा परीक्षण ।

8. लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन : प्रतिवेदन बनाम प्रभाग-पत्र, प्रतिवेदन की विषय वस्तु, प्रतिवेदन में अहंताएँ ।
9. विभाग्य साम : कम्पनी अधिनियम के प्रावधान, महत्वपूर्ण वैधानिक प्रावधान—आयकर अधिनियम के प्रावधान ।
10. सार्वीधिक लेखा परीक्षक तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों के मध्य अन्तराफलक ।

## अन्तर्भाग-2 आन्तरिक लेखा परीक्षण : 50 अंक

1. आपसीरिक लेखा परीक्षण को प्रकृति और उसका कार्यक्षेत्र :
- वित्तीय बनाम परिचालन लेखा परीक्षण, दक्ष लेखा परीक्षण बोध, स्वामित्व लेखा परीक्षण, बाउचर लेखा परीक्षण, अनूपालन लेखा परीक्षण, पूर्व तथा उत्तर लेखा परीक्षण ।
2. विनियंत्रण का प्रभाव तथा अन्य कम्पनियां (लेखा परीक्षण) प्रतिवेदन आषेश, 1988—आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य पर ।
3. आन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य का गठन—निर्वाचित तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण—लेखा परीक्षण परियोजना का कार्यभार । अन्तरिक लेखा परीक्षण कार्य का संगठनात्मक स्थिति—लेखा परीक्षण समितियों का कार्य क्षेत्र ।
4. आन्तरिक लेखा परीक्षण परियोजना की योजना : परिचयित—जांच तालिका बनाना, आन्तरिक नियंत्रण प्रश्नावली, लेखा परीक्षण कार्यक्रम ।
5. प्रभाणों का सत्यापन : विस्तृत जांच एवं नमूना चयन योजना, आन्तरिक लेखा परीक्षण में व्यवहृत सांख्यिकीय नमूना चयन ।
6. चार्ट प्रबल्हरी तकनीक ।
7. आन्तरिक नियंत्रण—प्रकृति और कार्यक्षेत्र, आन्तरिक लेखा परीक्षण, आन्तरिक नियंत्रण ।
8. कार्यस्थल पर किया जाने वाला कार्य : प्रभाण संग्रहण, साक्षात्कार—शापन ।
9. लेखा परीक्षण टिप्पणी तथा लेखा परीक्षण होता कागजात ।
10. लेखा परीक्षण प्रतिवेदन : प्रभाणी प्रतिवेदन की तकनीक—लेखा प्रतिवेदन का अनुसरण ।
11. शीर्ष प्रबंधन को संक्षिप्त प्रतिवेदन ।
12. आन्तरिक लेखा परीक्षण में संप्रेषण : लेखा परीक्षक तथा जिनके लेखा को परीक्षा करनी है उनके आपसी संबंधों में विकास ।
13. एक उद्यम के परिचालन का लेखा परीक्षण : यथा लेखाविधि तथा वित्त, तालिका नियन्त्रण, अधिग्राहित, ज्ञानादन, विपणन, रस-रसायन, कार्मिक, शास्त्राएं तथा डिपो अनुसंधान और विकास ।

14. आन्तरिक लेखा परीक्षक नथा धोखाधड़ी की जांच ।  
15. आन्तरिक लेखा दर्शकण काढ़ी का लेखा प्रक्षण ।

## स्वरण-२ प्रश्नेपत्र-७ अप्रस्थक्ष कराधाम :

**उद्देश्य** : कर विधि का गहन ज्ञान और प्रबंधन निर्णय पर उसका प्रभाव विशेषतः प्रबंधन लेखाविधि के व्यवहार में कर के छटकों की भूमिका पर बल देखें हैं ।

### ज्ञान का स्तर : विशेषज्ञ ।

अप्रत्यक्ष कर विधि तथा संबंदध प्रक्रिया ।

१. एम. ओ. डी. डॉ. चै. टी. सहित केन्द्रीय उत्पाद।
२. केन्द्रीय विक्रय कर।
३. सीमाशूलक।
४. उत्पाद लेखा परीक्षण।

केन्द्रीय उत्पाद एवं लवण का, 1944, केन्द्रीय उत्पाद (मूल्यायन) नियम 1975 तथा सीमांशुल्क एवं उत्पाद शालक डाक्ट्रॉक नियम 1971, केन्द्रीय उत्पाद टारिफ और नियम, 1985 की परिवर्ति, लाइसेंसिंग प्रक्रिया, विवरणियों के सांविधिक प्रपत्र तथा रजिस्टर्स (केन्द्रीय उत्पाद सिरीज) तथा निर्माण व्यय निधरिण संबंधी कानूनी मामले।

विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में सीमाशालक की उगाही के लिए प्रक्रिया और संग्रहण, अर्थात् ।

1. वास्तविक नियन्त्रण,
2. अभिनेत्र आधारित नियन्त्रण,
3. उत्पाद आधारित नियन्त्रण तथा
4. मिश्रित लेवी स्कीम ।

अधिनिर्णय तथा अपेलेट प्रक्रियाएँ, अपराध तथा दण्ड, आयात निर्यात इत्यै सम्बन्धित प्रावधान, मल्यांकन संदर्भित प्रमाणिकोक्तरण, उपभोग, भंडारण तथा एम. आ. डी. दू. ग्री. टॉ. आदि परिवहन एवं मालगोदाम में भंडारकरण प्रक्रिया ।

## आप्रत्यक्ष कर के भेद में कर पोजिना :

संरण-२ पृष्ठ ४ मात्रात्मक प्रैक्षिका :

अंक 100

उद्देश्य : व्यापारिक परिस्थितियों में आर्थिक ग्रंथ मानात्मक प्रक्रिया द्वारा उत्प्रयोग होते पर्याप्त ज्ञान देने ।

### ज्ञान का स्तर : पर्याप्त ।

## अन्तर्भाग-१ अंकगणितीय तकनीक

अंक 40

- वेक्टर की वीजगणित तथा सैटिसेस, तथा डिटर्मिनेट्स ।  
योग, घटाव, गणा, तथा वेक्टर का विपर्यय तथा सैटिसेस सैटिक्स वीजगणित की सहायता से लाइनर एक्सेजन प्रणाली का समाधान ।
- अवकलन गणित (कॉलेजलस) : चर शायि विधानोंका फलन तथा ग्राफ-डोज गणीतीय फलन की सीमाएँ—

बीजगणीतीय फलन में सरल विभेदीकरण—अवकलन का अर्थ प्रथम तथा द्वितीय अवकलन का अर्थ, बीज गणीतीय फलन के निम्नतम या अधिकतम समस्याओं के समाधान।

3. समाकलन (प्रतिस्थानापन्नता और अशोष इवाग) सरलता फलन के लिये निश्चित अनिश्चित पूर्णांकीय निर्धारण । ठोस पदार्थों का क्षेत्रफल और आयलन के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक का अनुप्रयोग ।
4. निरसोधाधीन इंस्ट्रमेंट फलन । रेसिट कार्यक्रम तथा समाधान की सरलतम प्रणाली ।

## अनुभाग-2 सांख्यिकीय तकनीक :

1. **प्रायिकरण :** प्रायिकता के अर्थ और व्याख्या, पारस्परिक, एकनिष्ठ तथा सामूहिक अथक प्रयासों, बारंबार निःशोष परीक्षण, मिश्रित विश्लेषण, योग वियोग के नियम, ब्रे के सिद्धांत और उसका प्रयोग । बेतरीनी अस्थिरता तथा संभाव्यता वितरण, अंक-गणितीय अपेक्षाएँ, बायोमियन के मूल तत्त्व, पोथसन, तथा सामान्य वितरण ।
2. जन मंस्या तथा प्रतिक्षर्ष ग्रहण, प्रतिक्षर्ष ग्रहण प्रणाली, बेतरीनी भूम्याओं के प्रयोग, सहकालिक प्रतिक्षर्ष ग्रहण प्रतिक्षर्ष ग्रहण और, वितरण मानक न्यूट्रियं, साधन हेतु आवश्यक अन्तराल, तथा प्रतिशत, हाइपोथेसिस परीक्षण और व्यवहार जेड  $1 \times 2$  परीक्षण ।
3. जोलिस तथा अनिश्चितता के मध्य निर्णय लेना, द्वी विश्लेषण निर्णय ।
4. सरल समाख्यण व असमाख्यण ।

### अन्तर्भाग-3 अर्थनीतिक तकनीक

20 अंक

4. मूल्यांकन नीति एवं अभ्यास : लागत एवं मूल्यांकन चालू दर मूल्यायन उत्पाद रेखा मूल्यायन, बहुउत्पादीय मूल्यायन—चक्र उत्पाद पर, किप्रगामी मूल्यायन, परिपक्वता में अन्तःवेशीय मूल्य तथा मूल्यायन, मूल्यायन का वृद्धिगत विश्लेषण ।

9. वर्तमान विनियम 32 के स्थान पर नया निम्नलिखित नियम लागू होगा यथा

32. छूट : (1) दिनांक 1 जुलाई, 1991 को या उसके पश्चात् यदि कोई अभ्यार्थी अपना नाम पंजीकृत करता है तो ऐसी स्थिति में परिषद को अधिकार होगा कि वह इस बात का निर्णय करेगी और समय समय पर यह निर्णय करेगी की किसी विषय में विद्यार्थी को समय समय पर एसे विषयों में बैठने के लिये छूट देगी जिन्हें को उन्होंने किसी अन्य विष्वविद्यालय से पारस्परिक आधार पर किसी प्रशंसन संस्थान से/निकाय से भाग्य में या भारतवर्ष के बाहर से उत्तीर्ण किया है और जिसे इसके लिए काउन्सिल द्वारा मान्यता प्राप्त हुई हो ।

प्राचीन पाठ्यक्रम के अधीन माध्यमिक परीक्षा के प्रश्नपत्र

श्रेणी पत्र सं. पत्रों का नाम

I.	2	व्यावार गणित एवं सांख्यिकी
I.	3	व्यावार अर्थनीति विधि
I.	4	बुक कीपिंग व विद्या विधि
II.	1	लागत लेखा विधि मूल लागत उपरिव्यय
III.	2	लागत एवं प्रबंधन नियाविधि तथा तकनीक

(4) यदि किसी अभ्यार्थी ने माध्यमिक परीक्षा वर्तमान पाठ्यक्रम के उत्तरांत परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो उसे संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत बैठने या उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं है ।

यदि किसी अभ्यार्थी ने पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छूट प्राप्त कर ली है या उक्त प्रश्नपत्रों में अंकों को अनुमति करने का लाभ प्राप्त कर लिया है तो उसे संशोधित पाठ्यक्रम की उक्त तबनुरूपी समान परीक्षाओं में उसे इस विनियम के अन्तर्गत छूट पाने की पात्रता होगी । जो भी हां परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो कि पुराने पाठ्यक्रम के अनुमान दिया गया हो उसे आधार मान कर अंकों को अनुमति करने की अनुमति माध्यमिक परीक्षा के किसी प्रश्न पत्र में संशोधित पाठ्यक्रम में नहीं दी जाएगी ।

10. वर्तमान विनियम 33 को निम्नलिखित नए नियम से प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

### अंतिम परीक्षा

33. अंतिम परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु तथा शुल्क के लिए : अंतिम परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु किसी भी अभ्यार्थी को तब तक प्रवेश नहीं मिलेगा जब तक कि वह एक पंजीकृत अभ्यार्थी नहीं है और उसने संस्थान की या विवृतियत कम्पनी की माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो । और जब तक उसने परीक्षा आरम्भ होने से कम से कम 60 दिन पूर्व अपने सभी दंस देने के लिए हो ।

2. काउन्सिल को यह अधिकार होगा कि वह माध्यमिक परीक्षा के किसी विषय/चरण में उस विद्यार्थी को बैठने की छूट देने का निर्णय ले सकता है जिससे कि एक विद्यार्थी नये पंजीकृत छात्र के रूप में उसने पूँः प्रवेश लिया है । यह छूट उसे विनियम 25 ए के अन्तर्गत प्राप्त होगी और इसका आधार होगा पूर्ववर्ती पंजीकरण के अन्तर्गत पूर्ववर्ती किसी विषय/चरण में प्राप्त जंक ।

3. संक्रमण कालीन उपाय के तौर पर निम्नलिखित छूट की अनुमति दी जाएगी :—

यदि किसी अभ्यार्थी पंजीकरण पहली जुलाई के पूर्व हुआ है और उसे अभी भी माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी है किन्तु यदि उसने निम्नोलिखित प्रश्न पत्र (ओं) में प्राचीन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या छूट प्राप्त कर ली है तो ऐसी स्थिति में उसे माध्यमिक परीक्षा के अन्तर्गत निम्नलिखित को अनुसार इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम में माध्यमिक परीक्षा के अनुरूप संशोधित पाठ्यक्रम में भी छूट दी जाएगी ।

संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत माध्यमिक परीक्षा के अनुरूपी समान प्रश्न पत्र

चरण पत्र सं. पत्र का नाम

II	8	मात्रात्मक पद्धति
I	3	कम्पनी लार्ज व सचिवीय अभ्यास
I	1	वित्तीव लेखा विधि
I	2	लागत लेखा विधि
II	5	लागत एवं लेखा विधि प्रबंधन

किसी भी विद्यार्थी को तब तक अंतिम परीक्षा के किसी भी चरणों में प्रवेश नहीं मिल सकता जब तक कि वह डॉक्टर आफ स्टडीज या कॉर्चिंग एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख चाहे जो भी मनोनित किया गया हो या इस कार्य हतु काउन्सिल द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान के प्रमुख द्वारा जारी किया गया और डॉक्टर आफ स्टडीज या उक्त कॉर्चिंग एडायरन प्रमुख द्वारा प्रतिहस्तानिशन प्रमाण पत्र जैसी भी स्थिरत हों प्रस्तुत नहीं करला तब तक उसे प्रवेश नहीं मिलेगा और इस प्रवेश पाने के पूर्व माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात अंतिम परीक्षा में प्रवेश हतु उक्त चरण या चरणों के लिये निर्धारित पदाचार या मौखिक पाठ्यक्रम संतोषप्रद रूप से पूर्ण न कर लिया हो ।

इसके अलावा परीक्षा समिति यदि किसी विद्यार्थी के विरुद्ध कोई सूचना प्राप्त करती है या उसके पास कोई सूचना है तो ऐसी स्थिति में वह किसी भी अभ्यार्थी को परीक्षा में बैठने नहीं भी दर्शकी है किन्तु इससे पूर्व वह यदि आवश्यक समझती है तो एक जांच बैठाकर अपने आचरण की व्याख्या का अवसर देने के पश्चात् ही यह निर्णय लिया जाएगा ।

(2) अंतिम परीक्षा के चतुर्थ चरण में तब तक किसी अभ्यार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह अंतिम परीक्षा के तृतीय चरण में न बैठा हो और परीक्षा उत्तीर्ण न की हो ।

(3) अंतिम परीक्षा में बैठने के लिये प्रत्येक अभ्यार्थी को प्रति चरण 100/- तथा दोनों चरणों के लिये 200/- परीक्षा शुल्क देनी होगी ।

11. बर्तमान विनियम 34 के स्थान पर निम्नलिखित विविध सामाजिक विधाएँ होगा यथा

34. अंतिम परीक्षा के संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम अंतिम परीक्षा :

(1) इस विनियम के संशोधित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम परीक्षा विसम्बर, 1991 में होगी। जो विद्यार्थी, जून, 1991 में या उसके बाद माध्यमिक उत्तीर्ण होंगे, या जो जून, 1991 के पूर्व उत्तीर्ण हो गये हैं, वे बठ्ठे की हृष्टा व्यक्त कर सकते हैं और अन्य सभी विद्यार्थी जो विसम्बर, 1993 इस विनियम के अन्तर्गत उनकी परीक्षा ली जाएगी। पुराने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा, जून, 1993 में होगी।

(2) इस विनियम के अन्तर्गत संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार चरण प्रश्नपत्र एवं पाठ्यक्रम निम्नलिखित होगा।

#### अंतिम परीक्षा चरण 3 व 4

चरण :—3 प्रश्नपत्र-9 विस्तीर्ण लेखा विधि :

उद्देश्य : लेखाविधि के सिद्धांतों का विस्तृत सूक्ष्म अध्ययन करना तथा जटिल व्यापारिक एवं गैर व्यापारिक परिस्थितियों में उनका प्रयोग

ज्ञान का स्रोत : विशेषज्ञ

1. लेखा विधि के सिद्धांत, बोध एवं परंपरा-व्यापारिक आय भापन—लेखाविधि भानक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय
2. उद्यम का मूल्यांकन: सूची का मूल्यांकन, सांख्यिकी एवं अनुबंध
3. कंपनी लेखा प्रस्ताविकरण:-संलग्न विलयन प्रमाणित तथा पूंजी लघुकरण-होल्डिंग कंपनियों लेखा विलयन
4. शाक्ता तथा विभागीय लेखा : किसी पर खरीद और किसी का भुगतान-रायल्टी लेखा, अनुबंध लेखा, निवेश लेखा
5. अपूर्ण अभिलेखों में लेखा बनाना : स्व-अधिकारी लेखा
6. संगठनों में लेखाविधि : कृषि लेखाविधि, होटल लेखा विधि-लाभ न करने वाले संगठनों पर लेखा विधि अर्थात् अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान स्थानीय स्थानीय सरकार की लेखाविधि-ग्रामीण शहरी
7. बैंक तथा बीमा कंपनियों की लेखा विधि-स्टाक में हानि, लाभ में हानि और अन्य क्षतिप्रभाकर जिसके सामुद्रिक बीमा वावा भी शामिल हैं उसकी लेखाविधि इलेक्ट्रिक लेखाविधि
8. भारत में सर
9. व्यापारिक लेखा विधि से तुलन करते हुए भारत में सरकारी लेखाविधि : सामाज्य सिद्धांत, नियंत्रक और भारत के महालेखाकार की भूमिका तथा लोकत वित्त समितियाँ—एवं लेखा समीक्षा

चरण-3 प्रश्न-पत्र :- 10 सूचना तकनीक एवं संगणक के प्रयोग

उद्देश्य : कम्प्यूटरीकृत सूचनाओं/हकंनीक के विकासित क्षेत्र में प्रयोगत लेखाकारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करना एवं नियंत्रण करना।

इराद का स्रोत :—आधारभूत विधि किन्तु विस्तारपूर्वक सकैक्षणिक की जानकारी

2. प्रणाली अभिकल्प : निवेश एवं उत्पादन अभिकल्प नक्शा बनाना श्रोत प्रलेखों हेतु पहचान फाइल अभिकल्प एवं संहिता करण प्रक्रिया, संस्थापन, वैधिकी-करण और निवेश तथ्यों पर हस्त (मैनुबल) नियंत्रण फाइल बनाना इसकी पहचान करना तथा नियंत्रण

वास्तविक सुरक्षा एवं पास वड़

उत्पादन नियंत्रण तथा तथ्य संप्रेषण नियंत्रण

कार्यालय में तथ्य की वास्तविक सुरक्षा

प्रणाली अभिकल्प के जीवनवृत्त एवं वरण

प्रधाह चारों संहित अभिलेखीकरण एवं संप्रेषण तकनीक,

निर्णय सारणी एवं वन्य डायग्राम

3. सूचना तथा इसकी प्रक्रिया: तथ्य और सूचना भंडारण तथा सुधार,

अच्छीं सूचनाओं की विशेषताएँ और उसके गुण

सूचनाओं के मूल्य और श्रोत

युक्तिस पूर्ण सूचनाओं का वर्गीकरण

युक्तिस पूर्ण और संगठन

फाइल सुरक्षा एवं रख-रखाव संगठन

आर. ए. एम., आर. बी. एम. पी. आर. जी. एम—कम्प्यूटर में आंतरिक भंडारण

कम्प्यूटर में आंतरिक भंडारण के आकार तथा क्षमता निर्धारित प्रक्रिया कम्प्यूटर में माइक्रोफिल के रूप में उत्पत्ति उपकरण

ग्राफ प्लाटर्स

लाइन प्रिन्टर्स,

स्ट्रिय प्रदर्शन

आंतरिक भंडारण

माध्यम तथा उनका उपयोग

इलैक्ट्रोनिक मूल का उपयोग

टेलेक्स आदि

4. विसिरित लक्ष्य प्रक्रिया, स्थानीय नेटवर्क, काल विभाग तथा बहु उपयोगी प्रणाली मेल प्रैम के माइक्रो कम्प्यूटर लिंक के साथ संयोजित करना विकासित तथा प्रणाली से होने वाली सुविधाएँ और असुविधाएँ।

विकासित प्रक्रिया एवं प्रणाली अभिकल्प

स्थानीय क्षेत्रवार नेट वर्क तथा विस्तृत क्षेत्रवार नेटवर्क का भविष्य

5. प्रबंधन सूचना प्रणाली की योजना, अभिकल्पन, एवं कार्यान्वयन: हाउवेश साफ्टवेयर तथा संप्रेषण तकनीक, कम्प्यूटर प्रणाली, कम्प्यूटर हेतु तथा प्रस्तुति

सुक्षम-इलेक्ट्रोनिक (माइक्रोप्रेस, मानव यंत्र उत्पादकता द्वारा आप विपणन के आवरणित करते हुए समर्कित प्रबंधन रचना प्रणाली विनिर्माण, वित्तपोषण, कार्मिक, कायन्त्रियन, मूल्यांकन तथा रख-रखावों

### चरण 3 II संगणक अनुप्रयोग :

अंक 50

कम्प्यूटर हार्डवेयर: कम्प्यूटर तथा उसके आधारभूत घटक-निविष्टि, मूल्य भंडारण, वाह्य भंडारण, साप्टवेयर, उत्पादन प्रक्रिया, कन्वर्टर प्रक्रिया इकाई (सीपीयू) तथा लाइक इकाई, (ए.एल.यू.) तथा उनके तत्व तथा कार्य, आन्तरिक भंडारण और तथ्यों का प्रतिनिधित्व, रैम्डम एक्सेस मेमोरी (आरएएम), केवल पठनीय मेमोरी (आर.ए.एम.) तथा कार्यक्रम योग्य आर. आ. एम. (टी.आर.एम.) तथा इसे ओआरएम प्रक्रियात्मक क्षमता तथा अंतरण भंडारण, बहिनीजी परिचालन

2. कम्प्यूटर जेनरेशन मेनफैल, मिनी कम्प्यूटर तथा माइक्रो कम्प्यूटर 8 बिट, 16 बिट 32 बिट कम्प्यूटर की विशेषताएं और प्रक्रियात्मक क्षमताएं कम्प्यूटर विकास की भविष्य की वृत्तियां।

### 3. निविष्टि उत्पाद साधन:

विभिन्न प्रकार के निविष्टि साधन एवं उनको विशेषताएं (मैग्नेटिक टपे, मैग्नेटिक डिस्क, विन्चेस्टर डिस्क, कैसेट, फ्लापी डिस्क, मैग्नेटिक इक रिकार्गिनशन, आर्टिकल कैरेक्टर रिकार्गिनशन, वायस डाटाएन्टरी (ओसीआर), डाइमर्ट डाटा एन्टरी (ओसीआर) आर्टिकल कैरेक्टर रोकार्गिनशन) प्रिंटिंग लाइन, लेसर, डाटा सैट्रिक डिजीशील विडीयो (विजुअल डिस्प्ले यूनिट) माइक्रोफिल्म, ग्राफ प्लाटर ग्राफिक टर्मिनल।

### 4. फाइल बनाना और उसका रख रखाव :

फाइल का बोध, रेकार्ड और उसकी विशेषताएं स्थायी अस्थायी फाइल संगठन, फाइल अन्तरण, अद्वैत, कर्मना मुरक्खा तथा रख-रखाव कार्य कार्यालय तथा फारमेटेड स्क्रिन, मैनेज विन्चरों परिवर्तनीय तथा रेकार्डों की लम्बाई तथा धर्ता, प्रैसेसिंग की प्रक्रिया, सैक्वेनीशियल डाइरेक्टर तथा डिनामिक उनके लक्षण और व्यवहार, मैग्नेटिक टपे ले आउट, इंटर रेकार्ड गैफ्ट, ब्लॉक एण्ड इंटर ब्लॉक गैप, ब्लॉकिं फैक्टर।

### 5. कम्प्यूटर प्रक्रिया प्रणाली :

प्रक्रिया प्रणाली पद्धति के प्रकार

- (1) सभी तथ्यों की बैच निविष्टि तथा लेनदेन की सभी निविष्टियों की प्रक्रिया लाइन फाइल की इन्कायरी पर
- (3) आन लाइन निविष्टि, बैच प्रक्रिया और आन लाइन इन्कायरिज
- (4) आन लाइन निविष्टि का अस्तित्व करना तथा वास्तव काल प्रणाली प्रत्युत्तर काल।

### 6. वितरित डाटा प्रक्रिया प्रणाली :

विपरित डाटा प्रक्रिया प्रणाली (डीडीपीएस) डाटा अन्तरण प्रणाली देते कम्प्यूनिकेशन लिंक, लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) डाइम शेवरिंग तथा बड़ प्रक्रिया

### 7. कम्प्यूटर साप्टवेयर तथा प्रोग्रामिंग :

स्टोर्ड इन्स्ट्रुक्शन्स प्रोग्रामिंग के सिद्धांत, भाषा पार्टन, कोडोल, ब्रेसिक, पास्कल सी आदि प्रोग्राम लेखन की क्षमता नहीं) साप्टवेयर के स्तर, साप्टवेयर पैकेज, तथा परिचालन इण्डिली (ओएस), बूट स्टाप्रोग्राम, एमेस्वला, कम्पाइलर तथा इंटर्प्रेटर्स, स्प्रेडशीट पैकेज डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली (डीबीएमएस) डड़ प्रोसेसिंग साप्टवेयर, ग्राफिक्स साप्टवेयर, डिसिक पर सरल प्रोग्राम, लेखनवृत्त वेतन तालिका सूची तथा विक्रय विश्लेषण एम आर्स एस के नियंत्रण एवं लेखा परीक्षा पक्ष: एडिटर्स, रटर लिस्टिंग, प्रणाली सुरक्षा नियंत्रण आडिट दायल, परिचालन दक्षता नियंत्रण, कम्प्यूटरीकृत वावरण में लेखा परीक्षण,

### 9. कम्प्यूटरकृत तकनीक :

कम्प्यूटरयुक्त डिजाइन (सीएडी) कम्प्यूटरयुक्त निर्माण (सीएम) नमनीय निर्माण पद्धति, आर्द्धचालन-।।। प्रश्नपत्र-।।। परीचालन प्रबंधन एवं नियंत्रण-अंक

उद्देश्य: प्रक्रिया का प्रार्थनिक ज्ञान और उत्पादन तकनीक श्रोतों के प्रभावी उपयोग की अवधारणा और श्रोत के अधिकतम उपयोग मूनिश्चित करने की तकनीक :

ज्ञान का स्तर: विशेषांशान

1. उत्पादन तकनीकी का विवरण: विल्यूम का अर्थ तथा तात्पर्य, विभिन्न बोध सम्बद्ध तकनीकी का उपयुक्त तकनीकी का उपयुक्त बनाम लॉटेके मूलधन संखनता बनाम श्रम साधनता, लेप बनाम प्रक्रिया आदि 21वीं शताब्दी में आवाजी वस्तुओं का लूप मशीन उपकरणों संधिं निर्माण तकनीक संदर्भी आवारण धारणा, प्रक्रिया तकनीक, उत्पादकता सुविधा, उत्पादकता के उपयोग एवं निर्माण नीति लागत लेखा परीक्षा के अधीन आवर्णित उद्देश्य के कुछ विशाल धारणाएँ।

### 2. उत्पादन पोषण :

अनुसूचीकरण एवं मॉनिटरिंग प्रणाली

3. उत्पादन अर्थनीति: स्थान बहुपारो उत्पादन का नक्शा मिश्रित, माम्री संचालन वहुदंशीय संगठन की उपादयाना, प्रतिरोधात्मक रख-रखाव, क्षमता का उपयोग असंतुलित क्षमता का संशोधन, उत्पादन की आए-नोडिंग, उत्पादन के चरण उत्पादन के चरण उत्पाद संधिं, योजना प्रक्रिया, गुणवत्ता स्तर की नियंत्रित करते हुए अनुसूचित उत्पाद छाना चरण, उत्पाद लागत नियंत्रण उत्पादों का व्यवहार और उसका अप्रबलन, तकनीकी व्यवाहार और सका अप्रबलनीकरण उत्पाद लागत नियंत्रण-इसके उत्पाद घटक के लागत पर आधारित क्षमता की उत्पादकता आधुनिकीकरण, नवीकरण तथा पुरुद्वार करना आदि समस्पादन का विश्लेषण।

4. उत्पादकता: उत्पादकता का अर्थ और उसका महत्व, उत्पादकता जैसे कुल उत्पादकता, उत्पादकता का परिमाप-वारों भमय और अलग-अलग प्रत्येक घटक के लिए जैसे—मनुष्य मशीन, उपादान, उत्पादकता एवं लागत, उत्पादकता विकाश तकनीक काल-अधारण, कार्य के नमने तथा अन्य तकनीकी उत्पादकता मॉनिटरिंग हेतु, उत्पादकता नियंत्रित करना उपकरण तथा तकनीक, उत्पादकता और कार्य प्रणाली साथ ही साथ गुणपठनायकता कार्य जीवन कार्य मूल्यांकन तथा मॉरिट रोटिंग तथा इनका मानव संशोधित उत्पादकता में स्थिरोग उत्पादकता के संदर्भ में लागत लघु-करण तथा मूल्य विश्लेषण। उत्पादकता के संदर्भ में वक्तव्याधी-सीखना।

## 5. परिचालन निर्णय भर्ते लागत प्रभावोत्पादकता :

लागत प्रभावोत्पदकता विश्लेषण तकनीक वहु विभिन्न परिचालन-निर्णय जैसे बनाओं या जरीबों, बहुसिख संयन्त्र बन्द होना, संयन्त्र का स्थान और विस्तार त्रुटियों का पता लगाना उत्पादन प्रणाली में स्वचालन, प्रबन्धन को उपदेशता, मशींओं का प्रतिस्थापन तथा तकनीक के उन्नतीकरण तथा अवशोषण पर वित्तीय प्रभाव ।

**उत्तर : -3 (प्रबन्धन 12)** परियोजना प्रबंधन एवं नियंत्रण

उद्देश्य : सूचीकरण, मूल्यांकन वित्त पोषण, प्राप्ति और परियोजना नियंत्रण पर विशेष ज्ञान देना ।

ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान

### 1. परियोजना की विशिष्टता और सूचीकरण :

बी.एम.ई.आर. (संतुलन, आधुनिकीकरण, प्रतिस्थापन, विस्तार तथा विर्धिकरण) विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के लिए विभिन्न आवश्यकताएँ । प्रत्यक्ष क्रियम के अन्तर्गत आवं वाली परियोजनाओं के लिए निर्णय भी शामिल किया गया है ।

परियोजना चयन में मैश्र्य तथा माइक्रो प्रोसेसर, निजी, लोक एवं संयुक्त क्षेत्रों की परियोजना के निए विभिन्न प्रयोजन । परियोजना सूचीकरण-परियोजना ।

प्रोफाईल बनाना, परियोजना रिपोर्ट तथा वित्तीय परियोजना रिपोर्ट, पूर्व नियंत्रण निर्णय हेतु विस्तृत मानक

2. परियोजना मूल्यांकन विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन—तकनीकी, संगठनात्मक तथा प्रबन्धकोश-वापारिक एवं विस्तारक—परियोजना मूल्यांकन हेतु वित्तीयक तकनीक तथा संभाव्यता, डॉ.सी.एफ. तथा डॉ.डी.सी.एम. प्रणाली, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण तथा वापसी का अधिकावधि, परियोजना का उक्त पोषण जीवित्य ।

### 3. परियोजना वित्तीयोषण :

वित्तीयोषण का प्रारंभिक, वित्तीयोषण के श्रोत, करान्दास का प्रभाव, लोक ऋण, लघुबचत/लोक उच्चारों का अधिकावधि त्रुटिपूर्ण वित्तीयोषण, विदेश सहायता, सार्वजनिक क्षेत्र परियोजना का वित्तीयोषण, परियोजना वित्तीयोषण में कर भोजन की भूमिका ।

4. परियोजना लागत प्रणाली : परियोजना लागत लंबा विधि तथा मोर्निटरिंग, अनुबंध तथा लागत प्रणाली, श्रम तथा उपकरण लागत लेखा विधि का संहिताकरण डाटा लागत का विद्यास, श्रम-काल वर्णन मानवात्मक कार्य का प्रत्यक्ष परिस्थिति, श्रम लागत विश्लेषण, उपकरण लेखाविधि, गतिविधि व अधिकारित लागत लेखा विधि, अनुमान हेतु उत्पादन दर, लागत नियंत्रण लागत नियंत्रण हेतु कम्प्यूटर का अनुप्रयोग ।

5. परियोजना प्रशासन : प्रगति भुगतान, व्यय योजना एवं परियोजना अनुसूचीकरण तथा नंदेशक योजना, भुगतान अनुरोध के विवेद सी.पी.एम. गतिविधि का व्यवहार, भुगतान की अनुसूची तथा वास्तविक प्रगति काल लागत व्यापार प्रधानमंत्री, राजकड़ प्रधान बनाना, रोकड़ पूर्वनुमान एवं नियंत्रण की मोर्निटरिंग तथा अन्य श्रीत, एक प्रशासन में परियोजना समूहों का नियंत्रण तथा श्रोतों के भागीदारी में सहयोगी समस्याएँ ।

6. पीईआरटी बोध और उसका व्यवहार—लागत एवं पीईआरटी काल लागत एक कार्यकाल के रूप में/लागत योग्यकारी/पीईआरटी में से पीईआरटी में लेखाकार की भूमिका/लागत वर्णीकरण, वल्पतम लागत व्यवधि निधरिण ।

## 7. परियोजना के उपरांत मूल्यांकन ।

उत्तर—4 प्रश्न पत्र 13 उन्नत प्रबन्धन लेखाविधि—  
तकनीक और उसके अनुप्रयोग

अंक 100

उद्देश्य : प्रभावी योजना हेतु मानवात्मक प्रभाव के अनुप्रयोग से लागत लेखाविधि तकनीक पर पर्याप्त ज्ञान देना

ज्ञान का लंब : उन्नत लेखाविधि (प्रबन्धन)---समस्याओं का सूचीकरण और उसका समाधान

1. परिचय : प्रबंधन लेखाविधि का मूल्यांकन—पूर्ण लागत आवंटन नियम के उद्देश्य, लाभप्रदता और अन्य उद्देश्य, उत्पाद सेवा सह बाजार मिश्रित सूचना तथा निर्णय प्रक्रिया, मानवात्मक एवं गृहणात्मक घटक, निर्णय लेने हेतु रिपोर्ट करना—निष्पादन मूल्यांकन तथा इसके विभिन्न समकालीन निर्णय प्रतिमान ।

2. लागत आवंटन : लागत निर्धारण एवं आवंटन, लागत निर्धारण की सामान्य प्रक्रिया तथा निर्णय करने हेतु विभिन्न मानदण्ड, सेवा विभाग लागत आवंटन, सेवा विभाग मध्य अन्त : क्रियाएँ : पारस्पारिक प्रदर्शीति, एक विभाग से दूसरे विभाग का लागत आवंटन, संयुक्त उप-उत्पाद लागत, संयुक्त उत्पाद की गमस्याएँ, उप-उत्पाद का उपचार, परंपरागत संयुक्त उत्पाद आवंटन प्रणाली, संयुक्त उत्पाद के साथ निर्णय करना संयुक्त लागत आवंटन हेतु अर्देखित कार्यक्रम, प्रतिस्थापन, संयुक्त लागत आवंटन समस्याएँ, उप-उत्पाद का उपचार, परंपरागत संयुक्त उत्पाद की महत्व, अंकगणितीय कार्यक्रम प्रणाली से उप-उत्पाद की पहचान तथा उप-उत्पाद लेखाविधि ।

3. मानवात्मक तकनीक : रेखित कार्यक्रम के व्यवहार से व्यापार का प्रारंभिक उत्पादन, समाधान की सरल प्रणाली और संवेदनशील विश्लेषण, आव्यूह (मैट्रिक्स) का प्रभावी निर्माण तथा आवंटन समस्याओं पर इसका अनुप्रयोग नियत कार्य, परिवहन तथा प्रमणहील विकेता (सेल्स-मैन) गेस्ट के सिवधांत तथा विषयन समस्याओं पर इसका अनुप्रयोग, पैकिंगबैक्स सिवधांत की सहायता से सेवा स्तर का निर्धारण अनुप्रयोग तकनीक के व्यवहार से व्यापारिक प्रतिमान, डी.सी.एफ. मिलाकर प्रतिस्थापन प्रतिस्थापन, सारिता तंत्र (नेटवर्क) विश्लेषण का व्यवहार करने हुए परियोजना योजनाएँ ।

4. लागत व्यवहार एवं समाश्रयण रिपोर्ट : वर्तीकरण गता अनुमान हेतु डाटा विश्लेषण, और लागत व्यवहार, समाश्रयण विश्लेषण के व्यवहार से लागत व्यवहार का मानक विश्लेषण, कामलायक (फिट) तथा आर्थिक संभावनाओं की अच्छाईयां, खतंत्र चरण का महत्व गमाश्रयण में सांख्यिकीय अनुमिति, वक्रपूर्वानुमान शिक्षण, उत्पादकता पर संचयी प्रभाव के भाष्य पूर्वानुमान शिक्षण, संचयी पूर्वानुमान आनपातिक—काल शिक्षण प्रतिमान तथा शिक्षण प्रतिमान पर विशिष्ट काल इकाई वक्र शिक्षण ।

5. लागत-आकार लाभ विश्लेषण : सीबीपी कल्पना तथा लागत के आत्मरिक संबंध, आकार और लाभ :—

(क) निर्धारणात्मक प्रतिमान : सी.बी.पी. पर विश्लेषण प्रतिमान, बहु उत्पादीय अवस्थाओं सहित बी.ई.पी. निर्धारण, बहु उत्पादन के अन्तर्भृत

री.वी.पी. विश्लेषण, वह उत्पादोय संयमन, सी.वी.पी. प्रतिमान और इसका व्यवहार प्रक्रिया निर्णय में।

(स) अनिश्चितता के अन्दर प्रतिशान : अनिश्चित प्रतिशान निर्माण-विक्रम वितरण को संभाव्यताएँ, बी. ई. विनिधारण, सामग्र्य और असामान्य वितरण हत्ते परामर्शदात्रीक अन्धान, मूल्य और लागत की अनिश्चितता के अन्दर बहुउत्तादीय सी. वी. पी. विश्लेषण, परिपर्ण सचना का अपेक्षित मूल्य तथा प्रतिदर्श सचना ।

6. मूल्यायन और निर्णय प्रक्रिया : विकल्प लागत, संबंधित एवं अंशदानीय मार्ग, विभाग लागत की असम्बद्धता, अधिक लाभ मूल्यायन प्रतिरूप-वर्ध-मानीय लागत एवं आर.ओ.आई मूल्यायन, नव उत्पाद पर कृशल मूल्यायन, पर्ण लागत मूल्यायन गण-त्यक उत्पादकता लागत परिमाणन की सविधाएं और असविधाएं, लागत मूल्य निर्धारण, निवारकात्मक लागत, अवसर हीनता, अनकलता गच्छ प्रतिवर्द्ध लागत, आंतरिक विफलता लागत, बाह्य विफलता सम्बन्धी नीतियां तथा अवसर हीनता, सांख्यिकीय गणात्मक नियंत्रण ।
7. विक्रय प्रसरणता, लाभ एवं लागत विश्लेषण-उत्पादन अन्तर्भूत तथा उपज प्रसरणता, योजना एवं नियंत्रण प्रसरणता, लागत प्रसरणता अनसंधान प्रतिमान, उपादानता का महत्व, सांख्यिकीय महत्व, आसामान्य संभवता-नाएं-नियंत्रण चार्ट, बहु निरीक्षण हेतु औपचारिक प्रतिमान-लागत एवं लाभ अनसंधान के साथ निर्णय प्रतिमान, प्रसरणता विश्लेषण में असुविभाग ।
8. विकेन्द्रीयकरण तथा मूल्य अन्तरण : उत्पादनायिता केंद्र चयन तथा इसके लाभ और अलाभ सहित विकेन्द्री-करण, मूल्य अन्तरण हेतु सामान्य गतिविधि, विभिन्न विपणन परिस्थितियों में अवसरवादी लागत एवं आउट ले लागत, बहराष्ट्रीय और सार्वभौमिक कर लघकरण, मूल्यांतरण मूल्यांकन की विभिन्न पद्धतियां, अवशोषण लागत सीमान्त लागत, लागत धन लाभ तथा इन तकनीकों के सीमांत सहित मानक लागत, लाभ सचांक का चयन, निवेश की कापसी, आवासिक आय बोध एवं विभागीय दिव्यादाह के नियन्त्रण की मानवीय समस्याएँ ।
9. प्रबंधन लेखाविधि में चाल निर्णयायेकी विधय :

## 9. प्रदंधन लेखाविधि में चालू निर्णयापेक्षी विधय :

सदाचारकीति और इसके प्रबंधकीति निर्णय करने पर प्रभाव, व्यापार के निर्णयों पर सामग्रिक आशाम, भावन संसाधन लेखनीविधि और उनके अनप्रयोग, कार्यक्रम तथा कार्य निपटाद्वारा उत्तीकरण, शन्य आधार बर्जिटिंग, सामाजिक लेखनीविधि तथा सामाजिक रिपोर्टिंग तथा मानव संसाधन योजना तथा आशाजनक कर्सचारियों की लागत ।

चरण-4. प्रश्नपत्र 14 : उन्नत प्रबंधन लेखाविधि-दितीय प्रबंधन, अंक 100

उद्देश्य : लेखाविधि प्रक्रिया तथा उटिल वापरिक मानकों में उनके अन्यप्रयोग ।

- योजना परिवेश : वित्तीय उद्देश, वित्तीय नीतियां, निवेश व लाभांश, वित्तीय पर्वानगाएँ, योजनाएँ और अनिवार्यताएँ, व्याज दर, मद्रासिकती, पंजीयन लाभ

और क्षति, विनियम नियंत्रण विनियम, राज्यकीय क्षणः नीति एवं प्रोत्साहन, उत्पादन संस्थिकी, मूल्य तालिका, श्रम, प्रकाशित संस्थिकीद्वारा पर आधारित पंजी बाजार ।

2. वित्त श्रोत : राष्ट्रीय (ए) संघर्ष तथा दीर्घकालिक, उद्यम पूँजी बीज पूँजी, इकिटी, प्रिफरेन्स, परिवर्तनीय संचयी प्रिफरेन्स, शेयर्स, लाभांश दरिवर्तन शील लाभांश, किश्त क्रय, लीज, लोक जमा संध्याहन तथा सांस्थानिक वित्त पोषण, जीवन बीमा निगम, यूनिट ट्रस्ट आफ इण्डिया, भारतीय औद्योगिक वित्त पोषक निगम, आई.सी.आई.सी.आई. राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम, आई.डी.बी.आई. एस.आई.डी.बी.आई. एस.एफ.सी.आई आर बी आई।

आन्तरिक श्रोत : प्रगतिधारित आय, प्रावधान आदि, वित्त उगाही के मुद्रावै, संगठन का वैधानिक रूप, कम्पनी अधिनियम के प्रावधान, पंजीयते तिर्यमों का नियंत्रण आदि (ही) अल्पकालिक श्रोत, ट्रैड ऑफिडेंट, घटकीकरण, विनियम, वित्त, बैंक ऋण कैश ऑफिडेंट और ड्राफ्ट ।

3. वित्तीय श्रोत (अन्तर्राष्ट्रीय) : विदेश भाजार से निधि उगाही, तथा विदेशी परियोजनाओं में निवेश, विनियम दर-जोखिम भी एजेन्सियों का अन्तर्गत होना तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन प्रक्रिया का अनुसरण-दृष्ट गति-लन का बोध और अवशेष का भगतान।

4. परिचालन विश्लेषण तथा वित्ती लिवररेजेस : वौर लिवररेज को प्रकारि-परिचालन जोखिम तथा वित्तीय जोखिम, परिचालन लिवररेज, विस्तीर्ण लिवररेज तथा संयुक्त लिवररेज-बोध, परिमाणन तथा उनकी व्याख्या एवं परिचालन लिवररेज, तथा सि.वी.पी. विश्लेषण इवीआईटी तथा इपीएस विश्लेषण-इन डिफरेन्स पोएन्ट ।

5. मलपंजी संरचना सिद्धांत तथा योजना : मलपंजी संरचना बोध तथा उसके पैरिमितर विचार संरचना और मलपंजी संरचना-सरल और जटिल, मलपंजी संरचना के सिद्धांत-शदध आय मार्ग, शदध एन्हेलन आय मार्ग परंपरागत तथा मिलर और सेंटिग्रानी मार्ग और उनकी आलोचना, मलपंजी संरचना के बटक-भारत के निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में।

6. पंजीयत लागत : इसकी प्रक्रिया और अर्थ, विज्ञापन तिर्यकों में सम्बद्ध मस्तिष्क लागत, विशिष्ट लागत की संबंधिता, वचन का चयन, सम्प्रेर लागत तथा भूतभन की सम्प्रेर लागत कम्पनी कर और पंजीयत लागत पर इसका प्रभाव ।

7. पंजी बजटीकरण तथा पंजी निवेशण के उपर्युक्त पांडे उपलब्धता पर कात विवरण का प्राप्त : पनः लाली लालीधि, दर्तमात मल्ल तथा मंदेवद्वारील निवेशण संवित आन्तरिक नाप्रभी तरं क्षेत्रिक बजटीकरण पर पौरीसीधारां, पंजीयत लालत निर्भास-जोखिय या दीनिक्कलता, जोखिय तथा पोखियोखियों वे गंभीर औ लाली तथा मल्लायान एकिष्ठ (सीपीएस) उदास्त्रित लीजिय बनाम कर, लाग कर, अधिक्षित लालत उदासीन प्रणाली के लाभ (हास के ऊंचे दर) निवेश लहू ।

8. कार्यकारी पूँजी प्रबंधन : परिषाकरण वृत्त बोध : परिषाकरण वृत्त बोध, कार्यकारी पूँजी को आवश्यकताओं का पूर्वानुमान, क्षेत्र वित्त पोषण नीति, कार्यकारी पूँजी एवं रावधिक अरुण-टड़न अध्ययन हमुद्रह की संस्तुतियां, विभिन्न संघटकों का अग्रिम मोनिटरिंग प्रबंधन, मुद्राराशीलत के अन्तर्गत कार्यकारी पूँजी, नव उत्पादन तथा कार्यकारी पूँजी प्रबंधन ।
9. प्रलेखन एवं दीर्घ एवं अल्पकालिक अरुण उगाही हेतु प्रक्रियाएँ ।
10. उन्नत वित्तीय विश्लेषण एवं योजना : वित्तीय विवरण, वित्तीय आनुपातिक विश्लेषण, निधि प्रवाह तथा रोकड़ प्रवाह विश्लेषण निवरणेत्र, सी.टी.टी. विश्लेषण, वित्तीय पूर्वानुमान मुद्राराशीलत के पक्ष ।
11. लाभांश तथा प्रतिधारण नीति : लाभांश मिद्धांतों के अटकों के विचारणी लाभांश नीति का गठन-वाल्डर्स प्रतिमान, गोर्डन्स प्रतिमान लाभांश के अवशिष्ट मिद्धांत, मिलर तथा मोदिल्यानी हाडपोथिस, भारत की निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में भारत की सामाजिक स्थिति ।
12. सार्वजनिक क्षेत्र में वित्तीय प्रबंधन : प्राप्त लेखा प्रबंधन तथा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों में इन्वल्परीज, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों में निधि मौत : अरुण की लागत, प्रतिधारित आय की लागत तथा अरुण-इक्वट्री अनुपात, क्रम विकास पूँजी व्यय का नियंत्रण रोकड़ प्रवाह का नियंत्रण तथा लागत लाभ विश्लेषण, सार्वजनिक उद्यमों की मूल्यांयण नीति, परियोजना सत्रीकरण एवं कार्यान्वयन, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण ।

चरण 4 प्रश्न-पत्र 15 उन्नत प्रवंधन तंत्रा विधि—काशल प्रवंधन नीति ।

**उद्देश्य :** संगठनों के विषय में पर्याप्त ज्ञान तथा इसका वानवरण : तथा संगठनों के उद्देश्यों के उपलब्धि होने का जन योजना का महत्त्व तथा विषयानि नियंत्रण में लेखाकार की प्रबंधन से भ्रमिका तथा कषल योजना ।

### सिंधिल नींवगत घोजना :

1. आर्थिक तात्त्वावरण के कारणों की ओज़ना : पर्यान्मान प्रवर्तन और पर्यान्मान—राजनीतिक, सामाजिक, वैश्वानिक तथा तकनीकी प्रभाव, विनाश वहिकारों, इतिहासवाचक दल, राज्य-कार्य नीतियां, आर्थिक क्षितिज और राज्यकारी शक्ति, सरकारी तथा और-सरकारी क्षेत्रों न्वास निवेश, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्बन्ध मंद्राप्रमाण क्षेत्र सरकारी नीतियां, नये उद्योग, कह मुद्रादां पर बल द्वितीय जाता नपदान एवं विकल्प, सरकारी नीति और न्द्रामिस्ति ।

नीतियाँ : कम्पनी रिगेजन का उर्ध्व और अन्तर्गत लेस्ट्री योजना, व्यापार नीति नीतिगत योजना प्रिक्सन की प्रश्नातियाँ, लक्ष्य की परिभ्रान्ति लापारित लक्ष्य, (प्रायः अन्तराल—निकाय अन्तराल, खटरा अन्तराल और अन्य नीतियाँ) प्रा. इंद्रद्वा. डी. टी (शक्ति, वास्तविकी, अवधार, धर्मकाण) का नियोगमा. उर्ध्व निर्धारण, नीति निर्धारण और उनका क्रियान्वयन. फियान्वयन प्रणाली, अंतर्भुक्ती प्रतिरिक्षण, प्रियरता वनाम विकास हेतु नीतियाँ. विकास वनाम, विस्तार वनाम विकास—विविध हस्ते, विलयन नीति,

अधिग्रहण तथा विलयन नीति, संयुक्त उद्यम हेतु नीति—दोनों रक्तान्ते पर देश में—(विदेश में) व्यापारिक नीति के सहत विपणन नीति, मुद्रास्फीति के दौरान विकास एवं हिस्मदेशों की आस्तविक मुद्रा की सुरक्षा, विस्तीर्य लक्ष्य, अविस्तीर्य लक्ष्य. संसाधन विशेषण एवं मल्यांकन ।

प्रतिमान गठन : प्रतिमानों के विकास की नीतिया, डैल्फी प्रतिमान, इकानोमेट्रिक, अंकगणितीय कार्यक्रम अजट सम्बन्धी अन्वेषणात्मक प्रतिमान, संवेदनशील विश्लेषण इसके चरित्रगत प्रतिमान और इसकी विधेषणाएँ, प्रतिमान गठन की परिस्थितिएँ जैसे कि अनकरणात्मक पदधर्ति तकनीक।

## 2. विपणन

1. विचार-उत्पादनोन्मुखी बनाम विपणितन्मुखी, विपणी उद्देश्य, विपणन की स्पर्शेभा और उसका प्रबंधन सह।
2. नीतिगत योजना एवं विपणन नीति-दोनों अगली ओर पिछली।
3. शोध तथा प्रतिभा-विपणन नीति निर्भरणार्थ आवश्यक सूचना एकत्र करने के भोत एवं पद्धतियाँ।
4. विपणन में प्रबंधन लेनाविधि का उपयोग : नियंत्रण या अनप्रयोग।

विपणन लागत विश्लेषण और लाभप्रदता मन्याथरन नीतियां और कुशल नीति, विपणन में बजटरी नियंत्रण, मस्त्यांकन स्थान विकास गतिविधि नियंत्रण ।

विक्रय उन्नयन का मूल्यांकन, तथा विज्ञापन, वितरण लागत विचलेषण तथा नियन्त्रण, विषणन शोध मूल्यांकन तथा विषणन योजना ।

अंशदानिक विश्लेषण तथा उत्पाद रेखित लाभप्रदता विश्लेषण, उपज का औचित्य स्थापन एवं उपज का पुनर्मूल्यांकन, उपज की सीमा विस्तारण, उपज निर्मलन एवं नयी उपज प्रबोध—पूर्ण एवं अपूर्ण ब्रेय का प्रभेय ।

अरण 4. प्रश्न-पत्र 16 उन्नत प्रबन्धन लेखात्रिधि—लागत लेखा परीक्षा अंक 100

उदादेश्य : लागत एवं प्रबंधकीय सेवा परीक्षा के नियोजन एवं परीक्षा हेतु बनाये जाने की कला एवं विधियों में पारंगत बनाया जाना ही क्षमका भव्य उदादेश्य है ।

### ज्ञान का स्तर : विशेष ज्ञान ।

## अनुभाग-1 सामग्री सेवा परीक्षा :

1. प्रकृति तथा उद्देश्य और लागत लेखा परिक्षण के कार्यक्रमेतः दक्ष लेखा परीक्षा बोध, स्वामित्व के फर्मै का लेखा परीक्षण, प्रांतभूत लेखा परीक्षा, सामाजिक लेखा परीक्षा ।

2. लागत नेत्रा परीक्षक की नियन्त्रिका —उसके अधिकार, उत्तरदायिता, स्थिति, संवंध और दायित्वात्—कम्पनी अधिनियम, 1950 के अन्तर्गत पेशेवर एवं वैद्यानिक स्थिति के अन्तर्गत 1959 काल्पनिक एवं वर्किं एकाउन्टेंट्स अधिनियम तथा अन्य स्थिति ।

3. लेखा परीक्षा योजना : उद्योग नियंत्रण संबंधित विधियों का संगठन, लेखा परीक्षा में सम्बन्धित अभिलेख एवं रिपोर्ट सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करना ।

4. अभिलेखों तथा रिपोर्टों का सत्यापन : नार्थिकीय प्रतिदर्श प्रणाली की उपायेता—लागत कास्ट एकाउन्टिंग (रेकार्ड्स) नियम के अन्तर्गत कार्य निष्पादन एवं विवरण का सत्यापन ।

5. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली : का मूल्यांकन : बजटीय नियंत्रण क्षमता की उपायेता सूची नियंत्रण, प्रबंधन मूल्यांकन प्रणाली ।

6. लेखा परीक्षा कार्य की पर्याप्तता का निर्धारण ।

7. लेखा परीक्षा संबंधी नोट तथा कार्य सम्बन्धी प्रपञ्च प्रबंधक मंडल को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन ।

8. मूल्य लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, प्रतिवेदनों का विषय, प्रतिवेदन के नोट्स एवं विशिष्टताओं में अन्तर, मूल्य लेखा परीक्षक के प्रेषण एवं निष्कर्ष ।

9. व्यावसायिक नीतिका एवं आचरण संहिता ।

10. सार्विधिक वित्तीय लेखाधिकारी, अन्तरिक लेखाधिकारी तथा सार्विधिक मूल्य लेखा अधिकारी में सम्बन्ध ।

11. कम्पनी नियम 1956 के तहत अधिकारीयम 233 थे के अनुसार मूल्य लेखा परीक्षा (प्रतिवेदन नियम तथा परीक्षा एक वर्ष पूर्व निर्गत मूल्य लेखा परीक्षा (प्रतिवेदन) नियम जो अधिकारीयम 209 (1) द के अन्तर्गत नीति किये गये हों का उद्दीप्तों में उपयोगिता के आधार पर विशद अध्ययन ।

12. सरकार द्वारा लागत लेखा परीक्षा की समीक्षा : उद्देश्य, प्रणालीयां, अनुसरणात्मक कार्रवाई तथा लागत लेखा परीक्षा प्राप्तवेदनों पर सरकार द्वारा, कंपनियों द्वारा एवं अन्यों द्वारा निर्णय लिया जाना ।

13. लागत लेखा परीक्षा एवं वित्तीय परीक्षा एवं वित्तीय लेखा परीक्षा के मध्य त्वन्नात्मक अध्ययन विशेषत : उम संर्दृ में जहां यह लोक मभा तथा गन्य मभा के सदस्यों एवं आम जनता को विशिष्ट सचनाएं दे पाने में समर्थ होती है ।

14. लागत लेखा परीक्षकों हेतु दण्डात्मक प्राप्तधारा ।

अनुभाग-2 लागत लेखा परीक्षा के अन्य मेंशाओं की ओर छहों कदम 50 अंक

ए. प्रबंधन लेखा परीक्षा ।

1. अर्थ, प्रकृति तथा संगठनात्मक आवश्यकता प्रबंधन लेखा परीक्षा हेतु तथा इसके उपर आवश्यित तथा उद्गत अन्य लेखा परीक्षा प्रक्रियायें ।

2. प्रबंधन विधियों एवं कार्यों जैसे गोजना, संगठन, कर्मचारी नियोजन, समन्वय स्थापन, संदेश प्रवाहन विधा निर्देशन एवं नियंत्रण ।

3. प्रबंधन मूल्यांकन एवं नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन विशेषत: व्यापारिक प्रतिविम्ब एवं व्यवहारगत समस्याओं का धारान रखते हुए ।

4. नियम सेवा लेखा परीक्षा (ग्राहक सेवा) उपन्य (शार एण्ड डी) और आयात स्थानापन्नता तथा आयात स्थानापन्नता, फ्रेटा चैनल नियंत्रण आदि ।

3-209/90/90

5. नियम विकास तथा प्रबंधन लेखाधिकारी परीक्षा जिससे परिचालन एवं स्वामित्व के पक्ष भी शामिल है ।

6. सामाजिक लागत तथा व्यापारिक उद्यमों में लाभ विशेषत: विकासशील दशों के संदर्भ में ।

7. लेखा परीक्षा प्रबंधन का सामाजिक दायित्व ।

8. अन्य सेवाएं :

ए. प्रबंधन की अन्य सेवाएं, विभिन्न कार्यों के प्रमाण-पत्र अभिलेखों की जांच एवं सावधानियों का वरता जाता—प्रमाण-पत्रों का प्राप्तप एवं उसकी विषय बस्तु ।

बी. लेखा परीक्षा का प्रबंधन, सरकार, हिस्सेवारों एवं अन्य बाह्य अभिकरणों तथा जनरिहत में ग्वेड्डा संस्थाओं की लेखा परीक्षा होने सहायक होना ।

सी. उत्पादकता लेखा परीक्षा—श्रम, उत्पादन एवं पूँजी ।

डी. उजार्स्थितिकरण तथा पर्यावरण सुरक्षा ।

ई. दक्षता लेखा परीक्षा : किसी उद्यम के उपप्रणाली की लेखा परीक्षा ।

एफ. सामुद्रिक, अपन एवं इंदूर्टरी पारिस्थितिकी के अन्तर्गत होने वाली भावात्मक क्षमता का मूल्यांकन ।

जी. बीकों एवं अन्य अभिकरणों की अभिलेख सूची ।

12. वर्तमान अधिकारीयम 3.5 के स्थान पर निम्नलिखित तथा अधिकारीयम नियमित किया जाएगा यथा,

35. (1) वार्षिक परीक्षा के विषयों की छूट—

जो छात्र 1 जूलाई, 1991 से या उमको पहलात पूँजी-कृत होने हैं उमके मूल्यांकन में काउन्सिल को यह निर्णय लेखे का अधिकार होता एवं वह समय-समय पर निर्णय लेगी कि किन-किन विषयों में उन छात्रों को छूट दी जा सकती है जो किसी भागीदार दिव्यविशालय या किसी व्यावसायिक संस्था/मंग़ज़ीं को उन परीक्षणों को उत्तीर्ण कर छोड़े हैं जिन्हें काउन्सिल की इस सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त है ।

(2) काउन्सिल को यह निर्णय नेने का भी अधिकार होगा एवं वह इंटर रीडिंग्स परीक्षा जे विभिन्न विषयों/पदों के उन छात्रों को छूट होने का भीर्णर लेगी जो अधिकारीयम 2.5 (अ) के अन्तर्गत नीति पंजीकृत हो एवं इन जिन्होंने अपने पराने पंजीकरण के अन्तर्गत विभिन्न विषयों/पदों में उत्तीर्ण हो चुके हैं ।

(3) जैसा कि नीचे दर्शाया गया तैयारी लोट्स भी इनभागी जो परातन पाठ्यक्रम पर आधारित अन्तिम परीक्षा के निम्नलिखित प्रश्नाओं को या तो उत्तीर्ण कर चका हो या उनसे छूट पा चका हो तो उनीन परवरीक्षित पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत भी जाने वाली अंतिम परीक्षा में भी उन्हीं प्रश्नपत्रों की छूट दे दी जावेगी ।

ग्रामीण पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा के प्रश्नपत्र

समूह	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्रों का नाम	पद	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्रों का नाम
		संख्या		संख्या	
1	1	वित्तीय प्रबन्धन एवं कंपनी नियोजन तथा नीति	4	14	अग्रिम प्रबन्धन लेखे—वित्तीय प्रबन्धन लेखे
1	3	अग्रिम लेखा शास्त्र	3	9	अग्रिम वित्तीय लेखा शास्त्र
2	2	मूल्य लेखा परीक्षा एवं प्रबन्धन लेखा परीक्षा	4	16	अग्रिम प्रबन्धन लेखा परीक्षा एवं मूल्य
2	4	अग्रिम मूल्य एवं प्रबन्धन लेखा-परीक्षा—विधियाँ, पद्धतियाँ एवं अनुयोग	4	13	अग्रिम प्रबन्धनीय लेखा परीक्षा पद्धतियाँ एवं अनुयोग

किसी भी प्रतिभागी को, जिसने पूराने पाठ्यक्रम के अंतर्गत होने वाली अंतिम परीक्षा के किसी प्रश्न-पत्र में छूट प्राप्त की है या किसी भी प्रश्न-पत्र में सुविधा अंकों की सुविधा प्राप्त की है के उसे पुनरीक्षित पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा में समतुल्य प्रश्न-पत्रों में यह छूट प्राप्त होगी। किन्तु पूराने पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली किसी भी परीक्षा परिणामस्वरूप प्राप्त सुविधा अंकों का लाभ पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अंतर्गत वी जाने वाली अंतिम परीक्षा के किसी भी प्रश्न-पत्रों में नहीं दिया जाएगा।

13. वर्तमान अधिनियम 41 को निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियमित किया जाएगा। यथा

41. परीक्षा परिणाम : (1) किसी भी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों की तालिका सम्बन्धित को पत्रिका में काउन्सिल के निर्दर्शानुसार ही छापी जाएगी। विशिष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का नाम तालिका में विशेष रूप से उल्लिखित किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को व्यक्तिगत रूप से उसके परीक्षा परिणामों के संबंध में एवं उसके द्वारा दी गयी परीक्षा के विविध प्रश्न-पत्रों के प्राप्त अंकों के संबंध में सूचित किया जाएगा।

बास्तव यदि किसी भी भव्य परीक्षा मिमिति को यदि एसेम भासूस होता है कि किसी भी परीक्षा के परिणाम गलतियों, गलत तरीकों, शोषणाधीनी या कुचलण आदि से प्रभावित हुए हैं तो परीक्षा समिति को यह पूर्ण अधिकार होता है कि परीक्षा परिणाम में आवश्यक संधार की एवं उसके तदनुरूप परीक्षा परिणाम घोषित करें।

(2) (अ) यदि कोई अंतिम प्रतिभागी किसी भी परीक्षा के उन सभी एव्वें (वर्गों) को उत्तीर्ण कर लेता है, जिसमें उसे किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिली तो तो उसे उस परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा। किसी भी प्रतिभागी को साधारण तथा परीक्षा के किसी भी पद (वर्ग) से उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा जब वह एक ही प्रयास के प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूर्णांक जिसमें उसे किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिली है, में कालम 11 के अनुसार कम से कम अंक प्राप्त कर ले एवं उस पर (वर्ग) के सभी प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में कम से कम औसत 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ने।

अधिनियम 31 के अंतर्गत ली जाने वाली एवं पत्र (वर्ग) 11 या अधिनियम 34 के अंतर्गत ली जाने वाली अंतिम परीक्षा के पत्र (वर्ग) 3 या पद (वर्ग) 4

पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अंतर्गत ली जाने वाली अग्रिम परीक्षा के तदनुरूप समकक्ष प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्रों का नाम

अग्रिम प्रबन्धन लेखे—वित्तीय प्रबन्धन लेखे
अग्रिम वित्तीय लेखा शास्त्र
अग्रिम प्रबन्धन लेखा परीक्षा एवं मूल्य
अग्रिम प्रबन्धनीय लेखा परीक्षा पद्धतियाँ एवं अनुयोग

(ब) यदि कोई प्रतिभागी किसी भी परीक्षा के किसी एक पद (वर्ग) में उत्तीर्ण घोषित नहीं किया जाता है किन्तु

- (1) किसी एक प्रश्नपत्र या प्रश्न-पत्रों में पूर्णांक का 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त कर लेता है, तो उसे तदोपरान्त होने वाली परीक्षाओं में उन प्रश्न-पत्रों से छूट दे दी जाएगी जिसमें उसे 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक मिले हों; या
- (2) किसी एक या अधिक प्रश्न-पत्रों में प्रतिभागी को 60 प्रतिशत अंक या उससे अधिक मिले हों एवं उसी पद (वर्ग) के प्रश्न-पत्रों में प्रत्येक में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं तो उसे उन प्रश्न-पत्रों के अंकों को अगर उसे जाने का लाभ दिया जाएगा जिसमें उसने 60 प्रतिशत से ज्यादा प्राप्त किया हा एवं यह अंक तदोपरान्त सम्मिलित परीक्षा परिणामों में शामिल किए जाएंगे। किन्तु यदि कोई अभ्यर्थी छूट की सुविधा या पिछली परीक्षा में प्राप्त 60 प्रतिशत से अधिक प्राप्त अंकों को अगली परीक्षाओं में ले जाने की सुविधा नहीं चाहता है तो उसे भविष्य में एसी सुविधा नहीं दी जाएगी।
- (3) कोई भी अभ्यर्थी यदि एक ही प्रयास में परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों में 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसे परीक्षा में विशिष्ट योग्यता के माथ उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

- (4) किसी परीक्षा के प्रश्न-पत्रों के उत्तरों के मूल्यांकन के संबंध में यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा परिणाम घोषित होने के एक भाव बाद जानकारी होते आवेदन-पत्र देता है तो उसे मूल्यांकन संबंधी सूचना दे दी जाएगी। यह आवेदन-पत्र 10/- प्रति प्रश्न-पत्र या अधिकतम 30/- धनराशि के साथ आवेदन शाल्क के रूप में दिया जाता चाहिए। इस प्रक्रिया में भिन्न वह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक प्रश्न-पत्र में सभी उसर मूल्यांकित किए गए हैं या नहीं। किसी भी अवस्था में पूर्ण मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। न ही किसी भी प्रश्न-पत्र या पद (वर्ग) में प्राप्त अंकों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी जाएगी। यदि जो एक के परिणामस्वरूप

यह पाया गया कि किसी प्रश्न की जांच नहीं की गयी है या अंकों के जोड़ में त्रुटी है तो जांच शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

(5) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा परिणाम घोषित होने के 6 माह उपरान्त अंक-पत्र की दूसरी प्रति हेतु आवेदन करता है तो उसे 10/- आवेदन शुल्क जमा करने पर अंक-पत्र की दूसरी प्रति दो दी जाएगी बास्तें ऐसा आवेदन परीक्षा परिणाम घोषित होने के पांच वर्षों के भीतर ही किया जाए।

(14) वर्तमान अधिनियम 45 के निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियोजित किया जाएगा।

45. सबस्थों के लिए प्रीशिक्षण: कार्डिनल संस्थान के सदस्यों के लाभार्थी यदि आवश्यक एवं उपयोगी समझेंगी तो कृतिपय विध्यों में प्रायोगिक/या सैद्धांतिक प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु व्याख्यानों, विचार-गोष्ठियों, श्रीम प्रशिक्षियों, संस्थानों की यात्राओं एवं अन्य कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करेंगी।

(15) वर्तमान अधिनियम 45 के निम्नलिखित नवीन अधिनियम के द्वारा विनियोजित किया जायेगा।

46. प्रबन्ध लेखा शास्त्र/वित्तीय प्रबन्धन एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में शोधकर्म संस्थान के एम्बेस सदस्य, जो कम से कम वर्ष तक सबस्थ रह करके हैं एवं जो प्रबन्धन लेखा शास्त्र/वित्तीय प्रबन्धन एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में शोधकार्य की रूचि रखते हैं, उन्हें एक मान्यता प्राप्त शोध निदेश के तत्वाधान में अपने को नामांकित कराना होगा। एवं तीन वर्षों के शोध कार्य के उपरान्त अपने शोध प्रबन्ध को जमा कराना पड़ेगा।

(16) वर्तमान अधिनियम 47, के निम्नलिखित नये अधिनियम के विनियोजित किया जायेगा।

47. शोधकर्ता हेतु निवैश्वक : इस कार्य हेतु काउन्सिल मान्यता प्राप्त शोध निवैश्वकों की एक न्यायिका रखेगी। समय-समय पर आवश्यकतानुसार शोधार्थियों को प्रशिक्षण एवं शिक्षण संचया समिति द्वारा शोधकार्य हेतु निवैश्वक दिया जाता रहेगा।

(17) वर्तमान अधिनियम 48, के निम्नलिखित नये अधिनियम के विनियोजित किया जायेगा।

48. शोधकर्ता का नामांकन : संस्थान के किसी भी सदस्य को जो हस अधिनियम के शोधकार्य अन्तर्गत विविध आवेदन पत्र में आवेदन करना पड़ेगा। उसे नामांकन हेतु विषय का उल्लेख करना उसका उल्लेख करना होगा। शोध निवैश्वक को निम्नलिखित पूर्ण स्वीकृति इस कार्य हेतु परमावश्यक है।

(18) वर्तमान अधिनियम 49 के निम्नलिखित अधिनियम के विनियोजित किया जायेगा।

49. शोध प्रबन्ध कव्र प्रस्तुत किया जाना : तीन वर्षों के शोध अध्ययन के उपरान्त शोधकर्ता कों संस्थान के समक्ष तीन प्रतियों में अपने शोध प्रबन्ध को प्रस्तुत करना होगा। इस समय शोधकर्ता के शोध निवैश्वक का एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है जिसके द्वारा यह प्रशारित किया जाये कि शोधकर्ता ने शोध निवैश्वक के अन्तर्गत भवतीष्वद सभीके में शोध कार्य किया

है। शोधकर्ता को शोध मूल्यांकन शुल्क के रूप में 200/- रु. जमा भी कराने पड़ेगे।

(19) वर्तमान अधिनियम 50, को निम्नलिखित अधिनियम से विनियोजित किया जायेगा।

#### 50. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं परिणाम की घोषणा:—

परीक्षा समिति तीन स्वतंत्र परीक्षकों गे मूल्यांकन कार्य निष्पादित करवायेगी जिसमें एक शोधकर्ता के शोध प्रबन्धक भी होंगे एवं मूल्यांकन हेतु एक मौखिक परीक्षा आयोजन भी होंगा। पूर्ण अंक 2000 होंगे। जो अभ्यर्थी पूर्णका का 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते उन्हें सफल घोषित किया जायेगा। एवं उन्हें अपने नाम के आगे आर है एस एम. ए शब्दों को लिखने को अनुमति होंगी। मौखिक परीक्षा का परिणाम संस्थान को पत्रिका में प्रकाशित किया जायेगा।

(20) वर्तमान अधिनियम 51 को निम्नलिखित अधिनियम के विनियोजित किया जायेगा।

#### 51. उत्तीर्ण प्रमाणपत्र एवं पदनाम अक्षर :

उत्तीर्ण अभ्यर्थी को प्रारूप पत्र "ज" में एक प्रमाण पत्र दिया जायेगा। एमें अभ्यर्थी पदनाम अक्षर आर है एस एम. ए का उपयोग अपने नाम के साथ कर सकेंगे।

(ब) अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी द्वारा शोध प्रबन्ध का पूनः प्रस्तुत किया जाना :

अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी द्वारा अपने शोध निवैश्वक के सभावों के अनुसार अपने शोध प्रबन्ध के आवश्यक सुधार करने के उपरान्त अपने शोध प्रबन्ध के पुनर्मूल्यांकन हेतु दूसरी बार प्रस्तुत किया जा चुका है। पुनरीक्षित शोध-प्रबन्ध को अधिनियम 50 के अन्तर्गत पुनर्मूल्यांकन किया जायेगा। अभ्यर्थी को पूनः स्वतंत्र रूप से अलग तीन वर्षों तक शोध कार्य करने की आवश्यकता नहीं रहती, किन्तु उसे परीक्षा शुल्क 200/- रु. पूनः जमा करने पड़ेगा। अब र पुनर्मूल्यांकन के दौरान शोध प्रबन्ध पूनः अस्वीकृत कर दिया जाता है तो अभ्यर्थी को शोध कार्यक्रम में नवीन रूप से अपने को पंजीकृत करना पड़ेगा एवं तीन वर्षों तक पूनः शोध करना पड़ेगा।

एम. एम. चट्टी  
सचिव

प्रशिक्षण एवं शिक्षण (डॉ. एफ. मिमिति)

#### उपरोक्त संशोधनों संबंधित व्याख्यात्मक टिप्पणी

अधिसूचना संख्या सी० डब्ल्य० आर० (1)/90 दिनांक 23 मई 1990 में प्रस्तावित मंशोधनों हेतु निम्नलिखित व्याख्या दी जा रही है। इस व्याख्या का उद्देश्य प्रस्तावित संशोधनों में परिषद् की विचारधारा को स्पष्ट करना है और इसे किसी भी प्रकार से इन संशोधनों के प्रभावों को किसी भी समय विस्तार करने से सीमित करना नहीं समझना चाहिए।

संस्थान की परिषद् का ध्यान संस्थान द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों में सुधार की ओर हमेशा रहा है। ऐसे पुनर्विचार के मूल्य कारण ये रहे हैं:—

- (1) इंटरमीडिएट एवं अंतिम परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों के विभिन्न वर्गों के बीच का अस्त्वलम
- (2) बदलती हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम का पुनर्विन्यास ताकि प्रत्येक विषय के उद्देश्य एवं इष्टानुकूल ज्ञानात्मक स्तर का सम्बोधन किया जा सके।
- (3) व्यवसाय में नवागन्तुक के ज्ञानात्मक सुधार एवं कौशलों में सुधार किया जा सके।
- (4) समस्याओं के हल किए जाने में ज्यादा परिभाषात्मक विश्वास निर्देश किया जाना ताकि उनका ज्यादा उपयोग किया जा सके एवं सांख्यिकी पद्धति का ज्यादा उपयोग किए जाने पर जोर।
- (5) तथा (6) विषयवस्तु को ज्यादा प्रबन्धन दिशा की ओर मोड़ा जा सके।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संस्थान की परिषद् नए पाठ्यक्रम को लागू करना चाहती है। इसके साथ ही साथ वह इतना सकौला भी पाठ्यक्रम में रखना चाहती है ताकि वर्तमान धारणों को जो नवीन पाठ्यक्रम को लेना चाहें उनके वर्तमान पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न वर्गों या विषयों में परीक्षा में प्राप्त सफलता के अनुसार उन वर्गों या विषयों में छूट मिल सके।

वर्तमान प्रावधानों को अद्यतन बनाने का प्रयास एवं अमावश्यक एवं बेकार प्रावधानों को हटाने का भी पूर्ण ध्यान रखा गया है।

पद 3 व 4—शुल्क पाठ्यक्रम एवं फाउन्डेशन पाठ्यक्रम में उत्तीर्णता मानक तथा अन्य सम्बन्धित निर्णय

पद 5 व 6—वर्तमान अधिनियमों की आवश्यक परिवर्तनों के साथ पुनर्विन्यास

पद 7—पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार परिषद् ने यह निर्णय लिया है कि किसी भी अध्यर्थी को इंटरमीडिएट परीक्षा के द्वितीय चरण में तभी बैठने दिया जाएगा जब वह प्रथम चरण की परीक्षा उत्तीर्ण कर ले किस्त कोहू भी अध्यर्थी चरण एक द्वितीय में एक ही बार में परीक्षा दे सकता है।

पद 8—पुराने पाठ्यक्रम से पुनरीक्षित पाठ्यक्रम में जाने हेतु परिषद् ने निम्नलिखित निर्णय किया है।

- (1) पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम इंटरमीडिएट परीक्षा दिसम्बर 1991 में ली जाएगी। वर्तमान पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अंतिम इंटरमीडिएट एवं परीक्षा, 1993 में सम्पादित की जायेगी। अर्थात् दिसम्बर, 1991 से दिसम्बर, 1993 तक चार बार परीक्षाएं साथ-साथ दोनों ही पुरानी एवं पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के अनुसार ली जाएंगी।
- (2) जुलाई, 1991 के पश्चात् नामांकित छात्रों को नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार इंटरमीडिएट परीक्षा में बैठना होगा। 1991 के पूर्व नामांकित छात्रों को भी यदि वे चाहें तो इंटरमीडिएट परीक्षा हेतु पुनरीक्षित पाठ्यक्रमों की अनुमति दी जायेगी। दिसम्बर, 1993 के उपरान्त सभी अध्यर्थी पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही परीक्षा में बैठेंगे।

पद 9—परिषद् ने अपने समान ही अन्य व्यावसायिक संस्थानों के पाठ्यक्रमों के आधार पर किसी प्रकार की छूट का निर्णय नहीं लिया है। जब भी परिषद् इस संबंध में निर्णय लेगा इसे अलग से सूचित कर दिया जाएगा।

पद 10—परिषद् ने यह निर्णय लिया है कि किसी भी अध्यर्थी को अंतिम परीक्षा के चतुर्थ चरण में तब तक अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक वह तृतीय चरण की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो जाता है। किन्तु अध्यर्थी तृतीय एवं चतुर्थ चरण की परीक्षा एक ही बार में दे सकता है।

पद 11—परिषद् को अंतिम परीक्षा के वर्तमान पाठ्यक्रम के स्थान पर पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को लागू किए जाने हेतु निम्नलिखित निर्णय लिया है।

- (अ) पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर पहली अंतिम परीक्षा दिसम्बर, 1991 में ली जाएगी वर्तमान पाठ्यक्रम के आधार पर अंतिम परीक्षा जून, 1993 में ली जाएगी।
- (ब) जो विद्यार्थी वर्तमान या पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर इंटरमीडिएट परीक्षा जून, 1991 में उत्तीर्ण दोनों उन्हें अंतिम परीक्षा पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही देनी पड़ेगी। जून, 1991 के पूर्व इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र यदि चाहें तो यह विषयस्पष्ट दे सकते हैं कि वे पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर अंतिम परीक्षा देंगे ऐसा विषयस्पष्ट किए जाने पर उन्हें पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के आधार पर ही अंतिम परीक्षा देनी होगी।

पद 12—परिषद् ने उत्तीर्ण मानक में सुधार का निर्णय लिया है। वर्तमान पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र में 35 प्रतिशत उत्तीर्ण माना जाएगा जब कि पुनरीक्षित पाठ्यक्रम में इसे 40 प्रतिशत का कर दिया गया है।

पद 13—परिषद् ने वर्तमान स्थिति में से XX प्रबन्धन के लेखा शास्त्र परीक्षा (जो आंशिक रूप से लिखित एवं मौखिक रूप से शोध प्रबन्ध पर आधारित है) के स्थान पर सिर्फ़ शोध प्रबन्ध एवं तत्संबंधी मौखिक परीक्षा के आधार पर ही पश्च सदस्यता योग्यता दिए जाने का निर्णय लिया है। यह भी प्रस्तावित किया गया है कि इस पश्च सदस्यता योग्यता का वर्णन हेतु पदनाम अक्षर “आर इं एस” का उपयोग वर्तमान पदनाम अक्षर डिप एम ए का उपयोग किया जाएगा।

एस० एम० चटर्जी,  
सचिव

प्रशिक्षण एवं शिक्षण (इ० एफ०) समिति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1990

सं० य०-16/53/89-चि०-2 (म० प्र०)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिवेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिवेशक के आवेदन सं० 1024 (जी) दिनांक 23 मई, 1983 व्याग्र ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर, मैं इसके द्वारा रायगढ़ (म० प्र०) के डा० आर० सी० वर्मा को कार्यभार ग्रहण करने से एक वर्ष तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्वशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 400/- रुपए भासिक (वो सन्न प्रति सप्ताह) पारिश्रमिक पर द्वीपाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा भूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने लिए प्राधिकृत करता हूँ।

डा० कृष्ण मोहन सक्सेना,  
चिकित्सा आयूक्त

ओवीय कार्यालय (कर्माटिक)

सं० 53 वी० 34. 13. 9. 90 हितलाल-2—एतद्वारा अधिसूचित लिखा जाना है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त

मैसूर अधिकारी की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अन्तर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है।

स्थानीय समिति—मैसूर अधिकारी

1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार सहायक श्रम आयूक्त, अध्यक्ष मैसूर।

2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार श्रम अधिकारी (सुलह) कनिष्ठालिएशन मैसूर।

3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार प्रगामनिक चिकित्सा अधिकारी/अधीक्षक, क० रा० बी० औषधालय, मैसूर।

4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार

क. श्री एन० सी० एम० शास्त्री, सदस्य वैयक्तिक प्रबंधक, बी० ३० एम० एल०, मैसूर।

ख. श्री पी० ज्योतिनिगन गोडा, सदस्य प्रबंधक (औद्योगिक संबंध), मेसर्स विक्रांत टायर लिमिटेड, क० आर० एस० रोड, मेटगल्लि, मैसूर।

ग. श्री एच० एम० स्वामी गोडा, सदस्य कनिष्ठ अधिकारी (पी० एड ए०), मेसर्स भोर्का एल्यूमिनियम लिमिटेड, सं० 1, क० आर० एम० रोड, मेटगल्लि, मैसूर।

5. विनियम 10-अ (1) (ङ) के अनुसार

क. श्री आर० मोहन कुमार, सदस्य, सी० आई० टी० य०, लक्ष्मी विल्डिंग, टाउन हाल ले सामने, मैसूर।

ख. श्री एस० बी० रमेश राव, सहायक, मेसर्स मण्ड्या नेशनल एपर मिल्स स्टाफ यूनियन, बेलगोला ।	सदस्य	ग. श्री के० बी० एनोटोनी, प्रबंधक, वर्कर्स अफेयर्स, बी० ई० एम० एल० के० जी० एफ०	सदस्य
ग. श्री चन्द्रया, महासचिव, भारतीय मजदूर संघ, कल्याण भवन, त्यागराज रोड, मैसूर ।	सदस्य	5. विनियम 10-अ (1) (अ) के अनुसार क. श्री सी० वेणुगोपालन, अध्यक्ष, बी० 343-05832, टाइप-II सं० 455, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार प्रबंधक स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, मैसूर (बी० बी० मोहल्ला) ।	सदस्य/सचिव	ख. श्री एस० जामोधरन, उप-अध्यक्ष-II, बी० 433, 10333, सं० 397, टाइप-II, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
सं० 53. बी० 34. 13-9-90 हितलाभ-2:— एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त के० जी० एफ० क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है ।		ग. श्री डी० नागरजन, महासचिव बी० 432-06187, बी० ई० एम० एल० नगर पोस्ट, के० जी० एफ०	सदस्य
स्थानीय समिति — के० जी० एफ० क्षेत्र		6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार प्रबंधक, स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, के० जी० एफ०	सदस्य/सचिव
1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार उप श्रम आयुक्त, क्षेत्र -2, बेंगलूरु ।	अध्यक्ष	सं० 53. बी० 34. 13-9-90 हितलाभ -2:— एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों से युक्त नंजनगूड क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क० रा० बी० (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-अ के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख 31-7-90 से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है ।	
2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार श्रम अधिकारी, कोलार ।	सदस्य	स्थानीय समिति — नंजनगूड क्षेत्र	
3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार बीमा चिकित्सा अधिकारी, क० रा० बी० औषधालय, बी० ई० एम० एल० नगर, के० जी० एफ०	सदस्य	1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार सहायक श्रम आयुक्त, मैसूर ।	अध्यक्ष
4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार क. श्री गोपाल राव, सहायक महाप्रबंधक, (पी० ए० ए० ए० आई० आर०), बी० ई० एम० एल०, के० जी० एफ०	सदस्य	2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार श्रम अधिकारी, मैसूर ।	सदस्य
ख. श्री जे० ए० के० तरीन, वरिष्ठ प्रबंधक (पी० ए० ए० आई० आर०) बी० ई० एम० एल० नगर, के० जी० एफ०	सदस्य	3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार बीमा चिकित्सा अधिकारी, नंजनगूड ।	सदस्य

4. विनियम 10-अ (1) (अ) के अनुसार		
क. श्री मुहमद सलीमद्दीन अहमद,	सदस्य	
वैयक्तिक प्रबंधक,		सदस्य
मेसर्स करीम कासकोमि लिमिटेड,		
नंजनगूड ।		
ख. श्री बी० बी० बालसुखमण्डम,	सदस्य	
निदेशक/सचिव,		सदस्य
मेसर्स सदृश्याशाला लिमिटेड,		
नंजनगूड ।		
ग. श्री एच० एन० वसंतकुमार,	सदस्य	
वैयक्तिक प्रबंधक,		सदस्य
मेसर्स दि साऊथ इण्डिया पेपर		
मिल्स लिमिटेड,		
नंजनगूड ।		
5. विनियम 10-अ (1) (ड) के अनुसार		
क. श्री महमद अकबर,	सदस्य	
सचिव,		सदस्य
दि सौत इण्डिया पेपर मिल्स		
एम्प्लाईस यूनियन,		
नंजनगूड ।		
ख. श्री महमद हवीबे,	सदस्य	
सचिव,		सदस्य
सदृश्याशाला प्राइवेट लिमिटेड		
वर्कर्स यूनियन,		
नंजनगूड ।		
ग. श्री एच० गोनसलवर्म,	सदस्य	
ट्रेड यूनियनिस्ट,		सदस्य
सं० ९३, ८वाँ क्रास,		
शिवाजी रोड,		
एन० आर० मोहल्ला,		
मैसूर-७ ।		
6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार	सदस्य/सचिव	
प्रबंधक,		
स्थानीय कार्यालय,		
क० रा० बी० निगम,		
नंजनगूड ।		
स० ५३. बी० ३४. १३-९-९० हितलाभ-२ :—		
एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों		
से युक्त मंगलूर क्षेत्र की स्थानीय समिति का पुनर्गठन क०		
रा० बी० (सामान्य) विनियम, १९५० के विनियम 10-अ के		
अंतर्गत अधिसूचना की तारीख ३१-७-९० से तीन वर्षों की		
अवधि के लिए किया जाता है।		
स्थानीय समिति — मंगलूर क्षेत्र		
1. विनियम 10-अ (1) (क) के अनुसार		
सहायक श्रम आयुक्त,	अध्यक्ष	
मंगलूर ।		
2. विनियम 10-अ (1) (ख) के अनुसार		
श्रम अधिकारी,		सदस्य
दक्षिण कन्नड,		
द० क० उप-विभाग-१,		
मंगलूर ।		
3. विनियम 10-अ (1) (ग) के अनुसार		
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी /		सदस्य
अधीक्षक,		
क० रा० बी० औषधालय,		
मंगलूर ।		
4. विनियम 10-अ (1) (घ) के अनुसार		
क. श्री क० शशिघर राव,		सदस्य
वकील एवं श्रम कानून सलाहकार,		
क० एस० राव रोड,		
मंगलूर ।		
ख. श्री लूईस मामकारीस,		सदस्य
श्रम कल्याण अधिकारी,		
क० एस० आर० टी० सी०,		
मंगलूर प्रभाग ।		
ग. श्री एन. सोमन,		सदस्य
महाप्रबंधक (लेखा)		
लामिना सस्पेन्शन प्राइवेट		
(प्रा०) लिमिटेड,		
बैकम्पाडी,		
मंगलूर ।		
5. विनियम 10-अ (1) (ड) के अनुसार		
क. श्री क० शेम्मुद्दीटी,		सदस्य
उप-अध्यक्ष,		
बी० एम० एस०,		
मंगलूर ।		
ख. श्री क० मुसम्मा,		सदस्य
अध्यक्ष, डल्टक,		
मंगलूर ।		
ग. श्री रवीन्द्र नायक,		सदस्य
ई० सी० मेम्बर, इन्टक,		
मंगलूर ।		
6. विनियम 10-अ (1) (च) के अनुसार		
प्रबंधक,		सदस्य/सचिव
स्थानीय कार्यालय,		
क० रा० बी० निगम,		
मंगलूर ।		
दिनांक 31-7-90		आदेशानुसार
		जी० अप्पम्मा राव,
		क्षेत्रीय निदेशक

## संचार मंत्रालय

## डाक विभाग

नई दिल्ली—110001, दिनांक 3 अगस्त, 1990

सं० 25-9/90—एल० आई०—विभाग की अधिकारियों से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को जेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०सं० पालिसी सं०	दिनांक	बीमाकर्ताओं राशि (र०)
का नाम		
1. एन डब्ल्यू/ 7745-सी० ए०	4-9-86	श्री सुदामा 10,000/- रामपाल
		58

सं० 25-20/90—एल० आई०—विभाग की अधिकारियों से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को जेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०सं० पालिसी सं०	दिनांक	बीमाकर्ताओं	राशि
का नाम (र०)			
1. 494465-सी	7-1-84	श्रीमती डी० सी० महाजन	20,00
2. 4006676-पी	1-3-80	श्रीमती बी० एस० बाबर	10,000
3. 399220-पी	29-1-80	श्री के० बी० शालुके	10,000

पी० गोपीनाथ,  
निदेशक (पी० एल० आई०)

## रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई, 1990

सं० पाग०आर०ओ०ज० सी०बी०/3/26, 575/सी०—भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय सं० एस०आर० ओ० नं० 310, दिनांक 13 अगस्त, 1955 की विज्ञप्ति में प्रकाशित उपनियमों के

स्थान पर, कैन्ट बोर्ड जालन्धर द्वारा ठेकेदारों के कामों के वर्गीकरण तथा पंजीकरण को व्यवस्थित करने के लिए बनाए गए उपनियमों के प्रारूप जो कि कैन्ट बोर्ड विज्ञप्ति नं० ज०० सी० बी०/3/26/2938/सी०, दिनांक 8 नवम्बर 1989 में 7 दिसम्बर 1989 तक आपत्तियां तथा मुकाबले आमंत्रित करने हेतु केन्टोनमेन्ट अधिनियम 1924 की धारा 284 के अधीन यथा अपेक्षित प्रकाशित किए गए थे। और जबकि उक्त विज्ञप्ति को 8 नवम्बर 1989 को केन्टोनमेन्ट बोर्ड के सूचनापट पर लगाया गया। और जैसाकि, जनता की ओर से, निश्चित तिथि पर्यन्त कोई भी आपत्ति या मुकाबले कैन्ट बोर्ड को प्राप्त नहीं हुए। और जैसाकि केन्द्र सरकार ने उक्त अधिनियम की उक्त धारा 284 की उपभारा (1) के अधीन, उक्त प्रारूप को योग्य स्वीकृति तथा पुष्टि प्रदान की है।

इसलिए अब, उक्त अधिनियम की धारा 284 की उपभारा (1) द्वारा प्रकृत अधिकारों का प्रयोग करते हुए, कैन्ट बोर्ड निम्नलिखित उपनियमों अर्थात् संक्षिप्त नाम तथा आरम्भ का निर्माण करता है :—

- (1) इन उपनियमों को “जालन्धर केन्टोनमेन्ट बोर्ड (ठेकेदारों का पंजीकरण तथा वर्गीकरण) उपनियम 1990” कहा जाए।
- (2) ये उपनियम सरकारी गणराज में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी भावे जाएगे।
3. ठेकेदारों का पंजीकरण :—किसी भी व्यक्ति को केन्टोनमेन्ट बोर्ड जालन्धर में मंजूरशुदा ठेकेदार के रूप में सब तक पंजीकृत नहीं किया जाएगा, जब तक कि :—
  - (1) अधिकारी अधिकारी, कैन्ट बोर्ड की स्वीकृति से, इन उपनियमों के अंतर्गत उसे आज्ञापत्र प्रदान न करे,
  - (2) ऐसा व्यक्ति उपनियम 6 में उल्लिखित, पंजीकरण शुल्क अदा न करे,
3. निविदा के लिए योग्यता :—कोई भी व्यक्ति कैन्ट बोर्ड के कार्य के संबंध में निविदा देने के योग्य नहीं होगा जब तक कि वह इन उपनियमों के अधीन पंजीकृत ठेकेदार न हो और जब तक उसका नाम बोर्ड की मंजूरशुदा ठेकेदारों की सूची में दर्ज न हो।
4. ठेकेदारों की श्रेणियाः—इन उपनियमों के अधीन निम्नलिखित चार श्रेणियों के ठेकेदारों का पंजीकरण होगा।
  - श्रेणी “ए”—भवन निर्माण, सड़कें, नालियों तथा रख-रखाव इत्यादि के ठेकेदार।
  - श्रेणी “बी”—पश्चिम के भण्डारों के जैसा कि विश्विध वस्तुत, विद्युत की सामग्री, जल आपूर्ति संबंधी सामग्री, भवन निर्माण सामग्री, अभियांत्रिक सामान के ठेकेदार।
  - श्रेणी “सी”—मुद्रण, स्टेशनरी तथा कपड़ों की सिलाई के ठेकेदार।
  - श्रेणी “दी”—कपड़ों के धुलाई के ठेकेदार।

5. अविदेन पत्रः—मृदृष्ट भी वक्तिं यो योई का गम्यतः प्राप्त ठेकेदार होन्ता चाहता है वह इन उपनियमों के अनुबंधित फार्म में अविदेन करेगा।

6. (1) पंजीकरण शुल्कः—पंजीकरण शुल्क तथा नवीनीकरण शुल्क ठेकेदारों की इन श्रेणियों के लिए निम्न प्रकार से होगा:—

श्रेणी “ए”—पंजीकरण शुल्क 2000 रु० न लॉटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 1000 रु० प्रति वर्ष।

श्रेणी “बी”—पंजीकरण शुल्क 1000 रु० न लॉटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 500 रु० प्रति वर्ष।

श्रेणी “सी”—पंजीकरण शुल्क 500 रु० न लॉटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 25 रु० न लॉटाया जाने वाला तथा नवीनीकरण शुल्क 15 रु० प्रति वर्ष।

(2) यदि पंजीकरण का एक वर्ष के भीतर नवीनीकरण न हुया तो ठेकेदार को अपने आप को आम पंजीकरण शुल्क देकर, फिर से पंजीकरण कराना होगा।

7. बयाना तथा जमानत (1) “ए” श्रेणी का ठेकेदार ठेके के मूल्य का दो दो प्रतिशत निविदा के भयं वयाने के स्वप्न में नकद जमा करवाएगा। विना बयाने के निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक ठेकेदार की निविदा की राशि के 10 प्रतिशत के बगवार राशि नकद या एफ० डी० आर० की शक्ति में जमानत के तीरपर, छावनी अधिकारी स्वीकारी के पास गिरवी रखेगा, यदि हाथ में निलंबित विदाय कार्य का मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक होगा। यदि हाथ में निलंबित विदाय कार्य 2 लाख रु० से कम का होगा तो जमानत राशी निविदा मूल्य का 5 प्रतिशत के हिसाब से नकद या एफ० डी० आर० के स्वप्न में छावनी अधिकारी स्वीकारी के पास गिरवी रखनी होगी। कार्य के पूरा होने से एक साल तक जमानत राशि नहीं लॉटाई जाएगी।

(2) बी०, सी०, एफ० डी० श्रेणी के ठेकेदारों को क्रमशः 2000 रु०, 1000 रु० तथा 100 रु० नकद या एफ० डी० आर० के रूप में निविदा भरने समय छावनी अधिकारी स्वीकारी के पास जमानत के स्वप्न में गिरवी रखने होने जीके नफल निविदाकार के अतिरिक्त अत्यन्त निविदा देने वालों को जीटा दिए जाएंगे। जमानत राशि एक साल के बाद या वित्तीय वर्ष की नमापित पर, लॉटा दी जाएगी। निविदा भरने समय बी० सी० तथा डी० श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों को कोई अन्य चर्याना नहीं देना होगा।

#### फार्म

(उपनियम 5, देखें)

ठेके के लिए पंजीकरण तथा आज्ञा-पत्र के लिए प्रार्थना पत्र

मैं/हम, जालन्धर केन्टोनमेन्ट बोर्ड में, निम्न श्रेणियों के कार्यों में हस्ताक्षर करने के लिए, ठेकेदारों की सूची में पंजीकरण कार्यक्रम है/हैं।

श्रेणी “ए” अवन निर्माण, बड़के, नानियां तथा रख-रखाव के ठेकेदार।

श्रेणी “बी” सभी प्रकार के सण्डारों, उदाहरण के लिए विविध नामान, विद्युत सामग्री, जल आपूर्ति सामग्री, भवन निर्माण सामग्री तथा अभियांत्रिक सामग्री इत्यादि के ठेकेदार।

श्रेणी “सी”: मृदण तथा अंडेशनरी तथा कपड़े मिलाई इत्यादि के ठेकेदार।

(जो नागू न हो उसे काट दें)

मरी/हमारी अमर्त्यां तथा साधनों का विवरण हम प्रकार है:—

#### 1. ठेकेदार का व्यौग

- (1) नाम (मालिनी/गाईदार)
- (2) पत्र अवधार के लिए पता
- (3) पकड़ा पता

#### 2. गमनि तथा व्यौग

- (1) चल (वैर का प्रमाण संलग्न करें)
- (2) अरन (डिप्टी कमिश्नर/कलक्टर अथवा मैजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी का प्रमाण पत्र संलग्न करें)

#### 3. ग्रनेभव का व्यौग कार्यनिया लिए गए कार्य

नोट:—(कार्य, मूल्य, स्थान और कव मम्पन्न किया गया दिवाते हुए कार्यों की सूची नथी करें)

#### 4. ठेकेदार के अदारे का व्यौग

- (1) संगठन
- (2) मुद्रालय
- (3) स्थानीय कार्यालय
- (4) कार्यालय
- (5) संयंत्र
- (6) वाहन
- (7) दूरभाष नं०
- (8) दूरभाष पता
- (ए) मुख्तारनामा प्राप्त व्यक्ति का व्यौग
- (बी) बैंक का नाम
- (सी) उत सभी कामनियों, अशारों, अंशितयों के नमूदायों का व्यौरा जिनमें आवेदक वस्तुतः व्यक्तिगत, अंथवा अमानती तीरपर रुचि रखता हो।

#### 5. निरीक्षण कर्मचारियों का व्यौरा

- (1) अशा आप स्वयं निरीक्षण करते हैं
- (2) निरीक्षण कर्मचारी की नियुक्ति
- (ए) नाम
- (बी) पकड़ा पता
- (सी) योग्यताएं

(ही) कार्य

(ई) शक्तियां

6. आयकर

(आयकर अदायगी प्रमाण-पत्र संलग्न परकार्मा में आवेदन के साथ नियती किया जाए)

7. कैन्ट बोर्ड के पंजीकृत ठेकेदारों, सदस्यों और कैन्ट बोर्ड के कर्मचारियों के साथ सम्बन्ध

(1) संबंधित आदारों के नाम

(2) सम्बन्ध का प्रकार

(3) उसके/उनके पंजीकरण का व्यौरा

8. अतिरिक्त अनुसूचीकरण का विस्तृत व्यौरा

(ए) यदि आप इस समय किसी सरकारी विभाग, स्थानीय शासन इत्यादि में ठेकेदार के रूप में अनुसूचित हैं, तो संदर्भ दें।

(बी) यदि आप अनुसूचीकरण के पश्चात कभी सूची में से खारिज या निविदा से वंचित या अपराधियों की सूची में, किए गए हैं लिखें।

9. मैं/हम कैन्ट बोर्ड की ठेकेदारों की सूची में भेरा/हमारा नाम दर्ज करने के आवेदन को स्वीकार करने वाले अधिकारी के पास ऊपर लिखे तथ्यों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन के विषय में यदि और जब भी, वे उत्पन्न हों, सूचित करने और इन तथ्यों को प्रतिवर्ष प्रथम जनवरी को अनुमोदित तथा प्रमाणित करने का वंचन देता हूँ।

10. मैं/हम भमझता/समझते स्वीकार करता/करते हूँ/हैं कि योग्य कैन्ट बोर्ड अधिकरण को, जैसा भी वह निर्णय ले, निविदा फार्म किसी विशेष स्थिति में न देने, भेरा/हमारा नाम कैन्ट बोर्ड के ठेकेदारों की सूची से निलम्बित, खारिज करने अथवा अपराधी सूची में रखने का अधिकार है, यदि मैं/हम अवैध-निविदा प्रस्तुत करें या विषयक अथवा कोई त्रुसरा अपराध करें जिसके विषय में योग्य कैन्ट बोर्ड अधिकरण का निर्णय अतिम तथा स्वीकार्य होगा।

11. मैं/हम प्रमाणित करता/करते हूँ/हैं कि ऊपर दिए तथ्य सही हैं और यदि ऐसा पाया जाए कि मैं/हमने भूठा प्रमाण पत्र दिया है या यदि मैं/हम अपने बाध में किसी अन्य ठेकेदार या फर्म में विलय के तथ्य की सूधना देने में अनुर्मत रहा/रहे, तो भेरा/हमारा नाम कैन्टोनमेन्ट बोर्ड के ठेकेदारों की सूची से निकाल दिया जाएगा और उस समय कोई ठेका यदि भेरा/हमारे पास होगा तो उसे रद्द कर दिया जाएगा।

12. मैं/हम वचन देते हैं कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी सरकारी या स्थानीय शासन की नीकरी से निकाले गए अधिकारी को अपने व्यवसाय में काम नहीं दूँगा।

13. मैं/हम मानते हैं कि कैन्टोनमेन्ट बोर्ड के ठेकेदार के रूप में पंजीकरण में कैन्टोनमेन्ट बोर्ड के कार्यों में निविदा देने का अधिकार निहित नहीं है।

14. मैं/हम कैन्टोनमेन्ट बोर्ड जालन्धर के पक्ष में योग्य मूल्य के न्यायेतर मुद्रांक पत्र पर, समझौता दस्तावेज खारिज के अनुसार जिसे मैंने/हमने बढ़ा लिया है और समझ लिया है, निश्चित समय के भीतर, निष्पादन करने का किसी भी कार्य के लिए, जिसके लिए कैन्टोनमेन्ट बोर्ड द्वारा निविदा स्वीकार की गई हो, समझौता दस्तावेज निष्पादित करने का वचन देता है। दस्तावेज का खर्च, भुद्रुक शुल्क सहित, यदि कोई हो, मैं/हम देंगे।

ठेकेदार के हस्ताक्षर

नियती एक परकार्मा

दिनांक

केवल कैन्टोनमेन्ट बोर्ड कार्यालय के प्रयोगार्थ

(पंजीकरण अधिकारी द्वारा समुचित ढंग से भरने हेतु)

सर्वश्री/श्री—का पंजीकरण कैन्टोन-  
मेन्ट बोर्ड के ठेकेदार के रूप में—के लिए,  
कैन्टोनमेन्ट बोर्ड जालन्धर छावनी में वर्ष—/—/—  
के लिए, किया जाता है। उनका/उसका पंजीकरण क्रमांक—  
/19—है दिनांक—/—/—।

हस्ताक्षर  
पद

आयकर अदायगी प्रमाण-पत्र

1. कम्पनी अदारा, व्यक्तिगत अथवा हिन्दु अविभाजित परिवार का नाम तथा प्रकार जिसमें प्रार्थी का कर निर्धारण होता है तथा कर निर्धारण हेतु पता।

2. कम्पनियों, फर्मों, व्यक्तियों और समुदायों के नाम तथा पते जिसमें प्रार्थी वस्तुतः व्यक्तिगत या अभानही रूप में, रुचि रखता है।

3. आयकर मंडल/बाईं/जिला, जिसमें प्रार्थी का आयकर निर्धारण होता है तथा सामान्य आयकर पंजीकरण क्रमांक।

4. गत चार वर्षों के लिए आयकर निर्धारण संबंधी, निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए जाएँ:—

(ए) गत चार लेखा वर्षों में प्राप्त की गई कुल टेका राशि (वर्षान्त की तिथि दीजिए)

(बी) वर्ष कुल कर मांगा गया दिया गया शेष बेश निर्धारण कर कर योग्य प्राप्त

1 2 3 4 5

नोट: 1 क्रमांक 3 तथा 4 में लिखित कर में आयकर, बिक्री कर प्रभार, अतिरिक्त नाभ व्यवसाय लाभ कर आदि भी मद्देसम्मिलित की जाएँ।

(सी) यदि किसी वर्ष में आयकर निर्धारण न हो

क्या धारा 22(1) या 22(2) के अन्तर्गत आयकर विवरण भेजे गए या अधिनियम की धारा 18ए (3) के अन्तर्गत अधिकार दिया गया, यदि हाँ तो प्रतिवर्ष की आय तथा ऊपर दिए गए चारों वर्षों का कर एवं आयकर मण्डल/वार्ड/जिला जहाँ आयकर विवरण प्रस्तुत किया गया, का व्यौदा कारण सहित दिया जाए।

(डी) क्या बकाया अदायगी सम्बन्धी कोई कार्रवाई विचाराधीन पड़ी है।

(इ) शाखाओं, यदि कोई हों के नाम तथा पते।

मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरे विषयास तथा ज्ञान अनुसार ऊर दी गई सूचना ठीक तथा पूर्ण है।

ठेकेदार के हस्ताक्षर

पंजीकरण संक्षय

पता

निधि

मेरे विषयास में ऊपर निर्धित करक्षाता यथा सम्भव शीघ्र तथा निर्धित सूप मेरे कर भाग की अदायगी के लिए तथा विचारधारा कार्रवाई की पूर्ति को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयत्नशील रहा है प्रयत्नशील नहीं रहा है।

आयकर अधिकारी के हस्ताक्षर  
निधि तथा ठप्पा

मण्डल/वार्ड/जिला

आवेदक को, आयकर भुगतान संबंधी दो प्रतियां आयकर अधिकारी के समक्ष देनी होंगी, इनमें से एक प्रति पूरी भरनी होगी तथा दूसरी प्रति 4 ए से 4 ई को छोड़कर भरनी होगी। यह दूसरी प्रति आगे संबंधित प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के लिए आयकर अधिकारी द्वारा प्रमाणित की जाएगी।

आर० एस० चौमा

छावनी अधिकारी समिति  
जालन्धर छावनी

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कायलिय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जुलाई 1990

शुद्धि पत्र

पी-IV/1 (2)/ 87/ आर० आर०, दिनांक 09-6-90 को भारत के राजपत्र, भाग-111, वर्ड-4 में प्रकाशित अधिनियम सूचना सं ० पी०-IV/ (2)/ 87/ आर० आर० मे,

- (i) पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान से संबंधित नियम 3 में शब्द "संलग्न वेतनमान" के बाद शब्द "इन" जोड़ें।
- (ii) अनुसूची में, पर का नाम से संबंधित कालम (1) के अन्तर्गत, "वरिष्ठ" के बाद शब्द "सेक्वेकार" जोड़ें।

दिनांक 31 जुलाई 1990

शुद्धि पत्र

पी०-IV/ 1 (9)/ 89, दिनांक 16-6-90 को भारत के राजपत्र भाग-111, वर्ड-4 में प्रकाशित, अधिनियम संख्या पी०-IV/ 1 (9)/ 89 मे,

- (i) अधिनियम जारी करने की तिथि 31 मई, 1990 के स्थान पर तिथि 07-05-90" पड़े।
- (ii) नियम 2 के उप-नियम (क) में शब्द "क्रम सं० 1 ए" के स्थान पर शब्द "क्रम सं० 11 ए" पड़े।
- (iii) पाद टिप्पणी अन्तर्गत,
- (क) क्रम सं० 27 में शब्द "वर्ड-4" के बाद शब्द "मे" जोड़ें।
- (ब) क्रम सं० 29 में "अधिनियम सं० पी०-4/ 14 (1)/51/ भाग" के स्थान पर "अधिनियम सं० पी०-IV/ 14 (1)/ 81/ भाग" पड़े।
- (ग) क्रम सं० 31 में शब्द भाग के बाद "III" जोड़ें।

दिनांक 01 अगस्त 1990

क्र० सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) वैस्ट बंगाल (159)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड न०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1. डब्ल्यूबी०/ 25936	मै० जे०पी० इंजीनियरिंग कारपोरेशन (प्रा०) लि०, 37, स्ट्रॉड रोड, कलकत्ता-700001 और इसका सेल्स आफिस मालान्चा 4-ए, साला लाजपत राय मार्गी, कलकत्ता-700020	मै० जे०पी० इंजीनियरिंग कारपोरेशन (प्रा०) लि०, 37, स्ट्रॉड रोड, कलकत्ता-700001 और इसका सेल्स आफिस मालान्चा 4-ए, साला लाजपत राय मार्गी, कलकत्ता-700020	1-11-1988

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना पर उस या उक्त प्रभावी निधि से अधिनियम को लागू करने हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) कर्नटक/ (160)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम; 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जायें।

क्र०	कोड	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
सं०	सं०		
1.	के०एन०/ 13339	मै० जे० बी० एन्टरप्राइज, सं० 53, एकसवियर ले आजट, बंगलौर-560047	1-7-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना पर उग्या या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी, गई है।

सं० के० आ० नि० आ०/ 1 (4) कर्नाटक (16190)—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र०	कोड	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
सं०	सं०		
1.	के०एन०/ 13356	मै० गार्डियल एण्ड डिटेक्टिव सर्विस, सं० 1514, 11 मंजिल, महा- कालि क्षेत्र, रोड, मेरिएप्पन पालिया, राजाजी नगर, बैंगलूर-560021	1-12-88
2.	के०एन०/ 13450	मै० व्यवसाया सेवा सहकारा संघ, नियमित्या गौडगिरी, तालुक हसुर, मेसूर जिला	30-9-89
3.	के० एन०/	मै० व्यवसाया सेवा सहकारी संघ, नियमित्या हालेविद्व, तालुक बैंगलूर, हसन	31-1-88
4.	के०एन०/ 13040	मै० शर्पथी नर्सिंग होम, बी० एच० रोड, शिमोगा	1-11-88

1	2	3	4
5. के०एन०/ 11710	मै० ए० एस० मंगल फाउण्ड्रीज,	प्लाट सं० 11, 689 (342) (1) उदयमवाग, नजदीक; बी०के० इण्डस्ट्री, बैंगलॉर-590008	1-3-88
6. के०एन०/ 11333	मै० फल्ट्यूड डग्नामिक्स (प्रा०) लिमिटेड, 156-159, मके० इण्ड- स्ट्रियल इस्टेट, बैंगलॉर-591181	1-7-87	
7. के०एन०/ 12187	मै० कुट्टा व्यवसाया सेवा सहकारा संघ, नियमित्या, कुट्टा, मातुर कुर्गा	1-5-88	

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्थापनाओं को उग्या या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) आन्ध्र प्रदेश (162)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र०	कोड	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
सं०	सं०		
1.	आ०प्र०/ 18138	मै० दी० राजनपट को-आप० टाउन बैक लि०, राजनपट, कुड्डापा जिला	1-10-88
2.	आ०प्र०/ 18541	मै० इलैक्ट्रोमेच, एफ-2, इण्डियल इस्टेट, कुड्डापा	1-1-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उग्या या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

सं० के० भ० नि० आ०/ 1 (4) केरल (163)/ 90—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्र० सं०	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	ध्यापित की तिथि
1.	केरल/11674	मै० रवर टेक्स, सी-23, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कालीकट-5	1-2-90
2.	केरल/11668	मै० पोनाई को-आ०-अर्बन बैंक लि०, के० के० जंक्शन, पोनाई, मल्लापुरम जिला	1-1-90

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापनाओं पर उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के मामने दर्शाएँ गई हैं।

## अनुसूची-1

क्षेत्र : तमिल नाडु

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स इण्डियन काफी बर्स को-आप० सोसाइटी लिमिटेड, ३७-सी, फर्स्ट फ्लॉर, नेहरू स्ट्रीट, पांडिचेरी-605001।	पी० सी०/३	1-11-1987	2/2614/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स इण्डिया रेडिएटरस लि०, पोम्पास-66 तथा शाखा यूनिट पेनूनगुडी तथा हेड ऑफिस-64, अरमेनियम स्ट्रीट, मद्रास-1 पर।	टी० एन०/1105	1-3-1988	2/2615/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स बी क्रोम लेदर कं० लि०, नं० 7, बर्स रोड, क्रोमपेट पी०ओ०, मद्रास-600044।	टी० एन०/2195	1-6-1989	2/2616/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स पी० बी० प्रीसियन बर्स प्रा० लि०, बी-16, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मद्रास-600032।	टी० एन०/2938-ए	1-4-1988	2/2617/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स बी स्टैंडर्ड मर्शीन ट्रूस, बी-3, अम्बाटूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मद्रास-58।	टी० एन०/3520	1-3-1989	2/2618/90-डी० एल० आई०

सं. 2/1959/डी० एल० आई०/एक्जाम/89/भाग-1/3894—जहा अनुसूची-। मै० उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें छसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

जूकी मै०, बी० एन०. भोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के स्वयं भैं भारतीय जीवन बीमा नियम की सामिल बीमा स्कीम का धार्भ उठा रहे हैं, जोकि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोप सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें दृगके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची मै० उल्लिखित शक्तों के अनुसार मै०, बी० एन०. भोम, प्रत्यक्ष उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामने उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत छीन प्रदान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबंधित की छूट देता है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6.	मैसर्स सी० आर० नारायण राव, आर्टिक्टर एण्ड इंजीनियर्स, 5, करपागम्बल नगर, लॉज, मर्हेलापुर, मद्रास-600004।	टी० एन०/4433	1-7-1988	2/2619/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स सी० आर० नारायण राव, (कन्सलटेंट्स) प्रा० लि०, 5, करपागम्बल नगर, लॉज, मद्रास-600004।	टी० एन०/8338	-वही-	-वही-
8.	मैसर्स इण्डिया पिस्टोन्स रिप्को लि०, टी० एन०/4924 2-सी०, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट काक्कासूर, पी० ओ०, तीरुवेल्लोर, चेंगलपेट डिस्ट्रीब्यट, रजिस्टर्ड आफिस, 861, अन्ना सलै, मद्रास-600002।		1-4-1989	2/2620/90-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स एल० एम० वान मोपेस डायमण्ड टूल्स इण्डिया लि०, पो० बाक्स नं० 853, हुजूर गार्डन, सेम्बीयम, मद्रास-11।	टी० एन०/5284	1-5-1989	2/2621/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स टी० टी० मेपस एण्ड पब्लिकेशन्स टी० एन०/6097 लि०, 328, जी० एस० टी० रोड, क्रोमेट, मद्रास-600044।		1-3-1989	2/2622/90-डी० एल० आई०
11.	मैसर्स ए० बोन्ड स्टेंडेस प्रा० लि०, डी-12, अम्बाटूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मद्रास-600058।	टी० एन०/6954	1-12-1987	2/2623/90-डी० एल० आई०
12.	मैसर्स लाइट रुफिंग्स लि०, नं० 226 लयड रोड, गोपालपुरम, मद्रास-600086 तथा क्लीय कार्यालय 1076, हरध्यान सिंह रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-110005।	टी० एन०/7066	1-12-1987	2/2624/90-डी० एल० आई०
13.	मैसर्स बी इम्पो कें सी० पी० लि०, रामाकृष्ण बिल्डर्स 2, विकटोरिया क्रिसेंट रोड, पोस्ट बाक्स नं० 6815, मद्रास-600105, फैक्टरी-11-ए, थर्ड मेन रोड इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, अम्बाटूर, मद्रास-58 पर।	टी० एन०/7383	1-3-1988	2/2625/90-डी० एल० आई०
14.	मैसर्स ट्रोपिकल एप्रो सिस्टम्स लि०, 118, ब्रह्मे, दूसरी मंजिल, मद्रास-600108।	टी० एन०/7839	1-5-1989	2/2626/90-डी० एल० आई०
15.	मैसर्स रिप्रोहस्ट कॉ० एप्रोजिट फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट बैंक लि०, पोण्डी बाजार, मद्रास-17।	टी० एन०/9046	1-3-1988	2/2628/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
16.	मैसर्स नेशनल एक्सट्रेक्शन इण्डस्ट्रीज टी० एन०/11346 23-सी/ 4 केशवानगर, सेवून अर्नी, तालुक नार्थ आरकोट, डिस्ट्रीक्ष-632316।		1-3-1989	2/2629/90-डी० एल० आई०
17.	मैसर्स आई० सी० एफ० बिल्वर जुड़ली मैट्रीकुलेशन हायर सेकेन्ड्री स्कूल, आई० सी० एफ०, मद्रास-600038।	टी० एन०/14792	1-9-1989	2/2630/90-डी० एल० आई०
18.	मैसर्स अटो मेसरमेटिक लि०, सुदर्शन गाईन्स, 102, वेलाचेरी रोड, गुण्डी, मद्रास-600032, तथा रजिस्टर्ड आफिस 46 तथा 47, डेवलाउ प्लाट्स फार इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इण्डस्ट्रीज, पेंगुडी, मद्रास-600096।	टी० एन०/16098	1-3-1989	2/2631/90-डी० एल० आई०
19.	मैसर्स कर्टिका मैनुफैक्चरिंग (इण्डिया) टी० एन०/17352 प्रा० लि०, अवाडी-पुनामल्ली रोड, गोवर्धनगढ़ी, कामराज नगर, पोस्ट, मद्रास-600071।		1-7-1988	2/2632/90-डी० एल० आई०
20.	मैसर्स इण्डस्ट्रीयल एण्ड टैक्नीकल कन्सलटेंसी आर्मेनाइजेशन आफ तमिलनाडु तथा रजिस्टर्ड आफिस 50-ए, ग्रेस्स रोड, मद्रास-600006।	टी० एन०/17795	1-10-1987	2/2633/90-डी० एल० आई०
21.	मैसर्स एसियाटिक आक्सीजन लि०, 23, एस० आई० पी० सी० ओ० टी० इण्डस्ट्रीयल कम्पलेक्स, रानीपेट-632403।	टी० एन०/22921	1-7-1989	2/2634/90-डी० एल० आई०
22.	मैसर्स इण्डिया पिस्टोन्स लि०, न० 8, हूडोस रोड, मद्रास-600006, तथा रजि० आफिस, हुजार गार्डन्स, सम्बिधान, मद्रास-600011।	टी० एन०/252	1-3-1989	2/2635/90-डी० एल० आई०
23.	मैसर्स यूनिन्ड मार्केटिंग एसोसिएटेस 377, सूर्यनारायण स्ट्रीट, मद्रास-600081।	टी० एन०/22983	1-3-1989	2/2636/90-डी० एल० आई०

## अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसे विवरणियों भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा नियोजन के लिए एसी सूचिधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विवृत करें।

2. नियोजक, एसे नियोजन प्रभारों का प्रत्येक सास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के संड-के अधीन समय-समय पर निर्विवृत करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेहाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा

प्रीमियम का संदाय, लेखाओं खा अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यायों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भावा में उसकी मूल्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के स्पष्ट में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन भंडारे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम नियोजितों को प्रतिकर के स्पष्ट में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जाएगा और जहां किसी मंशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहुंचे अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रूप से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करते, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपत रहे जाने दिया जाता है तो छूट रक्ष की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाय में किए गए किसी वित्तीकरण की दशा में उन मृत सवस्यों के नाम नियोजितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती सो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तस्वरता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-I/3899—जहां मैसर्स मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (लि.) दूसरी मंजिल, मालवीया नगर, भोपाल (कोड नं. 3306) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपभारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस वात में संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के स्पष्ट में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का नाम उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा 2(क) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस. 35014/166/86 (एस. एस. II तिथि 21-5-86 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची गे—निर्धारित वातों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं, जो दिनांक 21-5-89 से 28-2-90 तक लाग होगा। जिसमें यह तिथि 28-2-90 भी शामिल है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसे विवरणों भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास श्री समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के दण्ड-के के अधीन समय-रामय पर गिरिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांतों का रखा जाए, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांतों का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का थहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी हाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम का संवत्सर करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध नाम बहाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में सम्बन्धित रूप से विविध किए जाने की अवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त ईकीम के अधीन अनुज्ञय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी वात के होने हए भी यदि किसी कर्मचारी की मर्त्य पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेश होती जब उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम नियमों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों को अन्तर ब्रावार राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन समन्वित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के प्रिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां अंत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का याकित-युक्त अवमर देना ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना बहुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस

स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हैं जाए हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उम नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वजा में उन मूल सदस्यों के नाम नियमों में या विधिक वारिस को जो यदि यह छूट न दी गए होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत छूते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक उस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम नियमों/विधिक वारिसों को बीमाकूल राशि का संदाय, तप्तपता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकूल राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

म. 2/1959/डी. एल. आई/एकजाम/89/भोग-।/3903--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोर्ता उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आयोदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगदान या प्रीमियम की अदायगी किये विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से उधिक अनुकूल है । (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माध्यम संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभायी जिस तिथि से उक्त स्थापना को अंत्रीय भविष्य निधि आयक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत ढील प्रशासन की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संतानन को छूट देता हूँ ।

क्षेत्र: दिल्ली

अनुसूची—I

क्र. स्थापना का नाम और पता सं.	कोड संख्या	स्थापना की छृष्ट बहाने के निए भारत सरकार की अधिसूचना की संख्या तथा नियम	पहले मे प्रश्न की गई छृष्ट की ममात्पि की तिथि	अन्यथा जिम्मेदार प्रश्न की लिए और छृष्ट की गई है।	के ० अ० ति० बा० की फारैल सं०	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. मैसर्स हमदर्द (बाक) नेबोटी (ई) पौष्ट बाहम नं० 1507 हमदर्द मार्ग, दिल्ली-6	दि०/100	एम० 35014/168/82 (एम० एम० II) दिनांक 21-5-86	20-5-89	21-5-89 से 28-2-90	2/1446/86/ई० एल० आई०	
2. मैसर्स जलन्धर मोटर एजेंसी (दि० नि० 2ई० 5, अप्पेनालान एकम, नई दिल्ली-110055	दि०/662	एम० 35014/167/82-पी० एफ०-II (एस० एस० II) दिनांक 21-2-86	24-8-88	25-8-88 से 28-2-90	2/488/81/ई० एल० आई०	
3. मैसर्स सेन्ट्रल न्यूज़ एजेंसी (प्रा०) लि० 23/90, कनाट सर्केस, नई दिल्ली-1	दि०/721	एम० 35014/123/84- (एम० एम० II) दिनांक 21-11-84	20-11-87	21-11-87 से 28-2-90	2/1082/84/ई० एल० आई०	
4. मैसर्स यंग अमैनेस किंग्सन एमोरियालान आफ इंडिया अशोका रोड, नई दिल्ली-1	दि०/1413	एम० 35014/213/86 (एम० एम० II) दिनांक 20-8-86	19-8-89	20-8-89 से 28-2-90	2/1477/86/ई० एस० आई०	
5. मसर्स पिन कोइ एजेंसीज 3455-57, दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110006	दि०/2654	एम० 35014/77/82-पी० एफ०-II (एम० एम० II) दिनांक 7-4-86	30-7-88	31-7-88 से 28-2-90	2/576/81/ई० एल० आई०	
6. मैसर्स कैनटिस टैक्नोलॉजी इंडिया लि० 73-74, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली 110019	दि०/3268	एम० 35014/71/85(एस० एम० II) 26-3-88 दि० 27-2-85	26-3-88	27-3-88 से 28-2-90	2/417/80/ई० एल० आई०	

## अनुसूची 1।

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो क्षेत्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के लंड-के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके बंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम जा संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, हाने वाले सभी व्यायों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्भूति सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी प्रत्येक बांधों का गतिवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छृष्ट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वापत आवश्यक प्रीमियम भागीदार जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध खाम बहाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुक्ति रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशय हैं।

7. सामृहिक बीमा स्कीम किसी दात के ज्ञाते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस गणि से कम है जो कर्मचारी की उस दृश्य में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिम/नाग निवैशियों को प्रतिवर्तार के रूप में दोनों गणियों के अन्तर के वरावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन मंविष्ट व्यक्तीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के

बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामर्थिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं गृह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख से भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम-निवैशितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दो गर्व होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम-निवैशितों/विधिक वारिशों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्पत्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एक्जाम/89/भाग-1/ 3913—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवंतन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चांकि मैं, बी. एन. सोम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अवायारी किये बिना जीवन बीमा के त्वय में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामर्थिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जांकि एसं कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित सलग्न अनुसूची-1 के अनुसार पिछली तारीख से प्रभावी जिस हिथर से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान को है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देना है।

#### अनुसूची-1

क्षेत्र : गुजरात 1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	क्र. सं. भ. नि. आ. का. नं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैसर्स सोमा टेक्सटाइल्स, रखेल रोड, अहमदाबाद-380023	जी० जे/288	1-7-1987 से 28-2-1990 तक	2/2774/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स कल्पित्रा जन्मभूमि ग्रुप आफ न्यूजेपस्स, केस्प एरिया, भूज कन्ठ 1 (गुजरात)	जी० जे/1978	1-7-1989 से 28-2-1990 तक	2/2806/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स सौराट्र व्याकिंग्स प्रा० लि०, रजि० आकिंग पट्टानी बिलिंग, एम० जी० रोड, राजकोट-360001 गुजरात	जी० जे/3352	1-8-1988 से 28-2-1990 तक	2/2772/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स बड़ोदा इलेक्ट्रीक मीटर लि०, बिल्ल उद्योग नगर, बल्लव विद्यानगर वाया: आनन्द (गुजरात)	जी० जे/4535	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2782/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स मिनेक्चौक को-आप० बैंक लि०, जयमंगल हाऊस, ब्लाक बी, अपीजिट गांधीग्राम रेलवे स्टेशन एलियस ब्रिज, अहमदाबाद-380009	जी० जे/4681	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2761/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6.	मैसर्स गोप्ता पब्लिसर्स, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद	जी० जे/4746	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2768/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स संदीप एजेन्सीज, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4746-ए	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2783/90-डी० एल० आई०
8.	मैसर्स रंग मल्टी कलर आफसेट, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4746-बी	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2784/90-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स ममता टाइप सेटिंग वर्क्स, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4747	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2785/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स विकास प्रिन्टरी, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-21	जी० जे/4748	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2786/90-डी० एल० आई०
11.	मैसर्स सुरेखा बाइरिंग वर्क्स, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4749	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2787/90-डी० एल० आई०
12.	मैसर्स ग्रंकुर आफसेट, स्वरस्वति भवन, नजदीक आजाद डेयरी, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे/4775	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2767/90-डी० एल० आई०
13.	मैसर्स सिवातुल लिं०, पो० ओ० अतुल-396020, डिस्ट्रीक्शनल मालाद, गुजरात	जी० जे/5226	1-11-1987 से 28-2-1990 तक	2/2780/90-डी० एल० आई०
14.	मैसर्स ए० टी० ई० प्रा० लि०, बिहाइन्ड भगवति इण्डस्ट्रीज, ओधव, अहमदाबाद-382410	जी० जे/6499	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2755/90-डी० एल० आई०
15.	मैसर्स गुजरात एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि०, जगना आयल एक्सटेंशन, यूनिट जगना डिस्ट्रीक्शनल मालकन्था पर (गुजरात)	जी० जे/6651-एच	1-8-1987 से 28-2-1990 तक	2/1650/87-डी० एल० आई०
16.	मैसर्स जी० एल० रेक्सरोथ इण्डस्ट्रीज लि०, पापुलर हाऊस, 6ठी० मंजिस, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009	जी० जे/6928	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2781/90-डी० एल० आई०
17.	मैसर्स श्री भारती ड्राफ्टपोर्ट कं० (एजेन्सी) जी० जे/7470-ए१२, सुप्रभात इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वरदालपुरा, अहमदाबाद-380016	जी० जे/7470-ए१२	1-3-1988 से 28-2-90 तक	2/2775/90-डी० एल० आई०
18.	मैसर्स हर्षा इंजीनियर्स (प्रा०) लि०, 217, जी० वी० एम० एम० लि०, इस्टेट, ओधव रोड, अहमदाबाद-382410	जी० जे/7742	1-10-1987 से 28-2-1990 तक	2/2791/90-डी० एल० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
19.	मैसर्स एम्प्लोयी (इण्डिया) लिं, आनन्द सोलायीटा रोड, वल्लब्ह-विद्यानगर, डिस्ट्रीक ब्लेडा (गुजरात)	जी० जे/7787	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2763/90-डी० एल० आई०
20.	मैमर्स मेंकार प्रोडक्ट्स, प्लाट नं० 1/5 तथा जी० जे/8440-वी जी० आई० डी० सी० इस्टेट, वापी-396195, डिस्ट्रीक बूलसर (गुजरात)	जी० जे/8440-वी	1-7-1988 से 28-2-1990 तक	2/2756/90-डी० एल० आई०
21.	एवरेस्ट केमिकल्स तथा मिनरल्स प्रा० लिं, प्लाट नं० 203, जी० आई० डी० सी०, वापी-396195 (गुजरात)	जी० जे/9449	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2757/90-डी० एल० आई०
22.	मैमर्स गलाजी फैन्ट्स, जी० आई० डी० सी० वापी- 396195 (गुजरात)	जी० जे/9449-ए	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2766/90-डी० एल० आई०
23.	मैमर्स वापी पोलिमर्स प्रा० लि० प्लाट नं० 203/2, जी० आई० डी० सी० वापी-396195 (गुजरात)	जी० जे/9449-वी	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2764/90-डी० एल० आई०
24.	मैमर्स हिन्दुस्तान इंजीनियर्स, ए/2-4, जी० आई० डी० सी० बिल्लोमोरा, डिस्ट्रीक वलसाद (गुजरात)	जी० जे/9539	1-9-1988 से 28-2-1990 तक	2/2758/90-डी० एल० आई०
25.	मैमर्स ए० जे० मेटल हॉल्डस्ट्रीज, जी० आई० डी० सी० गुरुदलख, वलसाद इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वलसाद (गुजरात)	जी० जे/9545	1-10-1988 से 28-2-1990 तक	2/2788/90-डी० एल० आई०
26.	मैमर्स खेतान जकर लि०, (एम० पी० पी० सी० डिविजन) प्लाट नं० 624/28/वी, जी० आई० डी० सी० इस्टेट, अलेश्वर, वालिया रोड, अंकलेश्वर- 393002 (गुजरात)	जी० जे/9580	1-4-1988 से 28-2-1990 तक	2/2789/90-डी० एल० आई०
27.	मैमर्स प्रफेट इक्युपमेंट्स, एल०/172, जी० आई० डी० सी० इस्टेट, श्रीधर रोड, अहमदाबाद- 382415	जी० जे/11040-ए	1-7-1988 से 28-2-1990 तक	2/2790/90-डी० एल० आई०
28.	मैमर्स इरहार्ट + लीमर (इण्डिया) लि०, सर्वेन०न० ३२०, श्रीधर रोड, अहमदाबाद- 382410	जी० जे/11087	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2776/90-डी० एल० आई०
29.	मैमर्स ट्रमेक इंजीनियरिंग क० लि०, एन० आई० डी० सी० इस्टेट, नजदीक अम्बा विलेज नरोल, डिस्ट्रीक अहमदाबाद	जी० जे/11129	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2792/90-डी० एल० आई०
30.	मैमर्स गाविन पर्म्यम लि०, सी-1/273, जी० आई० डी० सी० टाउनशिप नरोला- 382330, अहमदाबाद	जी० जे/11286	1-3-1988 से 28-2-1990 तक	2/2771/90-डी० एस० आई०

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
31.	मैसर्स शैटसकटार प्रा० लि०, 43/2, जी० आई० डी० सी०, इस्टेट, कलोल (एन० जी०) गुजरात	जी० जे/11327	1-2-1989 से 28-2-1990 तक	2/2771/90-डी० एल० आई०
32.	मैसर्स वनस्कन्था, मेहशना ग्रामीण बैंक, राजमहल रोड, नजदीक रेलवे स्टेशन, पाटन (गुजरात)	जी० जे/14371	1-1-1988 से 28-2-1990 तक	2/2793/90-डी० एल० आई०
33.	मैसर्स सिद्मैक लोटोरीज (इण्डिया) प्रा० लि०, नेशनल हाइवे-8, अबराम वालसाई-396001 (गुजरात)	जी० जे/15824	1-8-1988 से 28-2-1990 तक	2/2794/90-डी० एल० आई०
34.	मैसर्स ताप्ती इंडस्ट्रीयल इंजीनियर्स, मानकुण कम्पाउण्ड, ए० के० रोड, सूरत-395008	जी० जे/16714	1-9-1988 से 28-2-1990 तक	2/2761/90-डी० एल० आई०
35.	मैसर्स मिलेक्स केबल इण्डस्ट्रीज राखतल स्टेशन-382315, तला-देहगाम, इंस्ट्रीक. ग्रहमदावाद	जी० जे/14793	1-5-1988 से 28-2-1990 तक	2/2765/90-डी० एल० आई०

## अनुसूची 11

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के बण्ड-के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अन्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करें।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही समय है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आमत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जा उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधी राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंधी होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिश/नाम निर्दिष्टों का प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संबंध करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के पिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हो एवं प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दाने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करने का यीति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारीं भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के अंदाय रों किए गए किसी व्यक्तिकर्म की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों गोविधिक वारिमों तो और याद यह छूट न दी गई होती है उक्त स्कीम के अलावत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता है।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिमों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

म. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं दे (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए

प्राप्तेन किया है (जिसे इसमें उसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

जोकि गौ. दी. एल. गोम, कोल्ड्रीय भविष्य निधि ग्राहक उक्त नाम से गतार्ह है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अवधान या गोप्यम की अधायारी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का ग्राहक उठा रहा है, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधिए महबूद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों ने अधिक अनुकूल है। (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्षितों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संस्था तथा तिथि और प्रत्येक स्थापना के नाम के आसने दृश्य रखी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहने हाएँ में, बी. एल. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 28-2-90 तक की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, जैसा कि उक्त नाम के सामने दर्शाया गया है। (संलग्न अनुसूची-1 के अनुसार)

अनुसूची—I

क्षेत्र: मध्य प्रदेश

क्र. स्थापना का नाम व पता	कोड संख्या	स्थापना को छूट देने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की गंभीरता तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की मामाप्ति की तिथि	क्र. सं. निः आ० की कार्ड सं.		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. मैसर्स स्वदेशी काटन एण्ड फ्लोर मिल्स 7, शिलानाथ कैम्प हॉटेल-452003	एम.पी०/6	एम. 35014/87/86 (एस.एम.०) दिनांक 5-3-86	4-3-89 5-3-98 2/1382/86-डी० एम.आई० से 28-2-90			
2. सांघी ग्राम (हॉटेल) निः० (म० प्र०) 452001	एम.पी०/249	एम. 35014/18/82-पी० एफ० II दिनांक 9-9-88	9-9-88 10-9-88 2/650/82-डी० एम.आई० से 28-2-90			
3. मिलाई इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिः यूनिट मैसर्स मिलाई (एम.पी०)	एम.पी०/756	एम. 35014/176/83-पी० एफ० I दिनांक 28-8-86	21-10-89 22-10-89 2/916/83-डी० एम.आई० से 28-2-90			
4. ओरियण्टल हम्पेटेस एण्ड एम्प्सोर्टेस शी० न० 36 लक्ष्मी निवाय, जैन्द्रागंज ग्रामियर (एम.पी०)	एम.पी०/1045	एम. 35014/299/92-पी० एफ० II दिनांक 14-1-89	14-1-89 15-1-89 2/739/82-डी० एम.आई० से 28-2-90			
5. मध्य प्रदेश स्टेट एप्लॉइडस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन निः० पंचानन लीसरी संचित, मालवीय नगर, भोपाल (एम.पी०)	एम.पी०/1636	एम. 35014/360/82-पी० एफ० II दिनांक 11-2-89	11-2-89 12-2-89 2/792/82-डी० एम.आई० से 28-2-90			
6. डिस्ट्रीक को० ग्रोपरेटिव ऐड डेवलपमेंट बैंक गन्ना (एम.पी०)	एम.पी०/2018	एम. 35014/255/83-पी० एफ० II दिनांक 30-6-89	30-6-89 24-12-89 2/944/83-डी० एम.आई० से 28-2-90			
7. सिपलक्स कार्सिंग प्रा० निः० 5, शृंगस्ट्रीयल स्टेट मिलाई-490025 (एम.पी०)	एम.पी०/2045	एम. 35014/286/85 (एम.एम.०-II) दिनांक 7-11-88	7-11-88 8-11-88 2/1288/85-डी० एम.आई० से 28-2-90			

1	2	3	4	5	6	7
8.	सम्य प्रेषा पाठ्य पुस्तक निगम भाषाल (म० प्र०)	एम० पी०/ 2076 दिनांक 2-6-86	एस० 35014/405/82-पी० एक-II दिनांक 2-6-86	11-2-89	12-2-89 से	2/830/82/पी० एल० आई० 28-2-90
9.	मैनसं गालिमर रेखान सिल्क (म० प्र०) विविध (केमिकल विविध) विरलाप्राप्त नागरा— 466331	एम० पी०/2094	एम० 35014/262/86 एम० II दिनांक 3-12-86	10-2-90	11-2-90 मे	2/14/76/पी० एल० आई० 28-2-90
10.	मुख्यमंत्रीर मिह कल्टेक्टर जोगेन्द्र मिह कलोनी रोड, मिलाई बिस्ट्रक्ट (दुर्ग) एम० पी०	एम० पी०/2114	एस०/35014/261/85-एस०-IV दिनांक 20-11-85	19-11-88	20-11-88 मे	2/1291/85 28-2-90
11.	मिसेश्वर सिह कांग्नेटर क्वाटर नं एल० आई० जी० 101, वैशाली नगर मुमोक्षा रोड, मिलाई दुर्ग (एम० पी०)	एम० पी०/2373	एस०/35014/225/85-एस०-IV दिनांक 8-11-85	7-11-88	8-11-88 मे	2/1287/85/पी० एल० आई० 28-2-90

## अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि बायक्स, कां एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचियाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसी निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के संष्क-के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी घट्यों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अन्तराद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक मामिलिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाचत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध जाम द्वारा आते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समिक्षित रूप से विकृष्ट किया जाना की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी वास के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंधित होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निवैशितों को प्रतिकर के रूप में जोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना स्टिक्टोन स्पष्ट करने का योगितायक अवश्यर देना।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना कर्ता है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत में कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर्म की दशा में उन मत सदस्यों के नाम निवैशितों या विविध वारिसों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधित्य नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मूल्य होने पर उसके हकदार नाम निवैशितों/विविध वारिसों को बीमाकृत गरिश का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत गरिश प्राप्त होने के एक माह के भीतर भर्निश्वत करेगा।

वी. एन. सीम.  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA  
CENTRAL OFFICE  
CENTRAL DEBT DIVISION

Bombay, the 31st July 1990

No. C.O.D.T. A.C.S. 5/369/90-91—Statement of Government Promissory Notes enfraced for payment of interest in London under deduction of amount re-transferred to India and outstanding in the books of the Indian Government Rupee Loans Office, State Bank of India, London on the 31st March 1990.

Particulars	3% Conversion Loan, 1946	3% Loan, 1896-97	Total
Balance as on 30th September, 1989 . . . . .	Rs. 14,200	2,300	16,500
<i>Add</i>			
Amount enfraced at London during the Half-year ended 31st March 1990. . . . .	—	—	—
<i>Deduct</i>			
Amount written off in the London Registers . . . . .	Rs. 3,100	—	3,100
Balance as on 31st March 1990 . . . . .	Rs. 11,100	2,300	13,400

S.S. RANADE  
Chief Accountant

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS  
ACCOUNTANTS OF INDIA  
Calcutta, the 23rd May 1990

CWR(1)90 : The following draft of certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations, 1959 proposed to be made in exercise of the powers conferred by Sub-sections (1) and (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, (Act No. 23 of 1959), is published for information of persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up to consideration on or after 7th September, 1990.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

In the said Regulations :

I. For the existing Regulation 20, the following new Regulation shall be substituted, namely.

20. Conditions for Registration—Every person applying to become a Registered Student shall be required to apply in Form 'T' and produce evidence to the satisfaction of the Council that he has passed the Foundation Course Examination prescribed in that Regulation.

Provided that a candidate may be admitted as a Registered Student without being required to pass the Foundation Course Examination if he has passed any of the following examinations :

- (a) A degree examination of a University.
- (b) The Final Examination of the Institute of Chartered Accountants of India or England and Wales or Scotland or Ireland or the Final Examination of the Chartered Institute of Management Accountants, London or the Final Examination of the Institute of Company Secretaries of India.
- (c) Any other examination as may be recognised by the Central Government in this behalf.

II. For the existing Regulation 20A, the following new Regulation shall be substituted, namely.

20A. Admission to the Foundation Course Examination—Every person applying for admission to the Foundation Course Examination shall be required to apply in the form prescribed by the Council for the purpose and produce evidence to the satisfaction of the Council that he—

- (a) has completed sixteen years of age on the date of his application; and

(b) has passed the Higher Secondary School Examination under the 10+2 scheme or an examination recognised by the Central Government as equivalent thereto or has passed the National Diploma in Commerce Examination held by the All India Council of Technical Education or any State Board of Technical Education under the authority of the said All India Council.

or the Diploma in Rural Services Examination conducted by the National Council of Rural Higher Education or the Intermediate Examination of the Institute of Chartered Accountants of India or England and Wales or Scotland or Ireland or of the Institute of Cost and Management Accountants, London or of the Institute of Company Secretaries of India, or any other examination as may be recognised by the Central Government for the purpose of admission to the Foundation Course Examination.

III. For the existing Regulation 20B, the following new Regulation shall be substituted, namely :

20B. Fee, Papers and Syllabus for Foundation Course Examination—Every candidate for admission to the Foundation Course Examination shall pay a fee of Rs. 80.00 and shall be examined in the following subjects.

FOUNDATION COURSE

Paper 1 : Business Fundamentals & Economics (100 marks).

Section-1 : Business Fundamentals (50 marks)

Aim : To Introduce the candidate to the world of business and to acquaint him with the basic principles of economics and commercial practices.

Level of knowledge : Basic understanding.

1. Types of business units : sole-traders, partnership, companies, co-operative, Hindu undivided family, joint stock companies, public utilities and state enterprise.

2. Company organisation & Management : Types of companies, their formation, incorporation and commencement of business, memorandum of association and Articles of Association, Prospectus, shares and debentures, Board of Directors and Statutory & General Meetings.

3. Business objectives : Concept and rationale of social responsibility, business and its environment, interface with legal, political, economic, social and cultural aspects.

4. Business Finance : Sources of corporate finance, shares and debentures, underwriting, importance of strategic planning, major financial institutions such as IFCI, IDBI, UTI, ICICI, IRCI, NIDC, LICL, GICL, Exim Bank, SFC and international Finance Institutions like IFM, IFC, IBRD (World Bank), Asian Development Bank formation and functions

5. Export and Import : Essential features of import-export procedures and connected formalities, free trade, subsidy, dumping, protection tariffs, C.C.S. drawbacks, balance of trade agreement, shipping bills, bill of lading, bill of entry, bill at sight, customs formalities, duties-specific and ad valorem dock's and mates receipts, certificate of origin, open general licence, individual licence, Customs warehouse and bonded warehouse, letter of credit.

6. Working Systems of Stock Exchange : Dealers and brokers, transactions, economic significance, conditions of membership stock exchange and clearing house.

7. Security Exchange Control Bureau : Constitution and functions.

8. Business communication and Report writing : Preparation of telegraphic message, public notices, and invitations, circulars, drafting of advertisements, filing of complaints, letter writing.

#### Section-2 : Economics (50 marks)

1. Definition, scope and subject matter of Economics—a few fundamental concepts like utility, wealth, factors of production, demand and supply, equilibrium etc. Land and the laws of returns.

2. Labour and population theories—

Capital—definition, growth of capital, stages in capital formation.

3. Market Forms—Value under perfect competition, value under imperfect competition.

4. National Income—Gross National Product, Net National Product, measurement of National Income, difficulties and significance of National Income analysis, economic growth and fluctuations, consumption, savings and investments.

Distribution—Income determination and equilibrium relating to rent, wages, interest and profit.

5. Money—Definition and functions of money, quantity theory of money, inflation—effects of inflation on production and distribution of wealth, control of inflation, money supply, liquidity preference and marginal efficiency, rate of interest and investment.

Banking—Definition, functions and utility of banking, the principles of commercial banking, multiple credit creation, essentials of sound banking system

Central Bank—Functions, weapons of credit control and the money market.

6. International Trade—Balance of trade and Balance of payment, devaluation, law of comparative cost, protection trade.

7. The theory of employment—Types of unemployment, concepts of full employment and how it can be achieved with the help of a judicious Fiscal Policy.

8. National & International Financial Institutions like IFCI, ICICI, IDBI, SFC etc—International Monetary Fund (IMF). The International Bank for Reconstruction and Development (World Bank).

9. Public Finance—Direct and Indirect taxes, canons of taxation, effects of taxation on production and distribution, taxable capacity, deficit financing Economic Systems and the role of State. Economic planning—definition, types and objectives.

#### Paper—2 : Management and Organisation : (100 marks)

**Aim :** To examine the candidate's ability to (i) understand the role and function of management and (ii) explain its application to the working in various types of organisations with all levels and functions of management.

Level of Knowledge : Basic understanding.

#### Section—1 : Management : (50 marks)

1. Definition of Management : Different schools of management, process and functions of management, university of the principles of management. Evolution of management thoughts. Recent trends, Management as a profession.

Planning : Goals, objectives, standards, targets, quotas, deadlines, standing plan policies, procedures, methods. Projects—special programmes and scheduling. Hierarchy of planning—group or sectional, departmental or divisional, functional and companywise planning planning process—statement of problem, determination of alternatives, collection of facts, analysis, decision on action and execution.

Organisation : Nature of internal organisation of a business enterprise, formal and informal organisation. Principles of organisation. Grouping of activities (a) typical pattern of grouping by—products, services, locations, customers, processes, functions and time (b) critical for grouping activities—specialisation, control, coordination, attention, economy, etc. Creating a network of relationship to determine the authority: delegation, chain of command, authority and responsibility, decentralisation, span of control: (ii) level of authority—staff, kind of staff, nature of staff work, advisory services and control, line and staff relations, (iii) internal relations—committees and their roles

Staffing : Staffing function, selection, manpower needs, manpower position, training, rating and evolution, manpower development, human resource appraisal.

Directing : Nature of directing; motivation; bases of motivation; fear, money, satisfaction, importance of behaviour, individual needs, needs of organisation; factors influencing performance; work environment, communication, group dynamics—formal and informal.

Communication : Nature, media and channels, systems, barriers, aids—structured and unstructured.

Motivation : Motivation to be highlighted under the concepts of :—Maslow's hierarchy of need, McClelland's successful performance in work place and Herzberg's job content and job context.

Leadership : Nature, styles, attitudes, leader effectiveness, situational leadership models.

Control : Concept of managerial control, control of personnel vs. performance, areas of performance control; product, finance, morale; process of control, standards; appraisal, and corrective actions; control aids; good organisation structures; sanity of objectives and policies methods, procedures, budget, etc.

2. Public Sector Management : Concept of the public sector, Social objectives. Classification and growth of public sector in India. A brief study of the pattern of organisation and management of public enterprises in other countries.

3. Pattern of Management : Board policies and functions. Structural pattern of the Board of Directors. Delegation of power, Control by the Government Role of board public enterprises. Problems of public enterprises. Public accountability and control. Autonomy.

#### Section—2 : Organisation : (50 marks)

1. Concept and features : Schools of organisation theory—classical behavioural and systems. Recent trends and approaches. Behaviour in organisation, nature, features, foundations and the role of behavioural science. Behaviour process in organisation.

2. The structure and culture of organisations : Types of organisations in the private and public sectors. The relation between structure and performance of organisations. The influence of culture, value system and accountability requirement on organisations. Organisational change—impact of market and technology. The nature of key functions in an organisation.

3. Characteristics and psychology of individuals : Importance of work to the individual. Concept of job satisfaction. Measures of motivation. Work and self identity, effect of retrenchment, redundancy and change.

4. Social groups: Their functions and organisation—their nature and purpose in business. Development of groups Group dynamics. Creating an effective work group.

5. The organisation and the environment: Aspects of environmental influence—commercial, fiscal and legal. State organised environment. Technological environment. Social and ethical environment. Social responsibility of organisation managers.

6. Industrial unrest, industrial disputes, collective bargaining arbitration, reconciliation, trade unionism, workmen's participation in management, joint councils.

Paper—3: Basic Mathematics & Statistics: (100 marks)

Arithmetic :

Averages, mixtures, computation of interest, discounting of bills, percentages, ratios and proportions

Algebra :

- (a) Number systems—real, imaginary, rational and irrational.
- (b) Elementary knowledge of sets and the operations on them. Simple applications and solution by the use of Venn diagram. Truth table and its applications to statements.
- (c) Indices and surds, variation, logarithms, permutations and combinations, compound interest.
- (d) Solution of system of linear simultaneous equations (3 variable only) Quadratic equations, solution of linear inequalities (by graphical method only).

Mensuration :

Area and perimeter of triangles, circles, parallelogram, regular polygon, volume and surface of cube, prism cylinder, pyramid cone, frustums and spheres (including zone and segments).

Plain Co-ordinate Geometry: (Rectangular cartesian co-ordinates only)

Length of a line segment, section ratio, gradient of a line. Equations of straight line, circles, parabolas, Ellipse and hyperbolas (standard forms only).

Elementary Statistics

Graphical presentation of statistical data, frequency distribution measures of central tendency (mean, median, mode), measures of dispersion (range, mean deviation, standard deviation, variance), measures of skewness and kurtosis.

Paper—4 Commercial & Industrial Laws (100 marks)

1. Indian Contract Act, 1872—nature of contract, contractual terms, remedies for breach and elements of contracts.

- 2. The Indian Partnership Act, 1932.
- 3. The Sale of Goods Act, 1930.
- 4. The Negotiable Instruments Act, 1881.

5. Legal aspects of management: The Factories Act, 1948. The Shops and Establishments Act. The Apprentices Act. The Industrial Disputes Act, 1947. The Industrial Employment (standing order) Act. The Trade Unions Act, 1926. The Workmen's Compensation Act. The Payment of Bonus Act, 1965. The payment of Gratuity Act, 1972. The Employees' State Insurance Act, 1948, the Prevention of Water and Air Pollution Act. The Consumers Protection Act and rules thereunder. The Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952.

IV. For the existing Regulation 20C, the following new Regulation shall be substituted namely:

"20C Foundation Course Examination Results—(a) A Candidate shall ordinarily be declared to have passed in the Foundation Course Examination if he obtains at one sitting a minimum of 40 per cent of the total marks in each paper and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all papers in the examination. The

Council may, however, vary the minimum pass marks at its discretion for any or all the examinations.

(b) A list of successful candidates in an examination shall be published in the journal of the Institute in such manner as the Council may direct each candidate shall be individually informed of his result and also of the marks obtained by him in the paper or papers of the examination in which he appeared. No certificate of pass will however be issued to a candidate passing the Foundation Course Examination.

(c) Except as otherwise specifically provided in the foregoing Regulations, the provisions regarding conduct of examinations, etc. in Regulations 36 to 43 shall, so far as may be, apply to the Foundation Course Examination."

For the existing Regulation 25A, the following new Regulation shall be substituted, namely:

25A. Registration de novo—A person whose registration has been cancelled under Regulation 25 may apply in Form 1 to become a Registered Student de novo and on his application being granted, he shall be deemed for all purposes to have been admitted as a fresh Registered student except that he shall be entitled to the exemption from individual subjects, Stages of the Intermediate or Final Examination, as the case may be previously secured by him under his former registration."

VI. For the existing Regulation 28A, the following new Regulation shall be substituted, namely:

28A. Coaching Administration and Training—(1) The Council may arrange for imparting training to Registered Students and for this purpose establish and operate a Coaching Administration, make rules in connection therewith and charge such fees as may be specified.

(2) The Coaching Administration shall at all times function subject to the control, supervision and direction of the Training and Educational Facilities Committee.

(3) All Registered Students shall be required to undergo such training as may be prescribed before they are admitted to any of the examinations referred to in Chapter V:

VII. For the existing Regulation 30, the following new Regulation shall be substituted, namely:

Intermediate Examination

30. Admission to and fees for Intermediate Examination—(1) No candidate shall be admitted to the Intermediate Examination unless he is a Registered Student of the Institute and unless he has paid all his dues at least sixty days prior to the commencement of the examination;

Provided, however, that a candidate registered as a student shall not be admitted to any Stage or Stages of the Intermediate Examination unless he has produced a certificate from the Director of Studies or the Head of the Coaching Administration, by whatever name designated, or from the head of the institution recognised by the Council in this behalf duly countersigned by the Director of Studies or the Head of the said Coaching administration, as the case may be, to the effect that he has undergone satisfactorily a course of postal or oral tuition for the said stages of the Intermediate Examination.

Provided further that the Examination Committee may on receipt or being possession, of any information against any candidate, decline to admit him to any examination after giving him an opportunity to explain his conduct and after holding such enquiry for the purpose as it may consider necessary.

(2) No candidate shall be admitted to stage II of the Intermediate Examination unless he has appeared in and passed in Stage I of the Intermediate Examination.

(3) Every candidate for admission to the Intermediate Examination shall pay an Examination fee at the rate of Rs. 80.00 for one stage and Rs. 160.00 for both the stages."

VIII. For the existing Regulation 31, the following new Regulation shall be substituted namely :

31. Stages, Papers and Syllabus for the Intermediate Examination and the First Intermediate Examination under the Revised Syllabus :

(1) The first Intermediate Examination under the Revised syllabus under this Regulation will be held in December, 1991. Students registered on or after 1st July, 1991 shall, and students registered prior to 1st July, 1991, who may so opt, may be examined under this Regulation and all other students registered prior to 1st July, 1991 who are candidates for the Intermediate Examination to be held from December, 1993 shall also be examined under this Regulation. The last Intermediate Examination under Old Syllabus shall be held in June 1993.

(2) The stages, papers and syllabus for the Intermediate Examination under this regulation shall be as follows :

Intermediate Examination—Stage I & II

Stage—1 : Paper-1 : Financial Accounting : (100 marks)

Aim : To examine candidate's ability for application accounting principles in different situations.

Level of knowledge : Adequate.

1. Basic concepts of book-keeping and accountancy—

Definition of accounting and its usefulness, book-keeping and accounting—its principles and practices, classification of accounts.

2. (a) System of book-keeping Double Entry System, books of prime entry, subsidiary books, recording of cash and bank transactions, preparation of ledger accounts, preparation of trial balance—interpretation and usefulness.

(b) Bank Reconciliation Statements—Need for reconciliation : procedure for reconciliation between cash book and bank pass book and problems relating to the preparation of bank reconciliation statements.

3. Bill of Exchange—Definition, promissory note and bill of exchange, bill receivable bills payable, drawing accepting, renewal and retirement of bills; accommodation bills.

4. Concept of capital, revenue and deferred revenue expenditure, opening entries, closing entries, adjustment entries and rectification entries. Trading, Manufacturing and Profit & Loss Account and Balance Sheet. Bad debts and reserve for bad debts—its accounting treatment Depreciation—its significance and accounting treatment.

5. Concept of single entry system of accounting vis-a-vis double entry system of accounting, their inter-relationship & conversion from single entry system to double entry system. Preparation of receipts and payments accounts and income and expenditure account Significance of reserve and provisions. Preparation of profit and loss account and balance sheet.

6. Joint venture and consignment Accounts, Partnership Accounts, admission, retirement and death of partner, dissolution of partnership piecemeal distribution of assets.

7. Limited Company Accounts—Issue, forfeiture and redemption of shares and debentures, profits prior to incorporation and Company profit and Loss Account and Balance Sheet as per companies Act, 1956.

Stage I : Paper-2—Cost Accounting : (100 marks)

Aim : To provide in depth knowledge of the various components of cost and their accounting.

Level of knowledge : Through understanding.

1. Introduction : Evolution of cost accounting and Management Accounting Cost concepts and cost object, cost classification cost organisation and its relationship with other departments.

2. Elements of cost and cost determination (i) Material Accounting and control—purchase procedure, store keeping and stock control pricing issues of material and accounting

thereof, identification of slow, non-moving and fast-moving item, ABC analysis, policies relating to insurance spares, levels of inventories and economic order quantity. Analysis, investigation and corrective-steps for treatment of stock discrepancies—control through other means.

(ii) Labour accounting and control—remuneration methods, monetary and non-monetary incentive schemes, payroll procedures, labour analysis and idle time, measurement of labour efficiency and productivity analysis of non-productive time and their cost, labour turnover and remedial measures, treatment of idle time and overtime.

(iii) Direct-expense—nature, collection and classification of Direct Expenses and its treatment.

(iv) Overheads : nature, classification and collection :

(a) Production overheads—distribution, appointment, absorption by products, use of predetermined recovery rates, treatment of under and over-absorption, report for control of overhead cost.

(b) Administration, selling and distribution overheads—analysis accounting and control, treatment of miscellaneous items in cost accounting.

3. Cost Accounting records :Cost ledgers, reconciliation of cost and financial accounts and integrated accounts, computerisation of accounts (introduction only).

4. Methods of Costing :

(i) Specific order costing—job, batch and contract. Determination of costs according to job, batch and contract, valuation of work in progress in job costing, features of contract cost, certification of work done, profit on incompletely contracts, cost—plus contracts.

(ii) Operation costing—process and services.

Process costing—Treatment of normal and abnormal losses and gains, valuation of WIP using FIFO and average methods (equivalent production), interprocess transfer and pricing, concepts, accounting for joint products, by-products, waste, scrap, spoilage and defectives.

5. Service or operating costing : Unit costing and multiple costing application, identification of cost unit and cost determination and control.

6. Techniques of costing :

(a) Marginal costing : Basic concepts, marginal costing and absorption costing, C-V-P analysis, break-even analysis, limitations of BE analysis, differential cost analysis and relevant cost analysis, applications of them for management decision making (simple types)

(b) Budgetary control : Basic concepts, functional budgets, master budget, flexible budgets.

(c) Standard costing : Concepts and uses, setting of standard cost accounting methods, computation of simple variances relating to material, labour and overheads, relationship of standard costing and budgetary controls.

Stage-1 : Paper 3 : Corporate Laws & Secretariat Practice.

(100 marks)

Aim : Understanding of the basic concepts and legal principles governing the business.

Level of knowledge : Thorough understanding.

Section-1 : Corporate Laws

(50 marks)

Definition, fundamental matters and general framework of documents, meeting, and proceedings, management of a company operations, mismanagement and arrangements, concept of capital, classification of shares and debentures, borrowing of a company, accounts and audit of a company, classification and appointment of an auditor, the powers of Central Government, direct special audit, cost accounting

records and cost audit, auditor's report and explanation, preparation and presentation of accounts of government companies and statutory corporations.

MRTP Act, 1969 : MRTP Commission, concentration of economic power, unfair and restrictive trade practices and monopolistic trade practices. Industrial (Development & Regulations) Act, 1951, Development Councils, licensing for new industrial undertakings, taking over management or control by the Central Government

Essential Commodities Act, 1955 : Powers of Central Government to control, effect of seizure and confiscation, etc.

Foreign Exchange Regulation Act, 1973—compliance with the provisions of the Act.

Government Price Control and Tariff Protection : Price control orders regarding drugs, pharmaceuticals, cement, tyres, vanaspati, fertilizer and steel, etc. Administered price, role of BICP (Procedures to be complied with under the Act.)

The sick Industrial Companies (Special Provision) Act, 1985 and provisions including BIFR.

Section-II : Secretariat Practice : (50 marks)

Definition of Secretary, his position and importance in the organisation, Directors—their qualifications and disqualifications, powers, duties and liabilities.

Meeting : Kinds of company meetings, meeting of the shareholders statutory and annual general meetings, requisition and other general meetings. Preparation of notices, agenda, quorum, proxy, voting, motion, amendments, resolutions, adjournment and postponement, explanatory statements and minutes, matters relating to ordinary resolution, special resolution, special notice, preservation and maintenance of registers and books, submission of returns to the Registrars of Companies to all for information and inspection procedures ascertaining profits and dividends and declare of the same to various types of shareholders including mode of payments to residents and non-residents.

Stage-I : Paper 4 : Direct Taxation : (100 marks)

Aim : To provide in depth knowledge of tax laws and their impact on management decision and more particularly to emphasise the role of the tax factors in the use of management accounting techniques.

Level of knowledge—Expert.

(i) Direct Tax Laws—A comprehensive study of Income Tax Act, Gift & Wealth Tax Act, case laws governing capital and revenue expenditure, deemed income-residence concept.

Special problems centering on the concept of assessee, registered firm, HUF, Association of persons and trust—minors, non-resident and double taxation.

Problems covering heads of income : Salaries, perquisites, gratuity and retirement benefits, income from house property, capital gains—income from other sources—income from business and profession—problems arising from aggregation of income and carry forward of losses.

(ii) Tax Audit.

(iii) Tax administration : Appeals, revisions, review, rectification and application to CBDT.

(iv) Acquisition proceedings : Principles of valuation, movable and immovable property.

(v) Direct Tax Planning : Tax implications in planning the legal status of business unit, firm, private limited company and public limited company. Tax implication in (a) receiving foreign collaboration, (b) giving collaboration abroad, subsidiaries outright sale of know-how equity participation etc.

Tax aspects of mergers and amalgamation.

New industrial establishment and tax planning.

Tax considerations arising with regard to specific management decisions such as (i) make or buy, (ii) own or lease (iii) retain or replace, (iv) repaid or scrap or retain, (v) export versus local sale, (vi) shut down or continue, (vii) expand or contract, (viii) new capital investment.

Tax incentive and export promotion.

Capital gains and tax planning.

Tax aspects of investments.

Tax implications in developing capitalisation structure (a) short term loans, (b) deposits from public, (c) term loans, (d) bonus issues and (e) dividend policy.

Taxation of company in which public are not substantially interested.

Stage-II : Paper 5 : Cost and Management Accounting : (100 marks)

Aim : Understanding on costing and management accounting techniques that could be utilised for decision-making and control.

Level of knowledge—Thorough understanding.

1. Introduction : Management process and accounting, management accounting as an extension of cost accounting to serve managerial needs. Managerial planning and control—scope and role of management accounting—installation and operation of cost.
2. Financial analysis and control : Uses of ratios for analysis of financial results—limitations of conventional accounting statement for analysis of the operating results of public enterprise in India. Utility of value—added statement and contribution approach—funds flow and cash flow analysis.
3. Capital structure : Types and sources of capital including internal sources—cost of capital—selecting a desired combination of different components—leverage of gearing consideration.
4. Management of liquidity and working capital : Liquidity and profitability relationship - concepts of working capital - need for working capital management - forecasting of working capital. The concepts and use of operating cycle - management of inventory, debtors cash and creditors.
5. Capital budgeting decisions : Objectives and problems - replacement decision - new investments - criteria used, pay back method, DCF methods - effect of taxation - role of cost of capital - capital relating - decisions under conditions of risk and uncertainty.
6. Cost analysis for decision making : Determining cost behaviour—learning curve theory relevant costs for decision - irrelevance of past cost. Decision on pricing, optimum product-mix make or buy, lease or buy shut down, etc. Introduction to decision models and uncertainty.
7. Management control tools : Budgeting and standard costing advanced cost and sales variances profit variance - analysis, investigation and disposition of variances - management by exceptions - responsibility accounting - performance budgeting and zero-base budgeting - behavioural aspect in budgeting and standard costing.
8. Uniform costing : Inter-firm comparison.
9. Cost reductions - concept and techniques including value analysis.
10. Performance appraisal of public enterprises.
11. Analysis of industrial sickness : Concept of 'sickness' including RBI guidelines, causes and effect - use of accounting ratios and statistical techniques for the purpose and their limitations - measures for revival - the role of RBI - role of BIFR-Sick industrial companies (Special Provisions) Act, 1985.

## Stage II. Paper 6 : Auditing (100 marks)

**Aim :** To provide an in-depth study of the techniques and methods of planning audit assignments with special emphasis on internal Auditing.

**Level of knowledge :** Export.

## Section I . Principles of Auditing (50 marks)

1. Evolution of auditing - major influences on Auditing - Nature and Scope of Auditing - Basic concepts of Auditing Role of Evidence in Auditing.
2. Auditing Techniques and Practices—Generally accepted auditing standards—the concept of Materiality in Auditing.
3. Verification of Assets and Liabilities Fixed Assets, Investments, Inventories, Debtors, Loans and Advances, Cash and Bank balances, Debentures and Creditors, Provision for Taxation, Proposed Dividend and Gratuity - other items in the Balance Sheet. Verification of items in the Profit and Loss Account—Contingent Liabilities - Disclosure of accounting policies practice. Expenditure during the period of construction. Adjustments for previous year. Provisions of the Companies Act regarding accounts.
4. Nature of Internal Control - Evaluation and Audit of Internal Control - Internal Control Questionnaires - Flow Charts, - Systems Audit, Internal Control.
5. Auditing in-depth - Statistical Sampling in Auditing.
6. Use of ratios and percentages for comparisons and analysis of trends - interfirm and intra-firm comparison.
7. Appointment of Statutory Auditors - remuneration, removal, Rights of Statutory Auditors, Duties of Statutory Auditors, Joint Auditors, Branch Audits.
8. Audit Report - Report versus Certificate, Contents of the Reports - Qualifications in the Report.
9. Divisible Profit - Provisions of the Companies Act - Important Legal provisions - provisions of the Income Tax Act.
10. Interface between Statutory Auditor and Internal Auditor.

## Section II : Internal Auditing (50 marks)

1. Nature and Scope of Internal Auditing—Financial versus operational Audit—Concepts of Efficiency Audit, Propriety Audit, Voucher Audit, Compliance Audit, Pre and Post Audit.
2. Impact of the Manufacturing and Other Companies (Auditors' Report) Order, 1988 on the Internal Auditing function.
3. Organisation of the Internal Auditing function—Selection and Training of Staff—assignment of audit projects—Organisational Status of the Internal Auditing functions—Scope for Audit Committees.
4. Planning the Internal Audit Project : Familiarisation—Preparing Check list, Internal Control Questionnaires, Audit Programmes.
5. Verification of Evidence—Detailed checking versus sampling plans, statistical sampling as used in Internal Auditing.
6. Flow Chart Techniques.
7. Internal Control—Nature and Scope, Internal Auditor and Internal controls.
8. Field work : Collecting Evidences—Interviews—Memoranda.
9. Audit Notes and Working Papers.
10. Audit Reports—Techniques of effective reporting. Follow up of Audit Report.

## 11. Summary Reports to Top Managements.

12. Communications in Internal Auditing—Improving auditor-auditee relationship.

13. Auditing the operations of an enterprise—such as accounting and finance, inventory control, procurement, production, marketing, maintenance, personnel, branches and depots, Research and Development.

14. Internal Auditor and the Investigation of Frauds.

15. Auditing the Internal Auditing Function.

## Stage—II : Paper 7 : Indirect Taxation. (100 marks)

**Aim :** To provide in-depth knowledge of tax laws and their impact on management decision and more particularly to emphasise the role of the tax factors in the use of management accounting techniques.

**Level of knowledge :** Expert.

Indirect Tax Laws and Relevant Procedures.

- (i) Central Excise including MODVAT, (ii) Central Sales Tax, (iii) Customs and (iv) Excise Audit.

Central Excises and Salt Tax, 1944, Central Excise (Valuation) Rules 1975, Central Excise Rules 1944 and Customs and Central Excise Duty Drawback Rules 1971. Familiarity with the schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985, licensing procedure, Statutory forms of Returns and Registers (Central Excise series) and case laws relating to determination of Manufacturing expenses.

Procedure for the levy and collection of Central Excise Duties for different industrial Sectors, viz., (i) Physical control, (ii) Records based control, (iii) Production based control and (iv) compounded levy scheme.

Adjudication and Appellate procedures, offences and penalties, provisions relating to import and export of goods, certification with reference to valuation, consumption, stock and MODVAT etc. Procedure relating to Transportation and warehousing.

tax Planning in the area of Indirect Taxes.

## Stage II : Paper 8 : Quantitative Methods : (100 marks)

**Aim :** To provide adequate knowledge for application of economic and quantitative methods in business situations.

**Level of knowledge :** Adequate.

## Section—I : Mathematical Techniques. (40 marks)

- (i) Algebra of vectors and matrices and determinants : Addition, subtraction, multiplication and inversion of vectors and matrices, solution of systems of linear equations with the help of matrix algebra.
- (ii) Calculus : Variables, constants and functions—graphs of functions—limits of algebraic functions—simple differentiation of algebraic functions—meaning of derivatives—evaluation of first and second order derivatives—partial differentiation—solution of problems involving maxima and minima of algebraic functions.
- (iii) Integration (by substitution and by parts) : Determining indefinite and definite integrals for simple functions—application of integration to evaluate areas and volume of solids and revolution.
- (iv) Optimisation of functions under constraints. Linear programming and simplex method of solution.

## Section—II : Statistical Techniques : (40 marks)

- (i) Probabilities . Meaning and definition of probability, mutually exclusive and collectively exhaustive events, repeated trials, combinational analysis. Addition and multiplication rules, Bayes theorem and its application.

Random variables and probability distribution, mathematical expectation, basic elements of binomial, poisson and normal distributions.

- (ii) Population and samples: Sampling methods, uses of random numbers, simulated sampling, concept of sampling distribution and standard errors, confidence intervals for means and percentages, testing hypothesis and uses of  $z$ ,  $t$ ,  $\chi^2$  tests
- (iii) Decision making under risks and uncertainty, Decision Tree Analysis.
- (iv) Simple regression and correlation.

**Section III : Economic Techniques. (20 marks)**

- (i) Demand Analysis: The basis of demand, market demand function, industry demand versus firm's demand. The demand curve Relation between demand function and demand curve. Change and shift in demand. Demand relation and managerial decisions. Theory of consumer behaviour. Substitution and income effects. Price, income and cross elasticities of demand, other demand elasticities. Time impact on elasticity. Price elasticity for derived products. Revenue concepts. Demand estimation.
- (ii) Forecasting: Forecasting methodologies: Time series analysis. Trend projection. Barometric or leading indicator method. Index number analysis—composite and diffusion indexes. Econometric models, curve fitting and least square methods, correlation and regression analysis, multiple and partial correlation—input-output analysis. Forecasting with input-output tables, criteria for forecasting demand for existing and new products.
- (iii) Empirical production function analysis, empirical cost analysis short and long-run cost estimation, factor demand, joint product and multiproduct firm.

**Papers of intermediate examination under old syllabus**

Gr.	Paper No.	Name of paper	State	Paper No.	Name of paper
I	2	Business Mathematics & Statistics	II	8	Quantitative Methods
I	3	Business & Economic Laws	I	3	Corporate Laws and Secretarial Practice
I	4	Book-keeping and Accountancy	I	1	Financial Accounting
II	1	Cost Accountancy—Prime Cost & Overheads	I	2	Cost Accounting
II	2	Cost & Management Accountancy—Methods and Techniques	II	5	Cost and Management Accounting.

(4) A candidate who has passed Intermediate examination under existing syllabus shall not be required to appear in or pass the Intermediate examination under revised syllabus.

A candidate who has obtained exemption or obtained the benefit of carry forward of marks in any of the above papers of Intermediate examination under old syllabus shall be entitled to exemption only in the corresponding equivalent papers of Intermediate Examination under the Revised syllabus under this Regulation. However, the benefit of carry forward of marks by virtue of the result of any examination under old syllabus shall not be available in any paper of Intermediate Examination under Revised syllabus.

**X. For the existing Regulation 33, the following new Regulation shall be substituted, namely :**

**Final Examination**

33. Admission to and fees for Final Examination (1) No candidate shall be admitted to the Final Examination unless he is a Registered Student and has passed the Intermediate Examination of the Institute or of the dissolved company and unless he has paid all his dues at least sixty days prior to the commencement of the examination.

Provided that a candidate shall not be admitted to any Stage or Stages of the Final Examination unless he has produced a certificate from the Director of Studies or the Head of the Coaching Administration, by whatever name designated, or from the Head of the institution recognised

uncertainty in production function, profit planning under risk and uncertainty.

- (iv) Pricing policies and Practices: Cost-plus pricing, going rate pricing, product line pricing, multiple product pricing, pricing over the life cycle of a product, skimming price, penetration price and pricing in maturity, incremental analysis in pricing.

**IX. For the existing Regulation 32, the following new Regulation shall be substituted, namely :**

32. Exemption—(1) In the case of candidates registered as students on or after 1st July 1991, the Council shall have the power to decide, and shall decide, from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted to students who have passed such examination of any University or on reciprocal basis of such professional institutes/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(2) The Council shall also have the power to decide, and shall decide the individual subjects/stages of the Intermediate Examination from which a candidate who is admitted as a Fresh Registered Student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/stages previously secured by him under his former registration.

(3) As a transitional measure the following exemptions will be allowed:

Any candidate who is registered prior to 1st July, 1991 and yet to pass the Intermediate Examination but who has passed or obtained exemption from any of the following paper(s) of Intermediate examination under old syllabus shall be exempted from corresponding papers of Intermediate examination under Revised syllabus under this Regulation as indicated below:

**Corresponding equivalent papers of intermediate examination under revised syllabus.**

Gr.	Paper No.	Name of paper	State	Paper No.	Name of paper
I	2	Business Mathematics & Statistics	II	8	Quantitative Methods
I	3	Business & Economic Laws	I	3	Corporate Laws and Secretarial Practice
I	4	Book-keeping and Accountancy	I	1	Financial Accounting
II	1	Cost Accountancy—Prime Cost & Overheads	I	2	Cost Accounting
II	2	Cost & Management Accountancy—Methods and Techniques	II	5	Cost and Management Accounting.

by the Council in this behalf duly countersigned by the Director of Studies or the Head of the said Coaching Administration, as the case may be, to the effect that subsequent to his passing the Intermediate Examination he has undergone satisfactorily a course of postal or oral tuition for the said stage or stages of the Final Examination.

Provided further that the Examination Committee may, on receipt or being in possession, of any information against any candidate decline to admit him to any examination after giving him an opportunity to explain his conduct and after holding such enquiry for the purpose as it may consider necessary.

(2) No candidate shall be admitted to Stage IV of the Final Examination unless he has appeared in and passed in Stage III of the Final Examination.

(3) Every candidate for admission to the Final Examination shall pay an Examination Fee at the rate of Rs. 100 per Stage and Rs. 200 for both the Stages.

**XI. For the existing Regulation 34, the following new Regulation shall be substituted, namely :**

34. Stages, Papers and syllabus for Final Examination and the First Final Examination under the Revised syllabus—

- (1) The first Final examination under the Revised syllabus under this Regulation will be held in December, 1991. Students who may pass the Intermediate Examination to be held in June, 1991 or

later shall and students who have passed the Intermediate Examination prior to June, 1991 who may so opt, may, and all other students appearing at the Final Examination to be held from December, 1993, shall be examined under this Regulation. The last Final Examination under old syllabus shall be held in June 1993.

(2) The stages, papers and syllabus for Final Examination under the Revised syllabus under this Regulation shall be as follows :

Final Examination : Stage III & IV

Stage—III : Paper 9 : Advanced Financial Accounting  
(100 marks)

**Aim :** To provide a detailed insight into accounting principles and their application to complex business and non-business situations.

**Level of knowledge :** Expert.

1. Accounting principles, concepts and conventions—measurement of business income—accounting standards—national and international.

2. Valuation of enterprise—valuation of inventories, goodwill and shares.

3. Preparation of company accounts—amalgamation, absorption, reconstruction and capital reduction, holding companies, Merger Accounts.

4. Branch and Departmental Accounts—Hire purchase and Instalment Payments—Royalty Accounts—Contract Accounts—Investment Accounts.

5. Preparation of Accounts from incomplete records—Self Balancing Ledger.

6. Accounting in organisation : Farm accounting, hotel accounting—Accounting for non-profit making organisations, e.g. accounting for hospital and educational organisations, accounting for local self government—rural and urban

7. Accounting for bank and insurance companies—accounting for loss of stock, loss of profit and other compensations including marine insurance claims—Electricity Company Accounts.

8. Government Accounting in India : General principles—comparison with commercial accounting—role of Comptroller and Auditor General of India and Public Accounts Committee—review of accounts.

Stage—III : Paper 10 : Information Technology and Computer Applications  
(100 marks)

**Aim :** To exercise control and communicate effectively for the exposure of professional accountants to the growing field of computerised information technology and their applications.

**Level of knowledge :** Basic concepts but not details of technology.

Section—1 : Information Technology—  
(50 marks)

1. Basic concepts of a system : Definition of a system—open and closed system, sub-system, system integration—horizontal and vertical integration. Use of computer in the process of integration. Input-output and process, feedback control, the design of controls concept of boundary, preparation of checklist and analysis of the prerequisites for a proposed system.

2. System design : Input and output design layout make up and forms for output, identification for source documents, file design and codification procedures, verification, validation and manual control over input-data, preparation and identification of the file and its controls, the physical security and pass words, output controls, data transmission control, physical security of data within the office, life cycle and stages of system design, recording and communicating techniques including flow charts, decision table and other diagrams.

3. Information and its Processing : Data and information storage and retrieval, characteristics and qualities of good information, value and sources of information, classification

of information as strategic, tactical and operational, organisation of file security and maintenance, internal storage in computer—RAM, ROM, PROM, Processing capabilities and size of internal storage in a computer, output devices of computer in the form of micro film, graph plotters, line printers, visual display, external storage, media and its uses, uses of electric mail, telex, etc.

4. Distributed data processing : Local area network, time sharing and multi user system, linkage of main frame to micro computer links, advantages and disadvantages of distributed data processing, distributed processing and system design, future prospects of Local Areas Network (LAN) and Wide Areas Network (WAN).

5. Planning, designing and implementation of management information system : Hardware, software and communication technology. A computer system, data presentation for computers, micro-electronics (memory chips), human machine productivity trade-off, integrated management information system covering marketing, manufacturing, financial and personnel, implementation, evaluation and maintenance of MIS.

Section—II : Computer Applications :  
(50 marks)

1. Computer Hardware : Computer and its basic components—input, main store, external storage, processing output and control, Central Processing Unit (CPU) and Arithmetic and Logic Unit (ALU) and their elements and functions, Internal storage and representation of data, Random Access Memory (RAM), Read only memory (ROM) and Programmable ROM (PROM & EPROM), Processing capabilities and internal storage. Binary operations.

2. Computer generations : Mainframes, mini-computers and micro computers. Characteristics of 8 bit, 16 bit and 32 bit computers and their processing capabilities. Future trend of computer developments.

3. Input output devices : Different types of input-devices and their characteristics (magnetic tape, magnetic disk, Winchester disk, cassette, floppy disk, magnetic ink recognition, voice data entry), Divert data entry, OCR (Optical character recognition), Printers (Line laser, dot matrix, daisy wheel), VDU (Visual display unit), microfilm, graph plotter graphic terminal.

4. Preparation and maintenance of files : Concepts of files, records files and characters, temporary and permanent file organisation, file transfer, updating, security and maintenance. Form filling and formatted screen, menus, window, Variable and fixed length records and fields, methods of access—sequential, direct and dynamic—their characteristics and uses. Magnetic tape layout, inter-records gaps, block and inter-block gap, blocking factor.

5. Computer processing methods : Types of processing methods. (i) batch input and batch processing of all data, (ii) batch input and batch processing of transactions but on line file enquiries, (iii) on-line input, batch processing and on-line enquiries, (iv) on-line input updating and enquiries, real-time system and response time.

6. Distributed data processing system (DDPS) : Data transmission system telecommunication link modern and multiplexors, mainframe to micro computer links, local area network (LAN), time sharing and multi-processing.

7. Computer software and Programming : Principles of programming stored instructions, languages FORTRAN, COBOL, BASIC, PASCAL, C, etc. (not ability to write programme), Level of software, software package, utility softwares and operating system (OS) Bootstrap programme Assembler, compiler and interpreters, spread sheet packages, data base management system (DBMS), word processing software packages, graphics software. Simple programme writing on BASIC only for application in pay roll, inventory and sales analysis.

8. Control and audit aspects of MIS : Edit check, error listing, control of system security, audit trail, control of operating efficiency. Auditing in a computerised environment.

9. Computer aided technology : Computer aided design (CAD), Computer aided manufacturing (CAM) etc., Flexible Manufacturing system etc.

**Stage—III : Paper 11 : Operation Management & Control (100 marks)**

**Objective :** To provide a basic understanding of the methods and techniques of production—the economics of effective utilisation of resources and the techniques employed to ensure optimum use of resources.

**Level of knowledge—Expert.**

1. **Technology of production techniques :** Meaning and implication of technology, different concepts like relevant technology or appropriate technology, high-tech vs. low tech, capital-intensive vs. labour-intensive, batch vs. process etc. Technology forecasting—shape of things to come in the 21st Century. Basic ideas regarding manufacturing techniques including machine tools, process technology, productive facilities, productive utilities and manufacturing policies, some broad ideas about the technological aspects involved in the industries covered under the cost audit.

2. **Production planning, scheduling and monitoring system :** The concept of integrated production planning system, linkage between production planning and sales forecasting, procurement planning and finished goods inventory policy. Actual scheduling of jobs—optimisation concept in terms of productive facilities utilisation and cost minimisation through start-up, change over, etc. Production monitoring system and MIS for this purpose, regular review of production planning and monitoring.

3. **Production Economics :** Analysis of problems involving location, layout, multishifts product mix, material handling facilities, utilisation of multi-purpose plants, utilisation of preventive maintenance, utilisation of capacity rectification of unbalanced capacity, off-loading of products, stages of production, product plant, process planning, scheduled production stages controlling quality level, controlling of output costs, products usage and its obsolescence, technological usage nad its obsolescence, control of output costs on the basis of its cost of factors of production and utilisation of capacities scaling of capacities with the help of rationalisation, modernisation, revamping and renovation.

4. **Productivity :** Meaning and significance of productivity, productivity vis-a-vis absolute production, measurement of productivity—both overall and separately for each factor like man, machines, materials etc. Productivity and cost, productivity improvement techniques, time study, work sampling and other techniques for productivity monitoring, productivity bargaining tools and techniques, productivity and work ethos as well as quality of work life, job evaluation and merit rating and use of these in productivity of human resources. Cost reduction and value analysis in the context of productivity. Learning curve concepts in the context of productivity.

5. **Cost Effectiveness in Operational Decisions :** The technique of cost effectiveness analysis, application of the techniques in diverse operational decisions like make or buy, multi-shift operations, plant shutdown, plant location and expansion, retraining of defectives, automation in productive system, utilities management, replacement of machinery and financial impact on technology upgradation and absorption.

**Stage—III : Paper 12 : Project Management & Control (100 marks)**

**Objective :** To provide expert knowledge on formulation, appraisal, financing, administration and control of projects.

**Level of knowledge—Expert.**

1. **Project Identification and Formulation :** Different types of needs leading to different types of projects under BMRED (Balancing, Modernisation, Replacement, Expansion and Diversification). Considerations involved in decisions under each of these types.

Macro and Micro parameters in project selection, different considerations for project under private, public and joint sectors. Project formulation—preparation of project profile, project report and detailed project report. Broad criteria for preinvestment decisions.

2. **Project appraisal :** Different types of appraisal—technical, economic, organisational and managerial, commercial

and financial—financial techniques for project appraisal and feasibility, DCF and non-DCF methods, social cost benefit analysis and economic rate of return. Non-financial justification of projects.

3. **Project, Financing :** Pattern of financing, sources of finance, impact of taxation, public loans, small savings, surplus of public enterprises, deficit financing, foreign aid, Public sector project financing, Role of Tax Planning in Project Financing.

4. **Project Cost Systems :** Project cost accounting and monitoring, contractor and its cost system, labour and equipment costs, accounting codification, development of cost data, labour time, reporting, direct measurement of work quantities, labour cost analysis, equipment accounting, activity based cost accounting, production rates for estimates, control of cost, computer application to cost control.

5. **Project Administration :** Progress payments, expenditure planning, projects scheduling and network planning, use of CPM activities for pay requests, schedule of payments and physical progress, time cost trade off, cash flow preparing, cash forecast and monitoring of fund and other resources, control of groups of projects under one administration and associated problems in sharing resources.

6. **Concepts and uses of PERT-Cost and PERT-time :** Cost as a function of time, PEKT/Cost mechanisms. Accountant's role in PERT/Cost budgeting. Determination of least cost duration.

7. **Post project evaluation.**

**Stage—IV : Paper 13 : Advanced Management Accounting—Techniques & Applications (100 marks)**

**Aim :** To provide adequate knowledge on cost accounting techniques with quantitative bias to be applied for effective planning and control of operation and for improvement of decision making process.

**Level of knowledge :** Advanced knowledge for formulation of problem and solution of the same.

1. **Introduction :** Evaluation of management accounting—full cost allocation, corporate objectives, profitably and other objectives, product services and market mix, information and decision process, quantitative and qualitative factors, reporting for decision making, performance evaluation and its synchronisation with various decision models.

2. **Cost allocation :** Cost accumulation and allocation, general process of cost allocation and various criteria for decision making, allocation of service department cost, interactions amongst service departments—reciprocal methods, allocating cost from one department to other. Joint and by-product cost—joint product problem, treatment of by-product costs, traditional joint cost allocation methods, decision making with joint products, a non-linear programming model for joint cost allocation, decision significance of the joint cost allocation procedures, identifying byproducts with mathematical programming methods and accounting for by-products.

3. **Quantitative Techniques :** Business modelling using linear programming, simplex method of solution and sensitivity analysis. Formation of effective matrix and its application to allocation problems (assignments, transportation and travelling salesman). Games theory and its application to marketing problems. Determination of service levels with the help of queueing theory, business modelling using simulation techniques. Replacement models including DCF. Project planning using network analysis.

4. **Cost behaviour and regression analysis :** Classification and analysis of data for estimation and cost behaviour, standard analysis of cost behaviour using regression analysis, goodness of fit and economic possibility, significance of independent variables, statistical inference in regression. Learning curve estimating learning curve with cumulative effects of learning on productivity, cumulative average time learning model and increment unit time on learning model, learning curve and non-linear cost estimation.

5. **Cost-volume-Profit Analysis :** CVP assumptions and inter-relationship of cost, volume and profit.

(a) Deterministic models—models on CVP analysis, determination of BEP including multiproduct situations, CVP analysis under multiple products, multiple production constraints, CVP models and its uses in decision process.

(b) Models under uncertainty : Building of uncertainty models—probability distribution of sale, determination of BE, parametric estimates for normal and non-normal distribution. Multiproduct CVP analysis under uncertainty in prices and costs parameters, expected value of perfect information and sample information.

6. Pricing and decision process : Opportunity cost, relevance and contribution approach, irrelevance of past cost, profit maximising pricing model—full cost pricing, incremental cost and ROI pricing, strategic pricing on new product. Full cost pricing—advantages and disadvantages. Measuring the cost of product quality—appraisal cost, prevention cost, internal failure cost, external failure cost, optimal price output decision, expected opportunity losses, policies related to optimum inventory model and opportunity losses. Statistical quality control.

7. Variance for sales, profit and cost analysis : Sales and Profit analysis—production mix and yield variance—a decomposition approach to variance—planning and control variance. Cost variance investigation models—materiality significance—statistical significance, non-normal probabilities—control charts—formal models for multiple observations—decision models with costs and benefits of investigation, difficulties in analysis of variances.

8. Decentralisation and transfer pricing : Choice of responsibility centre and decentralisation including its merits and demerits, general criteria for transfer pricing—outlay cost and opportunity cost under different market situations, multi-national and global tax minimisation, transfer pricing, different methods of evaluating transfer pricing—absorption cost, marginal cost, cost plus profit and standard cost including the limitations of these techniques, choosing a profit index, return of investment, concept of residential income and human problems with control of divisional performance.

9. Current issues in management accounting : Inflation and its effects on managerial decision making—social dimensions of business decisions. Human resources accounting—models and their applications. Programme and performance budgeting, zero base budgeting, social accounting and social reporting and human resource planning and optimisation of employees costs.

State IV : Paper 14 : Advanced Management Accounting—Financial Management. (100 marks)

Aim : To provide a detailed insight into accounting processes and their applications to complex business standard.

Level of knowledge : Expert.

1. Planning Environment : Financial objectives, policies on financing, investments and dividends. Financial forecasting, planning and uncertainties, interest rates, inflation, capital gains and losses, exchange control regulation, government credit policies and incentives, statistics on production, price indices, labour, capital market based on published statistical data.

2. Sources of finance (national) : (a) Medium and long term : Venture capital, seed capital, equity preference, convertible and cumulative preference shares, debentures, convertible debentures, hire purchase leasing, public deposits and institutional finances—IIC, UTI, IFCI, ICICI, NIDFC, IDBI, SIDBI, SFC, IRBI.

Internal sources, retained earnings, provisions etc. Issues in raising finance, legal form of organisation, provisions of the Companies Act, control of capital issues, etc. (b) Short term sources : Trade credit, factoring, Bill of exchange, Bank loan, cash credit overdraft.

3. Sources of Finance (International) raising funds in foreign markets and investments in foreign projects, exchange rate-risk agencies involved and procedures followed in international financial operations—concepts of balance of trade and balance of payment,

4. Analysis of operating and financial leverages : Concept and nature of leverage—operating risk and financial risk, operating leverage, financial leverage and combined leverage concepts, measures and their interpretations. Operating leverage and C.V.P analysis—EBIT and EPS analysis—indifference profit.

5. Capital Structure theories and planning : Concept of capital structure and its perimeters, financial structure and capital structure—simple and complex. Theories of capital structure—net income approach, net operating income approach, traditional and Miller and Modigliani approaches and their criticism. Factors for capital structure planning. Capital structure trend in private sectors in India.

6. Cost of Capital : Its nature and meaning, relevance of cost of capital in financial, computation of specific cost, selection of weights, overall cost and marginal cost of capital, corporate tax and its impact on cost of capital.

7. Capital budgeting and impact of time lag in analysis of capital utilisation and availability—pay back period, present value and internal rate of return including sensitivity analysis, limitations on capital budgeting. Determination of the cost of capital—risk or uncertainty, risk and return in a portfolio context, capital and pricing model (CAPM), inflation, leasing versus buying, income taxes, benefits cost recovery system (higher rate of depreciation), investment credits.

8. Working capital management : Operating cycle concept, forecasting working capital requirement, strategies of financing current assets. Working capital and term loans—recommendations of the Tandon Study Group. Monitoring advance management of different components. Working capital management under inflation, new projects and working capital management.

9. Documentation and Procedures for raising long term and short term finance.

10. Advanced Financial analysis and planning : Financial statements, financial ratio analysis, fund flow and cash flow analysis, leverages, CVP analysis, financial forecasting, interim comparison, financial analysis and aspects of inflation.

11. Dividend and retention policies : Formulating a dividend policy factors for consideration. Dividend theories—Walter's model, Gordon's model, residual theory of dividend, Miller and Modigliani hypothesis. The Indian position in private and public sector in general.

12. Financial management in public sector : Management of accounts receivables in public sector units, source of fund of public sector units—cost of loans, cost of equity, cost of retained earnings and debt-equity ratio. Evaluation and control of capital expenditure—determination of cash flows and cost benefit analysis. Pricing policy of public enterprises, project formulation and implementation. Social cost benefit analysis.

Stage—IV : Paper 15 : Advanced Management Accounting—Strategic Management. (100 marks)

Aim : To cover adequate knowledge of organisation and its environment, formulation and importance of strategic planning in achieving organisational objectives and role of Management Accountant in the control of marketing and strategic planning.

Level of knowledge : Expert.

1. Strategic Planning

(i) Planning Environment Economic—forecasts, trend and changes—social, political, legal and technological impacts. Distribution channels and competitive forces. Government policies, economic growth and government expenditure. Public and private sector investment. International trade prices and government policies for capacity expansion, new industries, emphasis on some products, subsidiaries and substitutes. Government policy and inflation.

(ii) Strategies : Meaning and implications of corporate planning, long range planning, business policy planning, strategic planning and strategic management, processes of developing strategic plan—definition of

mission, corporate objectives, (profit gap, sales gap, risk gap and other strategies), SWOT (Strength, weakness, opportunities and Threats) analysis, target setting strategy formulation and implementation, monitoring mechanism, strategies for stagnation vs. growth, strategies for growth through expansion vs. diversification. Acquisition and merger strategy. Strategy of joint venture—both in India and abroad. Marketing strategy as a part of corporate strategy, growth under inflation and protection of shareholders real capital. Financial objectives, non-financial objectives, resources analysis and evaluation.

(iii) Model Building : Strategies in the development of models, Delphi model, econometric, mathematical programming, budgetary and Heuristic model. Sensitivity analysis and the characteristics of this model. Limitations in model building vis-a-vis simulation techniques.

## 2. Marketing

(i) Concept—Production orientation vs. market orientation, marketing objectives, framework and management of marketing-mix, (ii) linkage between strategic planning and marketing strategy—both forward and backward, (iii) research and intelligence—sources for and techniques for acquiring information necessary for marketing decision-making, (iv) control or application of management accounting in marketing—analysis of marketing costs and profitability, pricing policies and strategies, budgetary control in marketing, evaluation and control of sales activities.

Evaluation of sales promotion and advertisement. Distribution costs analysis and control. Evaluation of marketing research and marketing planning.

Contribution analysis and product-line profitability analysis. Product rationalisation including product revamping, product range extension, product elimination and also new product introduction. Evaluation of research information—perfect, imperfect and Bayes' Theorem.

Stage IV : Paper 16 : Advanced Management Accounting—Cost Audit. (100 marks)

Aim : To provide an indepth study of the body of knowledge comprising of the techniques and methods of planning and executing a Cost and Management Audit assignment.

Level of Knowledge : Expert.

## Section I : Cost Audit. (50 marks)

1. Nature, Objects and Scope of Cost Audit : The concepts of efficiency audit, propriety audit, management audit, social audit.

2. Appointment of Cost Auditor—His rights, responsibilities, status, relationship and liabilities—professional and legal under the Companies Act, 1956, the Cost and Works Accountants Act, 1959 and other Statutes.

3. Planning the Audit—Familiarisation with the Industry, the organisation, the production process systems and procedures, list of records and reports, preparation of the audit programme.

4. Verification of records and reports—Utilisation of statistical sampling methods—verification of performance and statement under the Cost Accounting (Records) Rules.

5. Evaluation of Internal Control Systems : Budgetary Control capacity utilisation, inventory control, management information system.

6. Assessment of the adequacy of the internal audit function.

7. Audit notes and working papers—audit reports to management.

8. The Cost Audit Reports—Contents of the Report—distinction between "Notes and Qualifications" to the Report, Cost Auditor's observations and conclusions.

## 9. Professional Ethics and Code of Conduct.

10. Relationship between the Statutory Financial Auditor, the internal auditor and the statutory cost auditor.

11. Cost Accounting (Records) Rules under Section 20 (1)(d) issued one year before the examination and Cost Audit (Reports) Rules under section 233(B) of the Companies Act, 1956. Critical Study of the Rules applicable to the industries covered including the prescribed Annexures & Proformas.

12. Review of Cost Audit Report by the Government : Objectives, methods follow-up actions and disposal of Cost Audit Reports by the Government, company and other end-users of the Cost Audit Reports.

13. Comparative Studies between cost audit and financial audit with special reference to disclosure of information to members, Parliament and the general public.

## 14. Special Penal provision for Cost Auditors.

### Section—II : Cost Audit leading to other services.

(50 marks)

#### A. Management Audit

1. Meaning, nature and scope, organisational needs for Management Audit and its coverage over and above other audit procedures.

2. Audit of the Management Processes and Functions such as Planning, Organisation, Staffing, Coordination, Communication, Direction and Control.

3. Evaluation of Management Information and Control systems with special emphasis in Corporate Image and Behavioural Problems.

4. Corporate service audit (customer services); Product (R & D) and Import substitution, customers channels (export, etc.).

5. Corporate Development and Management Audit, including operational and propriety aspects.

6. Social Cost and Benefit of business enterprises with particular reference to developing countries.

#### 7. Audit of Social responsibility of management.

#### B. Other Services.

8 (a) Other services to the Management, Certification for various purposes—the records to be verified and the safeguards to be taken—the form and content of the certificates.

(b) Cost Audit as an aid to management, Government shareholders, other agencies and the public voluntary Cost Audit.

(c) Productivity Audit—labour, material and capital.

(d) Audit of Energy Conservation and Environmental Protection.

(e) Efficiency Audit—audit of subsystems of an enterprise

(f) Assessment and quantification of losses under marine, fire and accident policies.

(g) Inventory Audits for Banks and other agencies.

XII. For the existing Regulation 35, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"35. (1) Exemption from the subjects of Final Examination—

In the case of candidates registered as students on or after 1st July, 1991, the Council shall have the power to decide and shall decide from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted to students who have passed such examination of any university or on reciprocal basis of such Professional Institute/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(2) The Council shall also have the power to decide, and shall decide the individual subjects/stages of the inter-

mediate examination from which a candidate who is admitted as a fresh Registered student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/stages previously secured by him under his former registration.

(3) Any candidate who has passed or obtained exemption from any of the following paper(s) of Final Examination under old syllabus shall be exempted from the corresponding paper(s) of Final Examination under the Revised syllabus under this Regulation as indicated below :

**Papers of Final Examination under old syllabus.**

**Corresponding equivalent papers of Final examination under Revised syllabus.**

Gr.	Paper No.	Name of paper	State	Paper No.	Name of paper
I	1	Financial Management & Corporate Planning and Policy	IV	14	Advanced Management Accounting—Financial Management
I	3	Advanced Accountancy	III	9	Advanced Financial Accounting
II	2	Cost Audit and Management Audit	IV	16	Advanced Management Accounting—Cost Audit
II	4	Advanced Cost and Management Accountancy—Methods, Techniques & Applications.	IV	13	Advanced Management Accounting—Techniques & Application.

A candidate who has obtained exemption or obtained the benefit of carry forward of marks in any of the above papers of the Final Examination under old syllabus shall be entitled to exemption only in the corresponding equivalent papers of Final Examination under the Revised syllabus. However, the benefit of carry forward of marks by virtue of the result of any examination under old syllabus shall not be available in any paper of Final Examination under Revised syllabus.

XIII. For the existing Regulation 41, the following new Regulation shall be substituted, namely.

41. Examination Results—(1) A list of successful candidates in an examination shall be published in the Journal of the Institute in such manner as the Council may direct. The names of candidates obtaining distinction in the examination shall be indicated in the list. Each candidate shall be individually informed of his results and also of the marks obtained by him in the paper or papers of the examination in which he appeared.

Provided that in any case where it is found that the result of an examination has been affected by error, malpractice, fraud, improper conduct, or in any other way, the Examination Committee shall have the power to suitably amend such result and to make such declaration as the Committee considers necessary.

(2) (a) A candidate shall be declared to have passed in an examination when he has passed in all the stages comprised in that examination from which, he has not been exempted. A candidate shall ordinarily be declared to have passed in a stage of an examination if he gets at one sitting the minimum per cent of the total marks in each paper from which he has not obtained exemption as specified in Col. II below and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all such papers in that Group :

Minimum per cent of the total marks in each paper from which he has not obtained exemption as specified in Col. II below and an aggregate of 50 per cent of the total marks of all such papers in that Group :

Col. I

Stage I or Stage II of the Intermediate Examination held under Regulation 34,

Stage III or Stage IV of the Final Examination held under Regulation 34.

Col. II

40 per cent.

(b) A candidate who is not declared successful in a Stage of any examination—

(i) but obtains 60 per cent or more of the total marks in any paper or papers, shall be exempted in subsequent examination from that or those papers in which he secured 60 per cent or more marks; or

(ii) but obtains 60 per cent or more of the total marks in any paper or papers and a minimum of 40 per cent of the total marks in each of the remaining paper or papers of that Stage, shall be allowed the benefit of carry forward of the actual marks so

obtained by him in that or those papers in which he had obtained 60 per cent or more marks, for the purpose of computing his result in the subsequent examinations.

Provided however that if the benefit of exemption of carry forward mentioned in (i) and (ii) above is voluntarily withdrawn by a candidate he shall not be entitled to such benefit in his future attempts.

(3) A candidate who passes the examination obtaining 70 per cent of the total marks of all the papers of the examination at one sitting shall be deemed to have passed the examination with distinction.

(4) Information as to whether a candidate's answers in any particular paper or papers of any examination have been examined and valued will be supplied to the candidate on his forwarding, within a month of the declaration of the said examination results, an application accompanied by a fee of Rs. 10/- per paper subject to a maximum of Rs. 30/-. The fee is only to verifying whether a candidate's answers in any particular paper or papers have been examined and valued, and not for the revaluation of answers. The marks obtained by the candidates in individual questions or in sections of a paper cannot, in any circumstances, be supplied. If, as a result of such verification, it is discovered that there has been either an omission to examine or value any answer or answers or there has been mistake in the totalling of the marks, the fee for verification shall be refunded in full to the applicant.

(5) If after a period of six months from the date of declaration of results of an examination a candidate requires a duplicate copy of his marksheets in respect of that examination, he shall be supplied with such duplicate copy of marksheets on receipt of an application from him in that behalf and on payment of Rs. 10/- on account of fee for duplicate marksheets; provided that the application for supply of duplicate copy of marksheets in respect of an examination shall be made within five years from the date of declaration of results of that examination."

XIV. For the existing Regulation 45, the following new Regulation shall be substituted, namely.

45. Training for Members—The Council may impart or arrange to impart practical and/or theoretical training through lectures, seminars, summer camps and factory visits and the like, in such subjects as it considers useful for members of the Institute.

XV. For the existing Regulation 46, the following new Regulation shall be substituted namely.

46. Research in Management Accounting/Financial Management and Allied areas.

Members of the Institute, of at least one years' standing as members, desirous of undertaking research in the fields of management accounting/financial management and allied areas, shall register themselves under a Recognised Guide and submit a Thesis after three years of research work.

XVI. For the existing Regulation 47, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"47 Guidance for Researchers : The Council shall maintain a Panel of Recognised Guides for the purpose. The Training and Educational Facilities Committee shall provide such guidances to the researches from time to time as may be necessary.

XVII. For the existing Regulation 48, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"48. Enrolment as a Researcher : Every member of the Institute wishing to pursue a research programme under this Regulation, shall apply to the Institute in such Form as may be prescribed and pay Rs. 500/- as Registration fees. He will indicate at the time of Registration the Broad Topic in which he intends to pursue research and the Guide under whom he intends to work. The consent of the Guides shall be obtained in writing."

XVIII. For the existing Regulation 49, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"49. Submission of the Thesis : The Researcher shall, after a period of three years' study, submit the Thesis to the Institute in triplicate with a certificate from the Guide that he has satisfactorily completed the Research Work under him. A amount of Rs. 200/- shall be sent along with the Thesis as Evaluation Fee."

XIX. For the existing Regulation 50, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"50. Evaluation of the Thesis and Declaration of Results : The Examination Committee shall have the thesis evaluated by two independent referees in addition to the Guide and also conduct a viva voce test for the purpose. The total marks to be awarded shall be 200. A candidate securing 60 per cent of the total marks shall be declared successful and shall be permitted to use the designatory letters 'Res MA'. The results of the Viva Voce test shall be published in the Journal of the Institute."

XXI. For the existing Regulation 51, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"51. (a) Passing Certificate and Designatory Letters : A successful candidate shall be issued a certificate in Form J. Such candidate shall be permitted to use the designatory letters 'Res M.A.' after his name."

(b) Resubmission of Thesis in the case of unsuccessful candidates : A candidate who is declared unsuccessful may resubmit the Thesis for evaluation with such modifications and improvements as may be suggested by the Guide. The revised Thesis shall be evaluated as per regulation 50. The candidate shall not be required to keep fresh terms; however, he shall pay afresh the Examination fee of Rs. 200/-. If the candidate's thesis is rejected even on the resubmission, he shall be required to join the programme afresh and keep fresh terms of three years."

Training and E.F. Committee  
S. M. CHATTERJEE  
Secretary

#### Explanatory Note on the above Amendments

The following is the Explanatory Note on the amendments proposed in Notification No. CWR (1)/90 dated 23rd May 1990. This note is intended only to clarify the intention of the Council underlying these amendments and should not be construed as limiting or amplifying the scope of these amendments in any manner whatsoever.

The Council of the Institute has been engaging its attention to the need of revising the existing syllabi of the Institute's examinations. The reasons for such revision, *inter alia*, are (1) to remove the imbalances between different groups of the intermediate and Final courses, (2) to re-design the course contents in light of the changing conditions, indicating the objective and the level of knowledge expected in each subject, (3) to improve knowledge and skills of the new entrants to the profession, (4) to introduce increased quantitative approach to problems with stresses on their application and on statistical concept, and (5) to make the courses more

management-oriented. With these objectives in view, the Council of the Institute proposes introduction of the revised syllabi, making adequate transitional provisions for existing students changing over to the proposed syllabus so that they are exempted from the relevant subjects on the basis of their performances in the corresponding subjects or Groups of the current syllabus.

Opportunity has also been taken to update the existing provisions and to delete the obsolete or redundant provisions.

Item I : At present the eligibility for direct admission to Intermediate course is to secure an aggregate of not less than 50% of total marks of the degree examination. Now the restriction of marks is waived and a candidate may get direct admission to Intermediate course, without undergoing Foundation course, if he passes a degree examination of a University.

Item II : This lays down the eligibility for taking Foundation course Examination which is similar to the eligibility criteria for taking Preliminary Examination.

Items III & IV : Fees and syllabus and standard of pass Foundation course and related issues.

Item V & VI : Rewording of existing Regulations with necessary changes.

Item VII : The Council has decided that under Revised syllabus a candidate shall be admitted to Stage II of Intermediate examination only after passing Stage I. However, a student can take both the Stages I & II at one sitting.

Item VIII : In switching over from the current syllabus of Intermediate examination to the Revised syllabus thereof, the Council has decided as under :—

(a) The first Intermediate examination under revised syllabus shall be held in December 1991. The last Intermediate examination under existing syllabus shall be held in June, 1993. In other words, Intermediate examinations under both the current and revised syllabi shall be held concurrently for four consecutive terms only, on and from December 1991 examination upto and including June, 1993 examination.

(b) Students registered on or after 1st July, 1991 shall be examined in the respective Intermediate examination under revised syllabus only. Students registered before 1st July 1991 may also opt for the revised syllabus of Intermediate examination, and if so opted, they shall be examined in their respective Intermediate examinations under revised syllabus only. On and from December 1993 examinations all candidates of Intermediate examination shall take the examination under revised syllabus only.

Item IX : The Council has not yet decided any exemption to be granted on reciprocal basis to our Sister Professional Institutes. It would be notified separately as and when decided by the Council.

Item X : The Council has decided that a candidate shall not be admitted to Stage IV of Final examination without passing Stage III thereof. However, a candidate can appear in both the Stages III & IV in one sitting.

Item XI : In switching over from current syllabus of Final examination to the revised syllabus thereof, the Council has decided as under :—

(a) The first Final examination under revised syllabus shall be held in December 1991. The last Final examination under current syllabus shall be held in June, 1993.

(b) Students who pass the Intermediate examination (whether under current or revised syllabus) in June 1991 or afterwards shall be examined in their respective Final examinations under revised syllabus only. Those who pass the Intermediate examination prior to June 1991 examination may also opt the revised syllabus of Final examination and if so opted,

they shall be examined in their respective Final examinations under revised syllabus only.

On and from December, 1993 examinations all candidates of Final Examination shall take the examination under revised syllabus only.

Item XII : The Council has not yet decided any exemption to be granted on reciprocal basis to our Sister Professional Institutes. It would be notified separately as and when decided by the Council.

Item XIII : The Council has decided to modify the standard of pass. The individual pass marks in each paper under revised syllabus shall be 40% as against 35% pass marks in each paper under current syllabus.

Item XIV to XX : The Council has decided to introduce a Post-membership qualification solely on the basis of Research Thesis and relevant Viva Voce test instead of existing system of Management Accountancy examination (which is partly by written examination and partly by Thesis). It is proposed to award the designatory letters 'R's M.A.' for such post-membership qualification (as against the existing designatory 'Dip. M.A.').

S. M. CHATTERJEE  
Secretary  
Training & E.F. Committee

#### EMPLOYEE'S STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 30th July 1990

No. U-16, 53/89-Med.II(MP).—In pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. R. C. Verma of Raigarh (MP) to function as Medical Authority from the date he takes over charge for one year or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier for Raigarh (MP) Centre on payment of Rs. 400/- per month remuneration for two sessions in a week for the purpose of Medical examination of the Insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. K. M. SAXENA  
Medical Commissioner

#### REGIONAL OFFICE (KARNATAKA)

Bangalore, the 31st July 1990

No. 53.V.34.13-9-90.Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for K.G.F. Area under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

#### LOCAL COMMITTEE K.G.F. AREA CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)  
Dy. Labour Commissioner,  
Region-2,  
Bangalore.

#### MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b)  
Labour Officer,  
Kolar.

3. Under Regulation 10-A(1)(c)  
The Insurance Medical Officer,  
E.S.I. Dispensary,  
B.E.M.L. Nagar,  
K.G.F.

4. Under Regulation 10-A(1)(d)  
(a) Shri Gopal Rao,  
Asstt., General Manager,  
(PA & IR), B.E.M.L.,  
K.G.F.

(b) Shri J. A. K. Tareen,  
Senior Manager (P & IR)  
B.E.M.L. Nagar,  
K.G.F.

(a) Shri K. V. Anotony,  
Manager,  
Workers Affairs, B.E.M.L.  
K.G.F.

#### 5. Under Regulation 10-A(1)(e)

(a) Shri C. V. Venugopalan,  
President,  
B-343-05832, Type-II,  
No. 455, B.E.M.L. Nagar, Post,  
K.G.F.

(b) Shri S. Jhamodharan,  
Vice-President-II,  
B-433, 10333,  
B.E.M.L. Nagar Post,  
K.G.F.

(c) Shri D. Nagarajan,  
General Secretary,  
B-432-06187,  
B.E.M.L. Nagar Post,  
K.G.F.

#### MEMBER-SECRETARY

6. Under Regulation 10-A(1)(f)  
The Manager,  
Local Office,  
E.S.I. Corporation,  
K.G.F.

No. 53.V.34.13-9-90.Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Mysore Area under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulations 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

#### LOCAL COMMITTEE—MYSORE AREA

#### CHAIRMAN

1. Under Regulation 10-A(1)(a)  
Assistant Labour Commissioner,  
Mysore.

#### MEMBERS

2. Under Regulation 10-A(1)(b)  
Labour Officer (Conciliation),  
Mysore.

3. Under Regulation 10-A(1)(c)  
The Administrative Medical Officer/  
Superintendent,  
E.S.I. Hospital,

4. Under Regulation 10-A(1)(d)  
(a) Shri N. C. S. Shastry,  
Personnel Manager,  
B.E.M.L.,  
Mysore.

(b) Shri P. Jyothilingana Gowda,  
Manager,  
(Industrial Relations)  
M/s. Vikranth Tyre Ltd.,  
K.R.S. Road,  
Metagalli,  
Mysore.

(c) Shri H. M. Swamy Gowda,  
Junior Officer (P&A),  
M/s. Bhoruka Aluminium Ltd.,  
No. 1, K.R.S. Road,  
Metagalli,  
Mysore.

#### 5. Under Regulation 10-A(1)(e)

(a) Shri R. Mohan Kumar,  
Secretary,  
C.I.T.U., Lakshmi Building,  
Opposite to Town Hall,  
Mysore.

- (b) Shri S. V. Ramesh Rao,  
Assistant,  
M/a. Mandya National Paper Mills Staff Union,  
Belagula,  
Mysore.
- (c) Shri Chandrababu,  
General Secretary,  
Bharathiya Mazdoor Sangh,  
Kalyana Bhavan,  
Thyagaraja Road,  
Mysore.

## MEMBER/SECRETARY

## 6. Under Regulation 10-A(1)(f)

The Manager,  
E.S.I. Corporation,  
Local Office,  
Mysore (V.V. Mohalla).

No. 53.V.34.13-9-90Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Mangalore Area under Regulation 10-A of the E.S.I. (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

## LOCAL COMMITTEE—MANGALORE AREA

## CHAIRMAN

- 1. Under Regulation 10-A(1)(a)  
Assistant Labour Commissioner,  
Mangalore.

## MEMBERS

- 2. Under Regulation 10-A(1)(b)  
Labour Officer,  
Dakshina Kannada,  
D. K. Sub-Division-I,  
Mangalore.
- 3. Under Regulation 10-A(1)(c)  
The Administrative Medical Officer/  
Superintendent,  
E.S.I. Hospital,  
Mangalore.
- 4. Under Regulation 10-A(1)(d)

(a) Shri K. Seshidhara Rao,  
Advocate and Labour Law Consultant,  
K.S. Rao Road,  
Mangalore.

(b) Shri Louis Moskareis,  
Labour Welfare Officer,  
K.S.R.T.C.,  
Mangalore Division.

(c) Shri N. Soman,  
General Manager (Accounts)  
Lamina Suspension Products (P) Ltd.,  
Bykampadi,  
Mangalore.

## 5. Under Regulation 10-A(1)(e)

(a) Shri K. Shembusetty,  
Vice-President,  
B.M.S.,  
Mangalore.

(b) Shri K. Moosabha,  
President, INTUC,  
Mangalore.

(c) Shri Ravindra Naik,  
E.C. Member, INTUC,  
Mangalore.

## MEMBER/SECRETARY

## 6. Under Regulation 10-A(1)(f)

The Manager,  
E.S.I. Corporation,  
Local Office,  
Mangalore.

No. 53.V.34.13-9-90Bfts-II.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been re-constituted for Nanjangud Area under Regulation

10-A of the E.S.I. (General) Regulation 1950 for a term of 3 years from the date of the Notification dated 31-7-90.

## LOCAL COMMITTEE—NANJANGUD AREA

## CHAIRMAN

- 1. Under Regulation 10-A(1)(a)  
Assistant Labour Commissioner,  
Mysore.

## MEMBERS

- 2. Under Regulation 10-A(1)(b)  
Labour Officer,  
Mysore.
- 3. Under Regulation 10-A(1)(c)  
Insurance Medical Officer,  
Nanjangud.
- 4. Under Regulation 10-A(1)(d)

(a) Shri Mohamed Saleemaddin Ahmed,  
Personnel Manager,  
M/s. Kareem Cascami Ltd.,  
Nanjangud.

(b) Shri B. V. Balasabramanyam,  
Director/Secretary,  
M/s. Sadvidyashala Ltd.,  
Nanjangud.

(c) Shri H. N. Vasantha Kumar,  
Personnel Manager,  
M/s. The South India Paper Mills Ltd.,  
Nanjangud.

## 5. Under Regulation 10-A(1)(e)

(a) Shri Mohamed Akbar,  
Secretary,  
The South India Paper Mills Employees Union,  
Nanjangud.

(b) Shri Mohamed Habibe,  
Secretary,  
Sadvidyashala Private Ltd.,  
Workers Union,  
Nanjangud.

(c) Shri H. Goansalves,  
Trade Unionist,  
No. 93, 8th Cross, Shivaji Road,  
N.R. Mohalla,  
Mysore-7.

## MEMBER/SECRETARY

- 6. Under Regulation 10-A(1)(f)  
The Manager,  
Local Office,  
E.S.I. Corporation.  
Nanjangud.

By Orders  
G. APPANNA RAO  
Regional Director

Dated 31-7-1990

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
DEPARTMENT OF POSTS

New Delhi-110 001, the 3rd August 1990

No. 25-9/90-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	NW/7745-C Dated 4-9-86 BA/58	Shri Sudama Ram Pal	10,000

No. 25-20/90-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Department custody, notice is

hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

S. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	494465-C dated 7-1-84	Smt. D.C. Mahajan	20,000
2.	400667-P dated 1-3-80	Smt. V.S. Babar	10,000
3.	399220-P dated 29-1-80	Shri K V. Salunke	10,000

P. GOPINATH  
Director (PLI)

#### Annexure A

#### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 8th May 1990

No. SRO/JCB/3/26/575/C.—WHEREAS draft of byelaws for regulating the registration and classification of contractors carrying out cantonment works Jalandhar Cantonment made by the Cantonment Board, Jalandhar Cantonment in supersession of the byelaws published in the notification of Government of India in the Ministry of Defence SRO No. 310, dated the thirteenth August, 1955, was published with Cantonment Boards Notice No. JCB/3/26/2938/C dated 08th November 1989, as required by section 284 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924) for inviting objections and suggestions till 7th December, 1989;

And Whereas the said notice was put on the Cantonment Notice Board on the 8th November, 1989;

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Cantonment Board after the said date;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft of the byelaws;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 284 of the said Act, the Cantonment Board hereby makes the following Bye-laws, namely:—

#### Short title and commencement:—

1. (1) These byelaws may be called the Jalandhar Cantonment Board (Registration and Classification of Contractors) Bye-laws, 1990.
2. (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

#### Registration of Contractors:

2. No person shall be registered and approved as a contractor of the Cantonment Board, unless:—

- (i) the Executive Officer, has with the approval of the Cantonment Board, granted to such person a licence under these byelaws; and
- (ii) such person has paid the amount of registration charges specified in bye-law 6.

#### Eligibility for tender:

3. No person shall be eligible to submit a tender in respect of a work of the Cantonment Board, unless he is a registered contractor under these byelaws and his name is entered in the list of the approved contractors of the Board.

#### Classes of contractors:

4. There shall be the following four classes of contractors registered under these byelaws, namely:—

Class 'A'—Contractors of buildings, roads, drains and maintenance etc.

Class 'B'—Contractors of all kinds of stores e.g. miscellaneous articles, electric goods, water supply material and building material and engineering articles etc.

Class 'C'—Contractors of printing and stationery and sewing of clothes etc.

Class 'D'—Contractors of washing of clothes etc.

#### Application form:

5. Any person desirous of being an approved contractor of the Board shall make an application in the form annexed to these bye-laws.

#### Registration charges:

6. (1) Registration charges and renewal charges for the above classes of contractors will be, as under:—

Class 'A'—Registration charges of Rs. 2000/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 1000/- for one year.

Class 'B'—Registration charges of Rs. 1000/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 500/- for one year.

Class 'C'—Registration charges of Rs. 500/- non-refundable; and renewal fee of Rs. 250/-, for one year.

Class 'D'—Registration charges of Rs. 25/- non-refundable and renewal fee of Rs. 15/- for one year.

(2) If the registration is not renewed for one year, the contractor will have to register himself again after paying the usual registration charges afresh.

#### Earnest money and security:

(1) Class 'A' Contractors shall deposit an earnest money in cash @ 2% of the contract value at the time of tender. Without earnest money, the tender will not be accepted. Every contractor will deposit a security, in cash or in the form of a FDR pledged to the Cantonment Executive Officer, equivalent to 10% of the tender amount, if the cost of the work undertaken is more than Rs. 2 lakh; before undertaking the work. If the amount of the work is below Rs. 2 lakh; security amount @ 5% of the tender value will be deposited by the contractor in cash or in the form of FDR pledged to the Cantonment Executive Officer. The security will not be released within one year from the date of completion of the work.

(2) The contractors of classes 'B', 'C' and 'D' will deposit the security amount, in cash or in the form of FDR pledged to Cantonment Executive Officer, equivalent to Rs. 2000/-, Rs. 1000/- and Rs. 100/- respectively at the time of submitting the tenders which will be refunded except to the successful tenderer. The security will be released after one year or till the financial year is over. No separate earnest money shall be payable by any registered contractors of classes 'B', 'C' and 'D' respectively at that time of submitting tenders.

#### FORM

(See bye-law 5)

#### APPLICATION FOR THE REGISTRATION AND LICENSING OF A CONTRACTOR

I/We, am/are desirous of being registered in the list of contractors for the Cantonment Board, Jalandhar to undertake the following categories of work:—

Class 'A'—Contractors of buildings, roads, drains and maintenance etc.

Class 'B'—Contractors of all kinds of stores e.g. miscellaneous articles, electric goods, water supply material and building material and engineering articles etc.

Class 'C'—Contractors for printing and stationery and sewing of clothes etc.

Class 'D'—Contractors for washing of clothes etc. (Delete those not applicable).

Statement of my/our capabilities and resources is as under:—

#### Particulars Of Contractor

(i) Name (Proprietor/Partner).

(ii) Address for correspondence.  
(iii) Permanent Address.

2. *Particulars of Property.*

(i) Moveable (attach Bankers reference).  
(ii) Immoveable (attach certificate from Deputy Commissioner/Collector or a First Class Magistrate).

3. *Particulars Of Experience.*

Works carried out.

Note:—(Attach a list showing clearly the name of the work, the amount, the locality, and when executed).

4. *Particulars Of Contractor's Firm*

(i) Organisation  
(ii) Head Office  
(iii) Local office  
(iv) Workshop  
(v) Plant  
(vi) Transport  
(vii) Telephone No.  
(viii) Telephonic address.

(A). Particulars of person holding power of attorney.

(B). Name of Bankers.

(C). Particulars of all companies or firms of Association of persons in which the applicant is substantially interested in his individual of Judiciary capacity.

5. *Particulars of Supervisory Staff.*

(i) Do you supervise personally?  
(ii) Detailing of supervisory staff :—  
(a) Name  
(b) Permanent address  
(c) Qualification  
(d) Function  
(e) Powers

6. *Income Tax*

(An Income Tax Clearance Certificate in the proforma attached should accompany this application).

7. *Relationship with Cantonment Board registered Contractors Members and Employees of the Canton Board Jalandhar.*

(i) Name of related firms.  
(ii) Nature of relationship.  
(iii) Particulars of his/their registration.

8. *Details of other Enlistment.*

(a) If you are at present enlisted as a contractor of any Govt. Department, Local Body etc. attach reference.  
(b) State whether after enlistment you were every removed from the list or debarred from tendering or blacklisted.

9. I/We agree to notify to the Officer accepting this application and registering my/our names in the Cantonment Board list of contractors of any changes in the foregoing particulars as and when they occur and to verify and confirm these particulars annually on 1st January every year.

10. I/We understand and agree that the appropriate Cantonment Board authority has the right as it may decide, not to issue tender from in any particular case and also to suspend, remove or black-list my/our name from the Cantonment Board list of contractors in the event of my/our submission of non-bona-fide tenders or the technical or other delinquency in regard to which the decision of the appropriate Cantonment Board authority shall be final and conclusive.

11. I/We certify that the above particulars are correct and that should it be found that I/We have given a false certificate, or that If I/We fail to notify the fact or my/our subsequent amalgamation with another contractors or firms, my/our name will be removed from the Cantonment Board list of contractors and any contract that I/We may be holding at the time is liable to be rescinded.

8-209GI/90

12. I/We undertake not to employ directly or indirectly and personnel dismissed from the service of the Government and Local Bodies in my/our business.

13. I/We note that registration as Cantonment Board contractors does not carry with it the right to tender for Cantonment Board works.

14. I/We agree to execute a contract deed in favour of the Cantonment Board, Jalandhar on non-Judicial stamp Paper of Proper value in accordance with the draft contract deed which we have read and understood within the prescribed time for any work for which tender has been accepted by the Cantonment Board. The cost of the deed including the stamp duty, if any, shall be borne by me/us.

Encl :—One Proforma.

Signature of contractor.

Dated : \_\_\_\_\_

(FOR CANTONMENT BOARD USE ONLY)

(To be appropriately completed by the Registering Officer).

M/S/Shri \_\_\_\_\_ are/is registered as a Cantonment Board contractor for \_\_\_\_\_ to Cantonment Board, Jalandhar Cantonment for the year \_\_\_\_\_ Their/His Registration Number is \_\_\_\_\_/19  
Dated : \_\_\_\_\_

Signature :

Designation :

## INCOME TAX CLEARANCE CERTIFICATE

1. Name and style (of the company, firm HUE or individual) in which the applicant is assessed for assessable to income tax and address for the purpose of assessment.

2. Name & address of all companies, firms or association of persons in which the applicant is substantially interested in his individual or fiduciary capacity.

3. The income tax Circle/Ward/Distt. in which the applicant is assessed to income tax and the General Income Tax Register No. \_\_\_\_\_

4. The following particulars are to be furnished concerned the income tax assessment for the preceding four years.

(a) The total contract amount received during the preceding four accounting years (give date of the closing day of the year) being previous years of

(b) Year Total Income assessed	Tax Demanded	Tax Paid	Balance Due
1	2	3	4
			5

Note :—1. Tax in clause 3 and 4 should include all items viz. Income Tax Sales Tax, Surcharge, Excess profit tax and Business Profit Tax.

2. If any tax remained unpaid the reason should be explained in an attached statement.

(c) In case there has been no Income Tax assessment in any year, whether returns have been submitted under Section 22(1) or 22(2) or tax has been paid in advance under Section 18A(3) of the Act and if so, the amount of Income returned for each year and tax for each of the four years mentioned above and the income tax Circle/Ward/Distt. concerned where such returns have been filed, give reasons for the same.

(d) Whether any attachment or certificate proceedings pending in respect of the arrears.

(e) The name & address of branches, if any.

I declare that the above information is correct and complete to the best of my information and belief.

Signature of the contractors.

Registration No.

Address :

Dated : \_\_\_\_\_

In my opinion the assessee mentioned above has been /above has not been doing every-thing possible to pay the tax demands promptly and regularly and to facilitate the completion of the pending proceedings.

This certificate is valid for one year from the date of issue.

Dated :

Seal :

Signature of Income Tax Officer  
Circle/Ward/Distr.

Note :—The applicant will have to file two copies of the Income Tax Clearance Certificate before the Income Tax Officer one of which will be completed in full and the other omitting item iv(a) to (e). The latter will be the copy of which will be returned to the assessee duly verified by the Income Tax Officer to be filled before the authority concerned.

RS CHEEMA  
Cantt Executive Officer,  
Jallandhar Cantonment.

**OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND  
COMMISSIONER**

New Delhi, the 30th July 1990

**CORRIGENDA**

No. P.IV/1(2)/87/RR.—In the notification No. P.IV/1(2)/87/RR, published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-06-90;

- (i) In the proviso to rule 5, for the word "where" read the word "where".
- (ii) In the Schedule, under column (2), relating to No. of Posts read No. '01' instead of "10".

The 31st July 1990

No. P.IV/1(9)/89.—In the notification No. P.IV/1(9)/89, published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 16th June, 1990;

- (i) In the first para for the words "(State and Conditions of Service Regulations, 1962" read the words "(Staff and Conditions of Service) Regulations, 1962".
- (ii) In the clause (A) of rule 2, for the words "against Sl. No. 1A" read the words "against Sl. No. 11A".
- (iii) In the foot note :—
  - (a) against Sl. No. 22 read "1-12-1984" instead of "29-12-1984".
  - (b) against Sl. No. 26 read "31-10-86" instead of "21-10-86".

The 1st August 1990

No. CPFC.1(4)/WB(159)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	WB/25936	M/s. J.P. Engineering Corporation (P) Limited, 37, Strand Road, Calcutta-700001, including its sales office at 'Malancha' 4A, Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta-700020.	1-11-1988

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. CPFC.1(4)KN(160)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KN/13339	M/s. J.B. Enterprises, No. 53, Xavier Layout, Bangalore-560047.	1-7-1989

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. CPFC.1(4)KN(161)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KN/13356	M/s. Guardwell & Detective Services, No. 1514, II Floor, Mahakavi Kuvempu Road, Mariappan Palya, Rajajinagar, Bangalore-560023.	1-12-88
2.	KN/13450	M/s. Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamitha, Gowdagere, Hunsur Taluk, Mysore Dist.	30-9-89
3.	KN/	M/s. Vyavasaya Seva Sahakari Sangh Niyamitha, Halebeedu, Belur Tq. Hassan.	31-1-88
4.	KN/13040	M/s. Sharavathi Nursing Home, B.H. Road, Shimoga.	1-11-88
5.	KN/11710	M/s. A.S. Mangale Foundries, Plot No. 11, 689 (342) (1) Udayambagh, Near B.K. Industry, Belgaum-590008.	1-3-88
6.	KN/11333	M/s. Fluid Dynamics (P) Limited, 156-159, Mache Industrial Estate, Belgaum-591181.	1-7-87
7.	KN/12187	M/s. Kutta Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamitha, Kutta, S. Coorg.	1-5-88

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the dates mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)AP(162)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	AP/18138	M/s. The Rajampet Co-operative Town Bank Limited, Rajampet, Cuddapah Distt.	1-10-88
2	AP/18541	M/s. Electromechs. F-II, Industrial Estate, Cuddapah.	1-1-89

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

No. CPFC.1(4)KR(163)/90.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	KR/11674	M/s. Rubber Tex, C-23, Industrial Estate, Calicut-5.	1-2-90
2.	KR/11665	M/s. Ponnani Co-operative Urban Bank Limited, K.K. Junction, Ponnani, Malappuram Distt.	1-1-90

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. 2/1959/DIL/Exempt/89/Pt-I/3894.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madras from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
				1
1.	M/s. Indian Coffec Workers' Co-operative Society Ltd., 37-C, 1st Floor, J. Nehru Street, Pondicherry-605001.	PC/3	1-11-1987	2/2614/90/DLI
2.	M/s. India Radiators Limited, Pozhal, Madras-66 and Branch unit at Penungudi & Head Office at 64, Armenian Street, Madras-1.	TN/1105	1-3-1988	2/2615/90/DLI
3.	M/s. The Chromc Leather Co. Ltd., No. 7, Works Road, Chromepet P.O., Madras-600044.	TN/2195	1-6-1989	2/2616/90/DLI
4.	M/s. Peccve Precision Works Pvt. Ltd., B-16, Industrial Estate, Guindy, Madras-600032.	TN/2938-A	1-4-1988	2/2617/90/DLI
5.	M/s. The Standard Machine Tools, B-3, Ambattur Industrial Estate, Madras-58.	TN/3520	1-3-1989	2/2618/90/DLI
6.	M/s. C.R. Narayana Rao, Architects and Engineers, 5, Karapagambal Nagar, Luz, Mylapore- Madras-600004.	TN/4433	1-7-1988	2/2619/90/DLI
7.	M/s. C.R. Narayana Rao, (Consultant's) Pvt. Ltd., 5, Karapagambal Nagar, Luz, Madras-600004.	TN/8338	Do.	Do.
8.	M/s. India Pistons Repeo Limited, 2C Industrial Estate Kakkalur P.O. Tiruvellore, Chengalput District, Registered Office, 861, Anna Sales, Madras-600002.	TN/4924	1-4-1989	2/2620/90/ DLI
9.	M/s. L.M. Van Moppes Diamond Tools India Ltd., Post Box No. 853, Huzur Garden Sembiam, Madras-11.	TN/5284	1-5-1989	2/2621/90/DLI
10.	M/s. T.T. Maps and Publications Ltd., 328, GST Road, Chromepet, Madras-600044.	TN/6097	1-3-1989	2/2622/90/DLI
11.	M/s. A. Bond Strands Pvt. Ltd., D-12, A-12, Ambattur Industrial Estate, Madras-600058.	TN/6954	1-12-1987	2/2623/90/DLI

1	2	3	4	5
12.	M/s. Light Roofings Limited, No. 226 Lloyds Road, Gopalapuram, Madras-600086 and Regional Office 1076, Hardhios Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-110005.	TN/7066	1-12-1987	2/2624/90/DLI
13.	M/s. The Elenco K.C.P. Limited, Ramakrishna Building, 2, Victoria Crescent Road, Post Box No. 6815, Madras-600015, Factory at 11A, 3rd Main Road, Industrial Estate, Ambattur-MS-58.	TN/7383	1-3-1988	2/2625/90/DLI
14.	M/s. Tropical Agro Systems Ltd., 118, Broadway, 11th Floor, Madras-600008.	TN/7839	1-5-1989	2/2626/90/DLI
15.	M/s. The Repatriates Co-op. Finance & Development Bank Ltd., Pondy Bazaar, Madras-17.	TN/9046	1-3-1988	2/2628/90/DLI
16.	M/s. National Extraction Industries, 23C/4, Kesavanagar, Sevoor, Arni Taluk, North Arcot, District, Madras-632316.	TN/11346	1-3-1989	2/2629/90/DLI
17.	M/s. I.C.F. Silver Jubilee Matriculation Higher Secondary School, I.C.F., Madras-600038.	TN/14792	1-9-1989	2/2630/90/DLI
18.	M/s. Auto Measurematic Ltd., Sudarsan Gardens, 102, Velachery Road, Guindy, Madras-600032 and Regd. Office at 46 & 47, Developed Plots For Electrical and Electronics Industries, Perungudi, Madras-600096.	TN/16098	1-3-1989	2/2631/90/DLI
19.	M/s. Cortica Manufacturing (India) Pvt. Ltd., Avidi-Poosamallee Road, Govardhanagiri, Kumtajnagar Post, Madras-600071.	TN/17352	1-7-1988	2/2632/90/DLI
20.	M/s. Industrial and Technical Consultancy Organisation of Tamilnadu and Regd. Office 50-A, Greams Road, Madras-600006.	TN/17795	1-10-1987	2/2633/90-DLI
21.	M/s. Asiatic Oxygen Limited 23, SIPCOT Industrial Complex, Ranipet-632403, N.A. Dist.	TN/22921	1-7-1989	2/2634/90-DLI
22.	M/s. India Pistons Limited, No. 8 Haddows Road, Madras-600006, and Regd. Office, Huzar Gardens, Sembiam, Madras-600011.	TN/252	1-3-1989	2/2635/90-DLI
23.	M/s. Unind Marketing Associates., 377, Suryanarayana Stat, Madras-600081.	TN/23983	1-3-1989	2/2636/90-DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioners may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are

more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/3899.—WHEREAS Madhya Pradesh Audyogic Vikas Nigam Ltd. 2nd Floor, Malvia Nagar, Bhopal (Code No. 3306) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S. 35014/166/86 (SS.II) Dated 21-5-86 and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 21-5-89 to 28-2-90 upto and inclusive of the 28-2-90

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioners may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charge etc. shall be born by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the em-

ployees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I 3903.—WHEREAS, the employers of the establishments in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted	Date of expiry of exemption	Period for further extension	C.P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Hamdard (Wakf) Laboratories (India) Post Box No. 1507, Hamdard Marg, Delhi-6.	DL/100	No. S-35014/168/86 (SS. II) dated 21-5-86.	20-5-89	21-5-89 to 28-2-90	2/1446/86/DLI
2.	M/s. Jultendar Motor Agency (Delhi) Ltd. 2E/5, Jhandewalan Extn., New Delhi.	DL/662	No. S-35014/167/82 PF.II (SS.II) dated 21-2-86.	24-9-88	25-9-88 to 28-2-90	2/488/81/DLI
3.	M/s. Central News Agencies (P) Ltd. 23/90 Connaught Circus, New Delhi-1	DL/721	No. S-35014(123)84-SS. IV dated 21-11-84	20-11-87	21-11-87 to 28-2-90	2/1082, 84, 111
4.	M/s. Young Women's Christian Association of India, Ashoka Road, New Delhi-1.	DL/1413	No. S-35014(213)86-SS. II dated 20-8-86	19-8-89	20-8-89 to 28-2-90	2/1477/86/DLI
5.	M/s. Pin Cord Industries, 3455/57, Delhi Gate, New Delhi-110006.	DL/2654	No. S-35014/77/82-P.I.II (SS. II) dated 7-4-86	30-7-88	31-7-88 to 28-2-90	2/576/81/DLI
6.	M/s. Kinetics Technology India Ltd., 73-74, Nehru Place, New Delhi-19.	DL/3268	No. S-35014/71/85-SS. IV dated 27-3-85.	26-3-88	27-3-88 to 28-2-90	2/417/80/DLI

## SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/ Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DIL/Exemp.89/Pt. I/3913. — WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2 (A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employers of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned in Schedule-I. against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

## SCHEDULE-I

## REGION : GUJARAT

Sl. No.	Name and Address of the establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Soma Textiles, Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	GJ/288	1-7-87 to 28-2-90	2/2774/90/DLI
2.	M/s. Kutchmetra, Janmabhoomi Group of Newspapers, Camp Atrea, Bhuj (Kutch)	GJ/1978	1-7-89 to 28-2-90	2/2806/90/DLI
3.	M/s. Saurashtra Packings Pvt. Ltd., Regd. Office : Pattani Building, M. G. Road, Rajkot-360001	GL/3352	1-8-88 to 28-2-90	2/22772/90/DLI
4.	M/s. Baroda Electric Meters Ltd., Vithal Udyog Nagar, Vallabh Vidya Nagar, Via Anand (Gujarat)	LGJ/4535	1-3-88 to 23-2-90	2/2782/90/DLI
5.	M/s. The Manekchowk Co. -op. Bank Ltd., Jaymangal House, Block B, Opp. Gandhi Gram Rly. Station Ellis-Bridge, Ahmedabad-380009.	GJ/4681	1-5-88 to 28-2-90	2/2761/90/DLI
6.	M/s. Gola Publishers, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-21.	GJ/4746	1-3-88 to 28-2-90	2/2768/90
7.	M/s. Sandeep Agencies, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy Gomtipur, Ahmedabad	GJ/4746-A	1-3-88 to 28-2-90	2/2783/90/DLI
8.	M/s. Rang. Mutli Colour Offset, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Diary, Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4746-B	1-3-88 to 28-2-90	2/2784/90/DLI
9.	M/s. Mumta Type Setting Works, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-321021.	GJ/4747	1-3-88 to 28-2-90	2/2785/90/DLI
10.	M/s. Vikas Printery, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-21.	GJ/4748	1-3-88 to 28-2-90	2/2786/90/DLI
11.	M/s. Surekha Binding Works, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4749	1-3-88 to 28-2-90	2/2787/90/DLI
12.	M/s. Ankur Offset, Saraswati Bhawan, Nr. Ajad Dairy, Gomti Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4775	1-3-88 to 28-2-90	2/2767/90/DLI
13.	M/s. Cibatul Ltd., P. O. Atul-396020 Distt. Valsad (Gujarat)	GJ/5226	1-11-87 to 28-2-90	2/2780/90/DLI
14.	M/s. A. T. E. Pvt. Ltd., Behind Bhagwati Industries, Odhav, Ahmedabad-382410	GJ/6499	1-3-88 to 28-2-90	2/2755/90/DLI
15.	M/s. Gujarat Agro Industries Corp. Ltd., Jagan Oil Extension Unit at : Jagna, Distt. Banaskantha	GJ/6651-H	1-8-87 to 28-2-90	2/1650/87
16.	M/s. G. L. Rexroth Industries Ltd., Popular House, 6th Floor, Ashram Road, Ahmedabad-380009	GJ/6928	1-5-88 to 28-2-90	2/2781/90
17.	M/s. Shri Matangi Transport Co., (Agency) 12, Suprabhat Industrial Estate Bardalpura, Ahmedabad-380016.	GJ/7470-A	1-3-88 to 28-2-90	2/2775/90/DLI
18.	M/s. Harasha Engineers (P) Ltd., 217, G. V. M. M. Ltd. Estate, Odhav Road, Ahmedabad-382410	GJ/7742	1-10-87 to 28-2-90	2/2791/90/DLI

1	2	3	4	5
19.	M/s. Bimco (India) Ltd., Aman Sojitra Road, Vallabh-Vidyanagar, Distt. Kheda.	GJ/7786	1-5-88 to 28-2-90	2/2763/90/DLI
20.	M/s. Syncar Products, Plot No. 1/5 & 1/6, GIDC Estate, Vapi-396195, Distt. Bulsar.	GJ/8440-B	1-7-88 to 28-2-90	2/2756/90/DLI
21.	M/s. Everest Chemicals & Minerals Pvt. Ltd., Plot No. 203, G. I. D. C., Vapi-396195.	GJ/9449	1-3-88 to 28-2-90	2/2757/90/DLI
22.	M/s. Galazy Paints, G. I. D. C. Vapi-396195.	GJ/9449-A	1-3-88 to 28-2-90	2/2766/90
23.	M/s. Vapi Polymers Pvt. Ltd., Plot No. 203/2, G. I. D. C., Vapi-396195	GJ/9449-B	1-3-88 to 28-2-90	2/2764/90
24.	M/s. Hindustan Engineers,, A/2-4, G. I. D. C., Bhimora Distt., Valsad.	DGJ/9539	1-9-88 to 28-2-90	2/2758/90
25.	M/s. A. Z. Metal Industries, G. I. D. C. Gundhad, Valsad Industrial Estate, Valsad	GJ/9545	1-10-88 to 28-2-90	2/2788/90/DLI
26.	M/s. Khatan Junker Ltd., (M.P.P.C.Divn.), Plot No. 624/28, G.I.D.C. Estate, Ankleshwar, Valia Road, Ankleshwar- 393002	GJ/958 0	1-4-88 to 28-2-9	2/2789/90/DLI
27.	M/s. Perfect Equipments, L/172, G. I. D. C., Estate, Odhav Road. Ahmedabad-362415	GJ/11040-A	1-7-88 to 28-2-90	2/2790/90/DLI
28.	M/s. Drhardt Leimer (India) Ltd., Survey No. 320, Odhav Road, Ahmedabad-382410	GJ/11087	1-3-88 to 28-2-90	2/2776/90
29.	M/s. Trumac Engineering Co. Ltd., N. I. D. C., Estate, Noor Lamba Village Narol, Distt. Ahmedabad.	GJ/11129	1-3-88 to 28-2-90	2/2792/90/DLI
30.	M/s. Garwin Pumps Ltd., C-1/273, G. I. D. C. Township Naroda-382330, Ahmedabad	GJ/11286	1-3-88 to 28-2-90	2/2771/90/DLI
31.	M/s. Schautz Cuatare Pvt. Ltd., 43/2, G. I. D. C., Estate, Kajol (N.G.)	GJ/11327	1-2-89 to 28-2-90	2/2771/90/DLI
32.	M/s. Banaskantha, Mehsana Gramin Bank, Rajmahal Road, Near Railway Station, Patna.	GJ/14371	1-1-88 to 28-2-90	2/2793/90/DLI
33.	M/s. Sidmak Laboratories (India) Pvt. Ltd., National Highway-8, Abramia, Valsad-396001.	GJ/15824	1-8-88 to 28-2-9 0	2/2794/90/DLI
34.	M/s. Tapti Industrial Engineers, Mankush Compound, A. K. Road, Surat-395008	GJ/16714	1-9-8 8 to 28.2-90	2/2761/0/DLI
35.	M/s. Milax Cable Industries, Rakhtal Station-382315, Tala-Dehegam, Distt. Ahmedabad.	GJ/14793	1-5-88 to 28-2-90	2/2765/90/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance

premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/legal heir (s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heirs (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. and date shown against the name of each of the said establishment as per Schedule I, and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period upto 28-2-90 as indicated against their names.

#### SCHEDULE-I

#### REGION : MADHYA PRADESH

S. No.	Name and Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier	Period for C. P. F. C's	File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Swaderni Cotton & Flour Mills, 7 Shilnata Comp. Indore-452003	MP/6	S. 35014(87)86 SS. II Dt. 5-3-86	4-3-89	5-3-89 to 28-2-90	2/1382/86-DLI
2.	M/s. Sanghi Brothers (Indore) Ltd. 6 Manorama gani Indore-452001	MP/249	S 35014/18/82-PF. II (SS. II) dt. 2-4-85	9-9-88	10-9-88 to 28-2-90	2650/82-DLI
3.	M/s. Bhilai Engineering Corporation Ltd., Unit of Baco Steel Castings, Industrial Area P. B. No. 31, Bhilai (M. P.)	MP/756	S. 35014/176/83-PF. II (SS. II) dt. 28-8-86	21-10-89	22-10-89 to 28-2-90	2/916/83-DLI
4.	M/s. Oriental Importers and Exporters P. B. 36, Laxmi Nivas Jayendranji Gwalior (M. P.)	MP/1045	S. 35014/299/82-PF. II (SS. IV) dt. 19-3-86	14-1-89	15-1-89 to 28-2-90	2/739/82-DLI

1	2	3	4	5	6	7
5.	The Madhya Pradesh State Agro Industries Development Corporation Ltd., Panchanan 3rd Floor, Malviya Nagar, Bhopal (M. P.)	MP/1636	S. 35014/360/82-PF.II (SS. II) Dt. 231-1-86	11-2-89	12-2-89 to 28-2-90	2/792/82-DLI
6.	The District Co-operative Land Development Bank Guna (M.P.)	MP/2018	S. 35014/255/83-PF-II (SS. II dt. 29-8-86)	23-12-89	24-12-89 to 28-2-90	2/944/83-DLI
7.	M/s. Simplex Casting Pvt. Ltd., MP/2045 5 Industrial Estate Bhilai-490026 (M. P.)		S. 35014/(226)85-SS.IV Dt. 8-11-85	7-11-88	8-11-88 to 28-2-90	2/21268/85-DLI
8.	The M. P. Text Book Cop. Shivaji Nagar, Bhopal (M. P.)	MP/2076	S. 35014/465/82-PF.II (SS. II) dt. 2-6-86	11-2-89	12-2-89 to 28-2-90	2/830/82.-DLI
9.	M/s. Gwallor Rayon Silk (Mfg.) Wing Co. Ltd. (Chemical Division) Birlagram, Nagda-456331	MP/2094	S. 35014/(262)86-S.S.II dt. 3-12-86	10-2-90	11-2-90 to 28-2-90	2/14/76 DI I
10.	M/s. Sakhbir Singh Contractor Jogandra Singh Colony, Nandini Road, Bhilai Distt. Durg (M. P.)	MP/2114	S. 35014/(261)85-SS.IV dt. 20-11-85	19-11-88	20-11-88 to 28-2-90	2/1291/85
11.	M/s. Niteshwar Singh Contractor Qur. No. L.I. G. 101 Vaishali Nagar Khoka Road, Bhilai Durg. (M. P.)	M.P./2373	S. 35014/(225)-85-SS-IV dt. 811--85	7-11-88	8-11-88 to 28-2-90	2/1287/85

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the

amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/legal heir (s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heirs (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner.